RNI No. : MPHIN/2010/38129 MP/IDC/1375/2020-22 www.hariyalikerastey.com

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 10 » अंक : 2-3 » दिसंबर 2019-जनवरी 2020 » मूल्य : 40 रु. Email : hariyalikeraste2010@gmail.com

मध्यप्रदेश की कांग्रेस सरकार के एक साल पूरे 06

कृषि विकास के मुद्दों को प्रदेश सरकार ने दी सर्वोच्च प्राथमिकता 12

म.प्र. के कृषिमंत्री श्री सचिन यादव के जन्मदिवस पर विशेष 19

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
नववर्ष नव उजास के साथ आप सभी के जीवन में खुशियाँ लाए...
किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
श्री जगदीश कन्नौज (प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री अम्बरीश वैद्य (उपायुक्त सहकारिता झाबुआ)
श्री बी.एस. कोठारी (उपायुक्त सहकारिता अलीराजपुर)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक अपेक्स बैंक इंदौर)
श्री पी.एन. यादव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से
श्री पारसिंह मुनिया (शा.प्र. थांदला), श्री विक्रम बैरागी (पर्य. थांदला), श्री मन्नूसिंह खतेड़िया (शा.प्र. मेघनगर), श्री संजय नागर (पर्य. मेघनगर)
श्री जामसिंह भाभर (शा.प्र. अलीराजपुर), श्री महेन्द्रसिंह राठौर (पर्य. अलीराजपुर), श्री गमलसिंह पटेल (शा.प्र. भाभरा), श्री शैलेन्द्रसिंह राठौड़ (पर्य. भाभरा)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. थांदला, जि.झाबुआ श्री विक्रम बैरागी (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. परवलिया, जि.झाबुआ श्री अर्जुन हाड़ा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. हरिनगर, जि.झाबुआ श्री श्रीराम श्रीवास्तव (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. खजूरी, जि.झाबुआ श्री निहालसिंह कन्नोज (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़ी धामनी, जि.झाबुआ श्री राजेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. काकनवानी, जि.झाबुआ श्री गुलाबसिंह निनामा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. मेघनगर, जि.झाबुआ श्री शंकरसिंह नायक (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. रम्भापुर, जि.झाबुआ श्री गरवरसिंह कठोता (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. मदरानी, जि.झाबुआ श्री मानसिंह वसुनिया (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. नौगाँवा, जि.झाबुआ श्री दिनेश बैरागी (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. पंथ पिपल्या, जि.झाबुआ श्री इन्दरसिंह राठौर (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. मांडली, जि.झाबुआ श्री नरवरसिंह हाड़ा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. अलीराजपुर, जि.झाबुआ श्री जगदीश डाबर (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. आम्बुआ, जि.झाबुआ श्री महेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. बोरझाड़, जि.झाबुआ श्री महेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. नानपुर, जि.झाबुआ श्री बालाप्रसाद प्रजापति (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. चाँदपुर, जि.झाबुआ श्री मुकामसिंह बघेल (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. सोरवां, जि.झाबुआ श्री मुकामसिंह बघेल (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. बोरखड़, जि.झाबुआ श्री दिलीप वाणी (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. भाभरा, जि.झाबुआ श्री जगदीश पांचाल (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. बरझर, जि.झाबुआ श्री भेरुसिंह गाडरिया (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. झीरण, जि.झाबुआ श्री शैलेन्द्रसिंह राठौड़ (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. सेजवाड़ा, जि.झाबुआ श्री कैलाशचंद्र कायस्थ (प्रबंधक)
समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 10 » अंक : 2-3 » दिसंबर 2019-जनवरी 2020 » मूल्य : 40 रु.

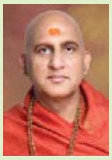

» विशेष संरक्षक : जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर अनन्त श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज
» संरक्षक : विष्णु नारायण त्रिपाठी
» प्रधान संपादक : बृजेश त्रिपाठी
» प्रबंध संपादक : अर्चना त्रिपाठी
» सलाहकार मंडल :
व्ही.जी. धर्माधिकारी (सेवानिवृत्त सचिव एवं आयुक्त सहकारिता)
एल.डी. पंडित (सहकारी विशेषज्ञ)
सुशील मिश्र (पूर्व अपर आयुक्त सहकारिता)
मणिशंकर उपाध्याय (कृषि विशेषज्ञ)
एम.एस. भटनागर (कृषि रत्न, बीज विशेषज्ञ, सलाहकार बीज संघ)
सुरेशचंद्र ताम्रकर (वरिष्ठ पत्रकार)
डॉ. आर.ए. शर्मा (पूर्व डीन, कृषि महाविद्यालय, इंदौर)
डॉ. वी.एन. श्रॉफ (कृषि वैज्ञानिक)
यशोवर्धन पाठक (व्याख्याता जबलपुर)
पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक' (अध्यक्ष, म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद)
डॉ. राजीव शर्मा (प्रोफेसर एवं कवि, इंदौर)
डॉ. भरत शर्मा (समाजसेवी)
हरप्रसाद मोदी (वरिष्ठ पत्रकार, झाँसी-ललितपुर)
अरुण के. बंसल (फ्यूचर पॉइंट प्रा.लि., नई दिल्ली)
पं. रतन वशिष्ठ (ज्योतिषाचार्य एवं कथावाचक)
लेफ्टिनेंट कर्नल अजय (वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य)
कैप्टन (डॉ.) लेखराज शर्मा (ज्योतिषाचार्य)
» विशेष संवाददाता
इंदौर-उज्जैन संभाग : परीक्षित शर्मा (मो. 7999692727)
भोपाल संभाग : आलोक मालवीय (मो. 9806750146)
होशंगाबाद संभाग : धनराज मालवीय (मो. 9827744248)
छत्तीसगढ़ (रायपुर) : पी.एल. चुरहे (मो. 7389652211)
» प्रकाशक : बृजेश त्रिपाठी
306/ए-ब्लॉक, शहनाई-II रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 8989991569, 9752558186
» लेआउट-डिजाइन : नितिन पंजाबी (मो. 9893126800)
ई-मेल : nitinpunjabi5@gmail.com
» मुद्रक : वी.एम. ग्राफिक्स
के-29, एल.आय.जी. कॉलोनी, इंदौर

3
अराजक होते आंदोलन

6
एक साल में 365 वचन पूरे

12
किसानों को किया ऋण मुक्त

15
आदिवासी अंचलों में बढ़ा रोजगार

21
सहकारिता से समृद्ध होती ग्रामीण अर्थव्यवस्था

25
गन्ने में कीट-रोग प्रबंधन

28
छिंदवाड़ा में कॉर्न फेस्टिवल

60
सलमान ने मनाया जन्मदिन

संपादकीय

नववर्ष में नवाचार अपनाएँ

वर्ष 2019 अनेक खट्टी-मीठी यादों के साथ बिदा हो गया। यह वर्ष अनेक महत्वपूर्ण घटनाओं के लिए इतिहास में सदैव याद किया जाएगा। केन्द्र में लगातार दूसरी बार भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनी। इस सरकार ने जम्मू-कश्मीर को केन्द्र शासित प्रदेश का दर्जा प्रदान किया और धारा-370 को समाप्त कर दिया। तीन तलाक की कुप्रथा को संसद में कानून बनाकर समाप्त कर दिया जो 70 साल से हमारे देश के लिए एक काँटा बनी हुई थी। भाजपा ने केन्द्र में जरूर सरकार बनाई लेकिन मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, महाराष्ट्र और झारखंड की सत्ता उसके हाथों से फिसल गई। इन राज्यों में कांग्रेस की वापसी ने उसके पस्त होते हौसले को नई बुलंदी दी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया। यह भी इस साल की एक ऐतिहासिक उपलब्धि रही जो समस्या पिछले लगभग 500 बरस से लटकी हुई थी, उसका सुलझना ऐतिहासिक प्रसंग ही कहा जाएगा। साल 2020 नई आशाओं की किरणें लेकर आ रहा है। इस बार अंग्रेजी नववर्ष 2020 की शुरुआत बुधवार के दिन से हो रही है। हिन्दू नववर्ष 2077 की शुरुआत भी मार्च में बुधवार के दिन से ही होगी। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार नए साल में पूरे समय बुध देव का आधिपत्य रहेगा जो शुभ फलदायी होगा। अंक ज्योतिष के अनुसार अंग्रेजी नववर्ष 1.1.2020 का कुल योग 6 है। वर्ष 2020 में बुध के राजा होने से पूरे वर्ष धर्म और अध्यात्म का बोलबाला रहेगा। यह एक अच्छा संकेत है। कृषि के लिए भी नववर्ष शुभ संकेत लेकर आया है। बीते वर्ष में समूचे देश में मानसून की भरपूर वर्षा ने रबी की फसलों के आसार उज्ज्वल कर दिये हैं। खरीफ में कुछ भागों में अतिवृष्टि से जरूर फसलें प्रभावित हुईं लेकिन उसकी भरपाई रबी में होने की आशा है। देर तक मानसून की बारिश होने से खेतों में पर्याप्त नमी है और जलाशयों में भरपूर पानी है। अर्थात् सिंचाई के लिए पानी की कमी नहीं होगी। नए वर्ष में स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं पर बड़े पैमाने पर कार्य होने जा रहे हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने सौर ऊर्जा क्षेत्र में 50 हजार करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा है, इस राशि से कंपनी 10 गीगावाट बिजली उत्पन्न करना चाहती है। साल 2032 तक एनटीपीसी का 130 गीगावाट वाली कंपनी बनने का लक्ष्य है। आने वाले वर्षों में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य होंगे। स्वस्थ और स्वच्छ पर्यावरण के लिए ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों पर निर्भरता घटानी होगी। हमारे किसान भाइयों को भी इस दिशा में कदम बढ़ाने चाहिये। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में सरकार से सबसिडी का लाभ लेकर सौर पम्प और सौर विद्युत के क्षेत्र में कदम रखने से किसानों को आर्थिक लाभ तो होगा ही पर्यावरण की रक्षा भी कर सकेंगे। नववर्ष में किसानों को खेती में नवाचार की ओर भी कदम बढ़ाने चाहिये। रासायनिक खाद और कीटनाशकों पर निर्भरता कम करते हुए जैविक खेती को अपनाने में ही समझदारी है। इससे किसान भाई अपने और अपने परिवार की सेहत दुरुस्त रखने के साथ-साथ धरती माँ की सेहत को भी सुधार सकते हैं। बाजार में जैविक उपज भेजकर समाज की भलाई का पुण्य भी कमा सकते हैं। हर साल बोवनी से पूर्व यूरिया की किल्लत से होने वाली परेशानी से बच सकते हैं। उन्हें झाबुआ जिले के कृषक वेस्ता से प्रेरणा लेनी चाहिये जिन्होंने अपने खेत पर ही जैविक खाद तैयार की। पिछले पंद्रह साल में एक बार भी रासायनिक खाद का इस्तेमाल नहीं किया। अंत में सभी स्नेहियों और सहयोगियों को नववर्ष पर हमारी ढेरों शुभकामनाएँ। नववर्ष आप सबके लिए मंगलमय हो। इसी तरह आपका स्नेह भविष्य में भी हमारा संबल बने।

अराजक होते आंदोलन

» हृदयनारायण दीक्षित
अध्यक्ष, उत्तरप्रदेश विधानसभा

आंदोलन राजनीतिक हमला नहीं होते। वे तो सत्ता और समाज का ध्यानाकर्षण होते हैं। मुद्दा आधारित सभी विमर्श आंदोलन हैं। सभा, जुलूस और प्रदर्शन आंदोलन के ही भिन्न रूप हैं। आंदोलन राज और समाज को दिशा दे सकते हैं, लेकिन अराजकता आंदोलन को प्रभावशून्य कर देती है। शालीन आंदोलनकारी जननायक दिखाई पड़ते हैं, अराजकता उन्हें जनता की नजरों में गिराती है।

आंदोलन गैरजिम्मेदार राजनीतिक कर्मकांड नहीं हो सकते, क्योंकि वे तो जीवंत जनतंत्र की प्राण ऊर्जा होते हैं। आंदोलनकारी अपने विचार के पक्ष में लोकमत का परिष्कार और संस्कार करते हैं। ध्येयनिष्ठ आंदोलनकारी संविधान और विधि व्यवस्था को तोड़ने का काम नहीं करते। बीते कई दिनों में आंदोलन के नाम पर देश के विभिन्न हिस्सों में अरबों रुपये की संपदा आगजनी और तोड़फोड़ में स्वाहा कर दी गई। अकेले रेलवे को करीब 90 करोड़ रुपए की क्षति हुई। हिंसक विरोध प्रदर्शन के कारण 20 से अधिक लोग मारे गए और एक बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी घायल हुए। इस हिंसा में तमाम सरकारी-गैरसरकारी वाहन भी फूंके गए और वह भी तब, जब कई जगह सड़कों पर उतरे लोग गांधी, आंबेडकर आदि के पोस्टर भी लिए हुए थे। मार्क्सवादी चिंतक डॉ. रामविलास शर्मा ने ठीक लिखा है, गांधी, आंबेडकर, लोहिया वर्तमान भारत के राजनीतिक, सांस्कृतिक आंदोलनों के लिए प्रासंगिक हैं। जो समाज व्यवस्था से असंतुष्ट हैं, उन्हें तीनों का अध्ययन करना चाहिए। भारत के स्वाधीनता आंदोलन से दो उपलब्धियां हासिल हुईं। इसमें स्वाधीनता पहली उपलब्धि है। दूसरी उपलब्धि यह रही कि इस आंदोलन ने राष्ट्रजीवन को समाजसेवा, राष्ट्रभक्ति, त्यागपूर्ण राजनीति और अहिंसक जीवन मूल्य दिए। स्वाधीनता आंदोलन के आदर्श जीवन मूल्य लोकमानस में संजोकर रखे जाने वाले हैं। संविधान में उल्लिखित मूल कर्तव्यों में कहा गया है कि स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखें और उनका पालन करें।

संविधान का अनुच्छेद 51 ए/बी कहता है कि सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा और हिंसा से दूर रहना भी संवैधानिक कर्तव्य है। लेकिन हाल के कई आंदोलनों में स्वाधीनता आंदोलनों के आदर्श सिरे से गायब दिखे हैं। स्वाधीनता आंदोलन में जब विदेशी सत्ता से भारत का टकराव था, तब भी आंदोलन आदर्श जीवन मूल्यों से प्रतिबद्ध था तो इसीलिए कि यह भाव प्रबल था कि आंदोलन की अपनी मर्यादा बनी रहनी चाहिए।

गांधी जी स्वाधीनता आंदोलन के निर्विवाद नेता थे। आंदोलन की धार तेज करने के लिए उन्हें सरकारी आदेशों की अवज्ञा का विचार आया। गांधी जी ने इसे सविनय अवज्ञा आंदोलन कहा। मार्च 1940 में उनसे बार-बार प्रश्न पूछे जा रहे थे कि सविनय अवज्ञा आंदोलन कब शुरू करेंगें? संपूर्ण गांधी वांग्मय

(71.380) के अनुसार गांधी जी ने कांग्रेस कार्यसमिति में कहा, देश अभी सविनय अवज्ञा आंदोलन के लिए तैयार नहीं है। छोटी सी अनुशासनबद्ध कांग्रेस को लेकर मैं विश्व से लड़ सकता हूं, लेकिन कांग्रेस लचर है। सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया गया तो अवज्ञा ही बचेगी, सविनय लुप्त हो जाएगा। गांधी जी के आंदोलन आदर्श में सविनय अहम था। अहिंसा और भी अहम। आंदोलन की हिंसा पर गांधी जी के विचार दोटूक थे। संपूर्ण गांधी वांग्मय (77.459) के अनुसार गांधी जी ने कहा, तोड़फोड़ की कवायद और इसमें शामिल सभी बातें, संपत्ति का विनाश अपने आप में हिंसा है।

स्वतंत्र भारत के तमाम आंदोलनों में स्वाधीनता आंदोलन के राष्ट्रीय मूल्य नहीं दिखे। आंदोलन और अराजकता पर्यायवाची हो रहे हैं। जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में राष्ट्रव्यापी संपूर्ण क्रांति आंदोलन (1975-1977) हुआ था। भ्रष्टाचार के विरुद्ध हुआ यह आंदोलन स्वाधीनता आंदोलन के आदर्शों से ओतप्रोत था। तब हम लोग नारा लगाते थे हमला चाहे जैसा भी हो, हाथ हमारा नहीं उठेगा। तब अहिंसा का मूल्य ही आदर्श था। इसी आंदोलन के दौरान आपातकाल की घोषणा हुई। आपातकाल के तहत मौलिक अधिकार भी छिने, लेकिन आंदोलन ऐतिहासिक रूप में सफल रहा। आंदोलनों के सदाबहार नेता डॉ. राममनोहर लोहिया सविनय अवज्ञा को सिविल नाफरमानी कहते थे। उन्होंने व्यक्तिगत सत्याग्रह भी किए। सामाजिक मुद्दों पर उनके आंदोलन प्रगतिशील थे। अंग्रेजी हटाओ का विषय उनके आंदोलन के मूल में था। उनके आंदोलन का व्यवहार शास्त्र आदर्श था। नारा था कि गलत बात मानेंगे नहीं, मारेंगे भी नहीं। आंदोलन को जनतंत्र की मजबूती का हथियार बनाना ही राष्ट्र का प्रेय श्रेय है। कुछ साल पहले ही अण्णा हजारे के नेतृत्व में भी राष्ट्रव्यापी आंदोलन हुआ। आंदोलन को लेकर प्रतिबद्धता तो थी, लेकिन सार्वजनिक संपदा को क्षति पहुंचाने, पुलिस पर हमला करने, लोगों को भयभीत करने जैसी अराजकता नहीं थी।

आंदोलन राजनीतिक हमला नहीं होते। वे तो सत्ता और समाज का ध्यानाकर्षण होते हैं। मुद्दा आधारित सभी विमर्श आंदोलन हैं। सभा, जुलूस और प्रदर्शन आंदोलन के ही भिन्न रूप हैं। इधर कुछ विषयों पर मोमबत्ती लेकर भी जुलूस निकाले गए हैं। इनमें अतिरिक्त शालीनता रही है। आंदोलन राज और समाज को दिशा दे सकते हैं, लेकिन अराजकता आंदोलन को प्रभावशून्य कर देती है। शालीन आंदोलनकारी जननायक दिखाई पड़ते हैं, अराजकता उन्हें जनता की नजरों में गिराती है। रूसी चिंतक साहित्यकार टॉल्सटॉय ने असहमति व्यक्त करने के लिए पैसिव रेजिस्टेंस शब्द इस्तेमाल किया था। गांधी जी को पैसिव रेजिस्टेंस या निष्क्रिय प्रतिरोध की भावना से प्रेम था। गांधी जी ने इसकी जगह पहले अंग्रेजी का सिविल डिसओबिडिएंस शब्द सोचा, लेकिन सबके परामर्श से सत्याग्रह शब्द चुना। गांधी जी से सीखा जा सकता है कि आंदोलन की संरचना के लिए नाम, मर्यादा, अहिंसा और ध्येय की भूमिका महत्वपूर्ण है। सत्याग्रही आंदोलन किसी व्यक्ति, समूह या संस्था का विरोधी नहीं होता। ऐसे आंदोलन में सत्य का आग्रह होता और आग्रह में आत्मबल। यह किसी का विरोधी नहीं होता और इसीलिए वह अहिंसक होता है। प्रकृति अराजक नही। यह सुसंगत व्यवस्था में है। राजव्यवस्था का जन्म और विकास अराजकता को हटाने के लिए ही हुआ। यह बात हॉब्स ने लिखी। कुछ ऐसी ही बात वैदिक साहित्य में भी है। राजव्यवस्था संविधान के बंधन में है।

आंदोलनकारी संविधानप्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार पाते हैं, लेकिन इस मौलिक अधिकार में भी लोक व्यवस्था के बंधन हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इसीलिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 को वैध ठहराया। डॉ. राममनोहर लोहिया ने इस धारा को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक समूह द्वारा लोक व्यवस्था को छिन्न-भिन्न करने की अनुमति से कोई भी लोकतंत्र नहीं चल सकता। मधु लिमये के ऐसे ही वाद में सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय पीठ ने भी यही कहा। संप्रति धारा 144 पर हल्ला है। कई जाने-माने लोग यह ज्ञान दे रहे कि धारा 144 तो गैरकानूनी है और उसका लगना आपातकाल की आहट है। यह हास्यास्पद है।

डॉ. बीआर आंबेडकर भी आंदोलनकारी थे। उन्होंने प्रदर्शन आंदोलन के साथ लेखन से भी जनजागरण किया। उन्होंने 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा के अंतिम भाषण में कहा था, यदि हमें लोकतंत्र को यथार्थ रूप में बनाए रखना है तो हम सामाजिक, आर्थिक लक्ष्यों की पूर्ति हेतु दृढ़तापूर्वक संवैधानिक रीति अपनाएं। अवज्ञा आंदोलन का त्याग करें। असंवैधानिक रीति अपनाना न्यायसंगत नहीं। ये नीतियां अराजकता के सिवा और कुछ नही हैं। आचार विहीन आंदोलन और अराजकता पर्यायवाची है। डॉ. आंबेडकर ने इन्हें अराजकता कहा था। आंदोलनों का कोई आचार शास्त्र तो होना ही चाहिए। ●

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
दुग्ध डेयरी योजना
किसान भाइयों को नूतन वर्ष की हार्दिक बधाइयाँ
किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
सौजन्य से
श्री नंदकिशोर बोड़ाने (शा.प्र. डबलचौकी)
श्री मुकेश राठौर (शा.प्र. उदयनगर)
श्री सुखलाल आर्य (शा.प्र. काँटाफोड़)
डॉ. श्रीकांत पाण्डेय (कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक)
श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री मनोज गुप्ता (उपायुक्त सहकारिता)
श्री मुकेश बार्चे (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. नापाखेड़ी, जि. देवास
श्री कैलाश केलवा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. पानकुआं, जि. देवास
श्री कैलाशसिंह सेन्धव (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. भैसून, जि. देवास
श्री दुर्गाप्रसादजी (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. डबलचौकी, जि. देवास
श्री राधेश्याम विश्वकर्मा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. देवनालिया, जि. देवास
श्री लालसिंह जी (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. बेड़गाँव, जि. देवास
श्री मोतीरामजी (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. अकबरपुर, जि. देवास
श्री संतोष जामलिया (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. पाण्डूतालाब, जि. देवास
श्री लालसिंह जी (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. गोदना, जि. देवास
श्री जगदीशजी (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. उदयनगर, जि. देवास
श्री ललित शर्मा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. पोलाखाल, जि. देवास
श्री विष्णुप्रसाद मीणा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. जिनवानी, जि. देवास
श्री रमजान शेख (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. पुंजापुरा, जि. देवास
श्री रामसिंह तोमर (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. रतनपुर, जि. देवास
श्री उम्मेदसिंह अलावा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. लोहारदा, जि. देवास
श्री ज्ञानेन्द्र जोशी (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. चन्दूपुरा, जि. देवास
श्री पदमसिंह राठौर (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. काँटाफोड़, जि. देवास
श्री यशवंतसिंह पंवार (प्रबंधक)
समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

एक साल में 365 वचन पूरे

» मनोज पाठक

मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने एक वर्ष पूरा किया। सरकार की कथनी और करनी में भेद नहीं रहा। उसने जो कहा सो किया। निर्वाचन के पूर्व जनता को दिये गये वचनों की पूर्ति की दृष्टि से पिछला एक वर्ष उल्लेखनीय रहा। इस अवधि में खासतौर से किसान-कल्याण और कृषि विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला, युवा, नगरीय विकास और ग्रामीण विकास से संबंधित वचनों की पूर्ति विशेष रही।

मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने एक वर्ष पूरा किया। इस अवधि में प्रदेश सरकार ने दिसम्बर 2018 में प्रदेश विधानसभा के निर्वाचन के पूर्व जारी वचन-पत्र के बिन्दुओं को पूरी शिद्दत से अमली जामा पहनाया। पिछले एक वर्ष की अवधि के पूरे 365 दिनों में सरकार को प्रतिदिन एक वचन की पूर्ति/सतत पूर्ति करने में सफलता मिली। इस अवधि में 164 वचन पर पूर्ण रूप से और 201 वचन पर सतत् पूर्ति की श्रेणी में काम हुआ। इस प्रकार सरकार की कथनी और करनी में भेद नहीं रहा। उसने जो कहा सो किया। निर्वाचन के पूर्व जनता को दिये गये वचनों की पूर्ति की दृष्टि से पिछला एक वर्ष उल्लेखनीय रहा। इस अवधि में खासतौर से किसान-कल्याण और कृषि विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला, युवा, नगरीय विकास और ग्रामीण विकास से संबंधित वचनों की पूर्ति विशेष रही।

किसान-कल्याण के क्षेत्र में राज्य सरकार ने कार्यभार सम्हालने के पहले ही दिन किसानों की ऋण माफी का फैसला लिया। इस फैसले के अनुरूप प्रथम चरण में 20 लाख 22 हजार 731 ऋण खातों पर 7,154.36 करोड़ की राशि की माफी की जा चुकी है। कर्ज माफी का दूसरा चरण प्रारम्भ हो गया है, जिसमें कुल 12 लाख से अधिक ऋण खातों पर राशि रूपये 11 हजार 675 करोड़ से अधिक की माफी की जायेगी।

सरकार ने गेहूँ के विपुल उत्पादन की स्थिति में मूल्य स्थिरीकरण के उद्देश्य से जय किसान समृद्धि योजना भी लागू की। मक्का में फ्लैट भावांतर भुगतान योजना में 896 करोड़ रूपये का प्रावधान किया। जैविक खेती का रकबा बढ़ाने के लिये 3828 क्लस्टर/ समूह में जैविक खेती का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। सभी मंडियों में ई-अनुज्ञा (ऑनलाइन) प्रणाली लागू की गई। पहली बार किसानों को अनुदान पर कन्बाइन हार्वेस्टर प्रदान किये गये । नये 264 कस्टम हायरिंग सेन्टर की स्थापना की जा रही है। उद्यानिकी और खाद्य प्र-संस्करण को भी प्रोत्साहन इस अवधि में दिया। नयी मुख्यमंत्री बागवानी और खाद्य प्र-संस्करण योजना लागू की गई। सब्जी और मसाला विस्तार योजना में अजजा और अजा वर्ग के किसानों की अनुदान राशि 50 से बढ़ाकर 70 प्रतिशत की गई। शिक्षित बेरोजगारों को उद्यानिकी फसलों के लिये भूमि के उपयोग का अधिकार देने संबंधी नई नीति बनाई जा रही है।

सरकार ने अगले पाँच वर्ष में वर्तमान सिंचाई क्षमता को 33 लाख से बढ़ाकर 45 लाख हेक्टेयर तक करने का लक्ष्य निर्धारित कर काम शुरू कर दिया है। पुरानी अपूर्ण सिंचाई योजनाओं को तेजी से पूरा करने के साथ नयी सिंचाई योजनाओं को मंजूरी दी गई। प्रदेश को आवंटित 18.25 एमएएफ नर्मदा जल का उपयोग वर्ष 2024 के पूर्व किये जाने संबंधी योजनाओं पर तेजी से कार्य किया गया।

इस दौरान नगरीय विकास की योजनाओं को जन-अनुरूप बनाकर जन-भागीदारी से प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया। प्रचलित योजनाओं को सुव्यवस्थित कर उत्तरदायी नगरीय प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित करने की दिशा में परिणाममूलक कोशिशें निरंतर जारी हैं। पिछले एक वर्ष में रूकी या अधूरी पड़ी हुई पेयजल, सीवरेज, मेट्रो आदि परियोजनाओं को समय-सीमा में पूरा करना सुनिश्चित किया गया है। पर्यावरण अनुकूल व्यवस्था निर्मित करने की दिशा में नई योजनाएँ शुरू की गई। मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने शहरी गरीबों को पट्टा एवं पक्का मकान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सितम्बर माह में मुख्यमंत्री आवास मिशन (शहरी) का शुभारम्भ झाबुआ से किया। भूमिहीन परिवारों को पट्टा उपलब्ध कराया जा रहा है। निकायों में क्लस्टर की जगह विकेन्द्रीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्य-योजना लागू की गई।

शहरी क्षेत्र में मुख्यमंत्री युवा स्वाभिमान योजना आरम्भ की गई। इसका उद्देश्य नगरीय क्षेत्र के युवाओं को व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण देकर क्षमता बढ़ाना तथा जीवन-यापन की फौरी जरूरतों की पूर्ति हेतु एक वर्ष में 100 दिवस का अस्थायी रोजगार एवं समानुपातिक स्टाइपेंड प्रदान करना है। अभी 38 ट्रेंडों में करीब 20 हजार हितग्राही प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। योजना में 18 हजार से ज्यादा पात्र हितग्राहियों को 12 करोड़ से ज्यादा की स्टाईपेंड राशि दी गई। अवैध होर्डिंग हटाये जाने की कार्रवाई की गई। मध्यप्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2019 बनायी गई। इंट्रा-सिटी एवं इंटरसिटी बस सेवाओं को प्रभावी बनाया गया। राज्य शहरी आजीविका मिशन में 30 नये शहरों को जोड़ा गया।

राज्य सरकार ने गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा व्यवस्था कायम करने के लिये पिछले एक साल में कई ऐतिहासिक निर्णय लेकर उन्हें जमीन पर उतारा। अब बच्चे स्कूल पहुँचने लगे हैं, शिक्षक भी बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिये समर्पित हुए हैं। अकादमिक सत्र 2019-20 से पाँचवीं और आठवीं कक्षा के बच्चों का वार्षिक मूल्यांकन बोर्ड पैटर्न पर किये जाने का निर्णय लिया गया। ऑनलाइन ट्रान्सफर व्यवस्था लागू कर शिक्षकों को उनकी पसंद के स्थान पर पद-स्थापना में प्राथमिकता दी गई है। अध्यापकों की शिक्षा विभाग में संविलियन की माँग को पूरा किया गया। शिक्षकों के रिक्त पदों पर 20 हजार शिक्षकों की नियुक्ति शीघ्र की जा रही है।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में देश के चुनिंदा और बेहतर शिक्षा के लिए अग्रणी प्रदेशों के समकक्ष बनने की ओर मध्यप्रदेश ने शिक्षक-छात्र अनुपात बेहतर करने के साथ मजबूती से कदम बढ़ाये हैं। आधुनिक संसाधनों से शिक्षा संस्थानों को परिपूर्ण करना, अधोसंरचना का निर्माण, बेटियों के लिए सुलभ और बेहतर शिक्षा, प्रवेश प्रक्रिया को सरल बनाने, कौशल विकास और रोजगारमुखी शिक्षा, ग्रंथपाल और क्रीड़ा अधिकारियों की नियुक्ति, ई-लायब्रेरी और खेल मैदान की उपलब्धता जैसी नीतियों के लागू और पूरा होने से प्रदेश का उच्च शिक्षा परिवेश रचनात्मक और विश्वसनीय बना है।

इंदिरा गृह ज्योति योजना लागू कर आम उपभोक्ताओं को 100 यूनिट तक बिजली एक रूपये प्रति यूनिट देने का काम किया गया। इंदिरा किसान ज्योति योजना लागू कर किसानों के लिये 10 हार्स पावर तक के पंपों पर विद्युत शुल्क 1400 रूपये से घटाकर 700 रूपये प्रति हार्स पावर प्रतिवर्ष कर दिया।

इस अवधि में प्रदेश के सुदूर अंचलों में सभी को स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने और बीमारियों से जूझ रहे पीड़ितों को चिकित्सकों के परामर्श के साथ ही उपचार की बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना प्रदेश सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक रहा। सबके लिये सम्पूर्ण स्वास्थ्य के लिये सरकार के प्रयासों के नतीजे केवल एक ही वर्ष में नजर आने लगे हैं। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जो जनता को स्वास्थ्य सेवाओं की गारंटी देने वाला कानून बनाने जा रहा है। मध्यप्रदेश स्वास्थ्य निवेश प्रोत्साहन नीति-2019 को भी मंजूरी दे दी गई है। प्रदेश में लगभग 100 संजीवनी क्लीनिक स्थापित करने की कार्ययोजना तैयार की गई है। 118 सिविल डिस्पेंसरी एवं 136 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर्स-मध्यप्रदेश आरोग्यम के रूप में विकसित किया जा रहा है।

चिकित्सा की आधुनिक सुविधाओं युक्त स्वास्थ्य संस्थानों की स्थापना के साथ समुचित संख्या में डाक्टरों की पदस्थापनाएँ की गई हैं। शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में चिकित्सकों की उपलब्धता के लिये मुख्यमंत्री सुषेण चिकित्सक प्रोत्साहन योजना लागू करने का निर्णय लिया गया। मेडिकल कॉलेजों में विद्यार्थियों के लिये सीट्स की संख्या भी बढ़ाई गई हैं। स्वास्थ्य संस्थाओं की स्थापना और चिकित्सा शिक्षा के अध्ययन के लिये प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है। खाद्य पदार्थों में मिलावट के कुचक्र के पूरी तरह से खात्मे के लिये सरकार ने एक युद्ध का ऐलान कर दिया है। मिलावटखोरों जैसे गुनाहगारों की धर-पकड़ के इस संवेदनशील संकल्प के अच्छे नतीजे सामने आ रहे हैं।

प्रदेश सरकार की नजर में पीने के लिये साफ पानी केवल जरूरत ही नहीं, बल्कि सामान्य जन का अधिकार भी है। राइट टू वाटर एक्ट लागू होने पर मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य होगा, जहाँ लोगों को पानी का कानूनी अधिकार मिलेगा। पिछले एक वर्ष में सड़कों के निर्माण, मजबूतीकरण और नवीनीकरण के अनेक कार्य प्रदेश के विकास के लिये प्रतिबद्धता का प्रमाण रहे।

प्रदेश की नई सरकार की प्राथमिकताओं की फेहरिश्त में महिलाओं और बच्चों का सर्वांगीण विकास सबसे ऊपर रहा। नई बाल संरक्षण नीति बनाई जा रही है। पोषण आहार अभियान के तहत अब बच्चों के वजन के साथ ही उम्र के अनुसार कद के मान से उसके परिवार को पोषण परामर्श दिया जा रहा है। किशोर न्याय अधिनियम 2015 के प्रावधानों के तहत राज्य किशोर न्याय नियम बनाये जाने का निर्णय लिया गया है। अब दुष्कर्म पीड़िता बालिका अथवा महिला से जन्म लेने वाली बालिका को भी

लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ दिये जाने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह योजना की राशि 28,500 से बढ़ाकर 51 हजार रूपये की गई है।

राज्य सरकार द्वारा गाँवों के विकास के लिये विभिन्न नवाचारी योजनाएँ एवं कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कोई भी घर शौचालयविहीन ना रहे, इसलिये शौचालयविहीन घरों का चिन्हांकन किया जा रहा है। नदियों के पुनर्जीवन हेतु नदी पुनर्जीवन योजना बनाई गई, जिसमें 40 जिलों में 40 नदियों का चयन किया गया। इस वित्तीय वर्ष 2019-20 में 1000 गौ-शाला निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। कुल 903 गौ-शालाओं का कार्य प्रारम्भ किया जा चुका।

अपात्र बसाहटों के लिये एकल/ दोहरी सम्पर्कता प्रदान किये जाने हेतु प्रदेश में सड़कों के निर्माण एवं रख-रखाव के क्रियान्वयन के लिये नीति निर्धारण की कार्यवाही प्रचलन में है। एकल सम्पर्कता विहीन राजस्व ग्रामों में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं अवसंरचना विकास निधि से डामरीकृत सड़क बनाए जाने का निर्णय लिया गया है। महात्मा गांधी ग्राम स्वराज एवं विकास योजना में पक्के निर्माण कार्यों में 50 प्रतिशत राशि सी.सी. सड़क पर व्यय करने की अनिवार्यता समाप्त कर कुल व्यय सीमा 75 प्रतिशत की गई। पीएमजीएसवाय-एक एवं दो में 3319 किमी लंबाई सड़कें पूर्ण की गई। म.प्र. ग्रामीण सम्पर्कता परियोजना में 2752.51 कि.मी. लंबाई की बी.टी./सी.सी. मार्गों का निर्माण पूर्ण किया गया। अन्य योजनाओं में भी 580 ग्रामों को सड़कों से जोड़ा गया।

किसान-कल्याण के क्षेत्र में राज्य सरकार ने कार्यभार सम्हालने के पहले ही दिन किसानों की ऋण माफी का फैसला लिया। इस फैसले के अनुरूप प्रथम चरण में 20 लाख 22 हजार 731 ऋण खातों पर 7,154.36 करोड़ की राशि की माफी की जा चुकी है। कर्ज माफी का दूसरा चरण प्रारम्भ हो गया है, जिसमें कुल 12 लाख से अधिक ऋण खातों पर राशि रूपये 11 हजार 675 करोड़ से अधिक की माफी की जायेगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना में दो लाख 23 हजार आवास पूर्ण किये गये। सर्वे में छूट गये तीन लाख से अधिक शौचालयविहीन घरों में शौचालयों का निर्माण कराया गया। सवा 5 लाख से ज्यादा परिवारों को संगठित कर करीब 50 हजार स्व-सहायता समूहों का गठन किया गया। इन समूहों को 37 हजार प्रकरणों में बैंकों से 232 करोड़ रूपये का ऋण दिलाया गया। मनरेगा में साढ़े 12 करोड़ मानव दिवस सृजित किये गये।

इस अवधि में सरकार ने आदिवासी समुदाय के शैक्षणिक, आर्थिक और सामाजिक उत्थान के प्रयासों के अलावा संस्कृति, इतिहास और देव स्थानों के संरक्षण एवं उन्हें बढ़ावा देने की कोशिश की है। वनअधिकार अधिनियम के दावों के निराकरण और प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया। मुख्यमंत्री मदद योजना शुरू कर जन्म और मृत्यु संस्कार के समय भोज देने के लिये अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। आदिवासी समुदाय के देव स्थानों के संरक्षण के लिये आष्ठान योजना शुरू की गई। साहूकारी ऋण से मुक्ति दिलायी गयी। विशेष पिछड़ी जनजातियों को कुपोषण से मुक्ति के लिये महिलाओं को पोषण आहार राशि देने की शुरूआत की गई। विश्व आदिवासी दिवस के एच्छिक अवकाश को सार्वजनिक अवकाश में बदला गया। आदिवासी विकास खण्डों में डेबिट कार्ड योजना शुरू की गई।

राज्य सरकार ने सभी तरह के माफिया को समाप्त करने की मुहिम भी शुरू कर दी है। कानून को हाथ में लेने वाले तत्वों, फिर चाहे वे कितने ही रसूखदार हो, को कानून के शिकंजे में लाने के परिणाम भी दिखने लगे हैं।

शासन-प्रशासन के सुदृढ़ीकरण, सभी वर्गों के कल्याण एवं शासकीय सेवकों के हित में महत्वपूर्ण फैसले लेकर लागू किया गया। अन्य पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण 14 से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया गया। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को शैक्षणिक संस्थाओं और शासकीय नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। शासकीय सेवाओं में मध्यप्रदेश के युवाओं को प्राथमिकता देने के लिए अभ्यर्थियों का रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन अनिवार्य किया गया। खुली प्रतियोगिता से भरे जाने वाले पदों के लिए अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष निर्धारित की गई। इसी के साथ आरक्षित वर्गों को आयु सीमा में 5 वर्ष की अतिरिक्त छूट दी गई है। इस तरह प्रदेश सरकार ने पिछले एक वर्ष में हर उस क्षेत्र में लोगों के कल्याण और बेहतरी की कोशिशें की, जो बुनियादी रूप से महत्व के हैं। फिर चाहे वह खेती-किसानी हो, सिंचाई हो, पेयजल हो, बिजली हो, उद्योग हो, कुटीर उद्योग हो, शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, शासन-प्रशासन हो, राजस्व प्रकरण हो या लोक सेवाओं का प्रदाय, सबमें कुछ न कुछ नया हुआ, उल्लेखनीय हुआ। पर्यटन-संस्कृति, आध्यात्म हो या बेहतर कानून-व्यवस्था, सरकार ने हर मोर्चे पर काम किया और वह भी पूरी शिद्दत से और परिणामोन्मुखी।

यह सब प्रदेश सरकार ने तब किया जब विरासत में खाली खजाना मिला। ऐसे में सरकार ने अपनी चुनौतियों को अवसरों में बदला। हर तबका चाहे वह युवा हो, महिला हो, किसान हो या आदिवासी भाई, पिछड़े वर्ग के भाई-बहन हो या सामान्य वर्ग के, बच्चे हो या बुजुर्ग कोई भी पिछले एक वर्ष में सरकार की चिंताओं से अछूता नहीं रहा। इस एक वर्ष में प्रदेश सरकार ने वक्त है बदलाव को सार्थक किया तो प्रदेशवासियों को यह विश्वास भी दिया कि वह अकेले नहीं है सरकार हर समय उनके साथ खड़ी है सुख में-दुख में। ●

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

नववर्ष की बधाइयाँ

श्री कुलदीपसिंह बुंदेला
(प्रशासक)

श्री जगदीश कन्नौज
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्रीमती भारती शेखावत
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री आर.एस. वसुनिया
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सौजन्य से
श्री कुसुम मोहरे (शा.प्र. कुक्षी)
श्री यशपाल पटेल (पर्य. कुक्षी)
श्री कुंदन प्रजापति (शा.प्र. राजगढ़)
श्री भोलेसिंह राणा (शा.प्र. बाग)
श्री रामलाल चौहान (पर्य. बाग)
श्री महेश पाटीदार (शा.प्र. मनावर)
श्री बगदीराम मारू (शा.प्र. राजोद)
श्री सुरेश पाटीदार (शा.प्र. दसई)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कुक्षी, जि.धार
श्री यशपाल पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. गिरवान्या, जि.धार
श्री शरीफ खान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. धूलसर, जि.धार
श्री रामलाल राठौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. लोहारी, जि.धार
श्री भेरूलाल भायल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. अम्बाड़ा, जि.धार
श्री राजेन्द्र पाण्डेय (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. आंवली, जि.धार
श्री तेजसिंह मुजाल्दा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. राजगढ़, जि.धार
श्री सुनील जायसवाल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. रिंगनोद, जि.धार
श्री नंदकिशोर सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. तिरला, जि.धार
श्री सुरेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. दत्तीगाँव, जि.धार
श्री प्रहलाद वैष्णव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बाग, जि.धार
श्री इकबाल खान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. टाण्डा, जि.धार
श्री रामलाल चौहान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. लोंगसरी, जि.धार
श्री लखनसिंह वर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मनावर, जि.धार
श्री रघुवीरसिंह शेखावत (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. खण्डलाई, जि.धार
श्री बालूसिंह वास्केल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. देवला, जि.धार
श्री राजेन्द्र पाटीदार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. अजंदा, जि.धार
श्री जगदीश दखलेचा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बालीपुर, जि.धार
श्री बलराम यादव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. भानपुरा, जि.धार
श्री शंकरसिंह चौहान (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सहकारी संस्था मर्या. राजोद, जि.धार
श्री भागीरथ धनोतिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. लाबरिया, जि.धार
श्री गोवर्धन पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बरमंडल, जि.धार
श्री बद्रीलाल गोयल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. दसई, जि.धार
श्री महेश शुक्ला (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बालोदा, जि.धार
श्री लक्ष्मीनारायण पाटीदार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. खिलेड़ी, जि.धार
श्री दुलेसिंह गोयल (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

ब्लॉग से

शक्तिशाली प्रदेश के लिए बड़ी सोच

» कमलनाथ
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

एक साल बीत गया। सरकार की स्थिरता के सम्बन्ध में तमाम अटकलों का अंत हो गया है। मैंने बार-बार दोहराया कि जब से हमारी सरकार सत्ता में आई है, यह सरकार लोगों की आकांक्षाओं और उम्मीदों का प्रतिबिंब है। लोग चाहते थे कि उनकी पसंद का एजेंडा लागू हो, न कि उन पर कोई एजेंडा थोपा जाए। लोगों के फैसले का सम्मान स्वस्थ रूप से किया जाना चाहिए। यदि हम लोकतंत्र में विश्वास करते हैं, तो हमें लोगों की पसंद और उनके विवेक का सम्मान करना चाहिए। मैंने मध्यप्रदेश को अपार अवसरों और संभावनाओं के प्रदेश के रूप में देखा है। इस बात को ध्यान में रखते हुए, मध्य प्रदेश के लोगों ने जो पाया उससे कहीं ज्यादा बेहतर के हक़दार है। मुझे लगता है कि विकास की प्रक्रियाओं का विश्लेषण करते समय अच्छे और बुरे समय बिंदुओं की परस्पर तुलना करना उचित और तार्किक नहीं होगा क्योंकि हर समय बिंदु पर प्राथमिकताएँ बदलती रहती हैं। नए-नए परिदृश्य उभरते हैं और नए रास्ते खुलते जाते हैं। नए क्षेत्र खुलते हैं। इसलिए अंधेरे को कोसने से अच्छा रोशनी करना बेहतर है। अतीत को कोसने की अपेक्षा भविष्य की ओर आगे देखना बेहतर है। हमें नए क्षितिजों पर ध्यान लगाना होगा।

हमारे सभी फैसले लोगों की अपेक्षाओं पर आधारित हैं। हमने अब तक अनसुने लोगों को भी सुना और एक नई शुरुआत की। मध्य प्रदेश अब एक बहुप्रतीक्षित आर्थिक गतिशीलता के लिए तैयार है। लोग उत्तरदायी और जवाबदेह शासन चाहते हैं। उनकी समस्याओं को संवेदनशील तरीके से हल किया जाना चाहिए। उनके वैधानिक अधिकारों और सहूलियतों का ध्यान रखा जाना चाहिए। वे एक प्रभावी और सक्षम सेवा प्रदाय तंत्र की अपेक्षा करते हैं। हमने बहुत कम समय में जो किया है वह सबके सामने है। मैं मानता हूँ कि पारदर्शिता सुशासन की आत्मा है। लोगों को जानने का अधिकार है कि सरकार उनके लिए क्या कर रही है।

हमें लोगों की बुद्धिमत्ता पर विश्वास है। वे भी सरकार की चुनौतियों से वाकिफ हैं। लंबे समय से चली आ रही दूरी को पाटने के लिए शासन में संरचनात्मक सुधारों की बहुत आवश्यकता है। हम संविधान से प्रेरणा लेते हैं, जिसमें स्पष्ट रूप से राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों का उल्लेख है। केंद्र में हमारी सरकार ने पहले अनिवार्य शिक्षा का अधिकार, खाद्य सुरक्षा का अधिकार लागू किया। इनका व्यापक असर आज दिख रहा है। इसी तरह से, हम स्वास्थ्य के अधिकार और पानी के अधिकार के बारे में कानून ला रहे हैं। इसके अलावा, हम रोजगार के अधिकार पर भी विचार-विमर्श कर रहे हैं। यह तभी संभव है जब राज्य में बड़े पैमाने पर आर्थिक गतिविधियाँ बढ़े और आर्थिक उद्यमिता का विकास हो। मध्य प्रदेश में वह सब कुछ है, जो इसे एक आर्थिक शक्ति बना सकता है। इस सच्चाई के बावजूद कि हमारे पास मजबूत, प्रतिबद्ध और कुशल जनशक्ति, अपार संसाधन और अच्छी भौगोलिक कनेक्टिविटी है, मध्य प्रदेश की अर्थ-व्यवस्था में सब ठीक नहीं है। कोई कारण नहीं है कि हमें धीमी गति से चलना पड़े। हमें अपनी जीडीपी का विस्तार करना होगा और इसे वास्तविक रूप में और ज्यादा सहभागी बनाना होगा। हर वर्ग और क्षेत्र का जीडीपी के विस्तार में योगदान होना चाहिए। इसके लिए हमें ऐसा माहौल बनाना होगा, जिसमें हर नागरिक अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के बारे में सोच सके। विशाल लेकिन यथार्थवादी आर्थिक लक्ष्य निर्धारित करने होंगे और उन्हें हासिल करने के लिए खुद को संकल्पित होना होगा।सरकार ने ऋणग्रस्त किसानों के ऋण माफ करने का अपना पहला बड़ा निर्णय लिया। ऋण माफी प्रक्रिया अभी जारी है और हम अपना वादा पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आदिवासी समुदायों को आर्थिक विकास की प्रक्रिया में शामिल होना चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वर्षों से जंगलों में रहने वाले आदिवासी लोगों को उनका वाजिब हक मिले। उनकी ऋणग्रस्तता सरकार के आवश्यक हस्तक्षेप के साथ समाप्त होनी चाहिए। उनका सामाजिक अलगाव राज्य के आर्थिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

हमारे सभी निर्णय चाहे वह अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27त्न आरक्षण हो या आवारा मवेशियों के लिए शेड का निर्माण, बेसहारा, विकलांग लोगों के लिए पेंशन को दोगुना करना, मध्य प्रदेश को खाद्य मिलावट मुक्त राज्य बनाने के लिए संकल्प करना, बिजली दर को कम कर प्रथम 100 यूनिट 100 रूपये में देना, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10त्न आरक्षण, निर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कलेक्टर गाइडलाइन दर को 20त्न तक कम करना, आदिवासी समुदायों के तीर्थों का संरक्षण करना हो, सभी उत्तरदायी सरकार बनने के संकल्प की झलक दिखाते हैं। भविष्य में भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

हम अपने इकानॉमिक विजन डॉक्यूमेंट का अनावरण कर रहे हैं। हर नागरिक से अपील है कि वे इसे लागू करने में सहयोग करें। मध्य प्रदेश को आर्थिक शक्ति बनाने के लिए बड़ा सोचें।

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
श्री जीतू पटवारी
प्रभारी मंत्री
कृषिमंत्री श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
नूतन वर्ष की आप सभी को बधाइयाँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची लें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में आकर ही करें।
किसान भाई कृषि उपज साफ करके मंडी में लाएँ ताकि उचित मूल्य प्राप्त कर सकें।
श्री राजाराम करजरे
(भारसाधक अधिकारी)
श्री रामगोपाल कारपेंटर
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
कालापीपल, जिला शाजापुर

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
श्री जीतू पटवारी
प्रभारी मंत्री
कृषिमंत्री श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की शुभकामनाएँ
नूतन वर्ष की आप सभी को बधाइयाँ
किसान भाइयों से अपील
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
श्री पारस वैद्य
(भारसाधक अधिकारी)
श्री मनोहर परमार
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
अकोदिया, जिला शाजापुर

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
श्री जीतू पटवारी
प्रभारी मंत्री
माननीय कृषिमंत्री
श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की
हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों से अपील
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ उठाएँ।
हम्माल तुलावटी भाई मुख्यमंत्री हम्माल तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
नूतन वर्ष की आप सभी को बधाइयाँ
श्री राजेश वत्स
(भारसाधक अधिकारी)
श्री डी.सी. राजपूत
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
बेरछा, जिला शाजापुर

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
श्री जयवर्धन सिंह
प्रभारी मंत्री
मध्यप्रदेश के लाड़ले नेता
कृषिमंत्री श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की शुभकामनाएँ
किसान भाइयों से अपील
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
नूतन वर्ष की आप सभी को बधाइयाँ
श्री महेन्द्र सिंह
(भारसाधक अधिकारी)
श्री एम.के. रावत
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
आगर, जिला आगर मालवा

किसानों को किया ऋण-मुक्त

» आशीष शर्मा

सरकार ने अपने वचन-पत्र में किसान कल्याण और कृषि विकास के मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। सरकार ने सत्ता संभालते ही किसानों को पीढ़ियों के कर्जो से मुक्ति दिलाई है। साथ ही यह क्रम तब तक जारी रखने का संकल्प भी लिया है, जब तक प्रत्येक पात्र किसान कर्ज-मुक्त नहीं हो जाता। किसान को फसल बोने से लेकर फसल बेचने तक के काम में राज्य सरकार मदद कर रही है।

प्रदेश की कृषि प्रधान अर्थ-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिये जरूरी है कि किसान चिन्ता-मुक्त हो, उसके पास आमदनी के स्थाई इंतजाम हो और उसे समय पर आवश्यक वित्तीय सहयोग भी मिले। मध्यप्रदेश में राज्य सरकार ने इस शाश्वत सत्य को सिर्फ स्वीकार ही नहीं किया है बल्कि अपने प्रारंभिक अल्प-काल में ही इस दिशा में क्रांतिकारी फैसले लिये हैं और उन्हे जमीनी स्तर पर लागू भी किया है। सरकार ने अपने वचन-पत्र में किसान कल्याण और कृषि विकास के मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। सरकार ने सत्ता संभालते ही किसानों को पीढ़ियों के कर्जो से मुक्ति दिलाई है। साथ ही यह क्रम तब तक जारी रखने का संकल्प भी लिया है, जब तक प्रत्येक पात्र किसान कर्ज-मुक्त नहीं हो जाता। किसान को फसल बोने से लेकर फसल बेचने तक के काम में राज्य सरकार मदद कर रही है। बिजली, पानी आदि भी किसानों को रियायती दरों पर दिया जा रहा है।

जय किसान फसल ऋण माफी योजना

प्रदेश में जय किसान फसल ऋण माफी योजना लागू कर किसानों को ऋण-मुक्त करने का अभियान चलाया गया है। पहले चरण में 20 लाख 22 हजार 731 पात्र किसानों के 7154 करोड़ 36 लाख रूपये के ऋण माफ किये गये हैं। शीघ्र प्रारंभ किये जा रहे दूसरे चरण में 12 लाख से अधिक ऋण खाताधारक पात्र किसानों के ऋण माफ किये जाने की कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिये शुद्ध के लिए युद्ध

राज्य सरकार ने कृषि के क्षेत्र में विरासत में मिली बदहाल स्थिति को समृद्धता की ओर ले जाने का निश्चय किया है। किसानों को हर कदम पर हर तरह की मदद मुहैया कराई जा रही है। गुणवत्तापूर्ण खाद, बीज और कीटनाशक की उपलब्धता सुनिश्चित

जय किसान समृद्धि योजना

प्रदेश में 5 मार्च 2019 को जय किसान समृद्धि योजना लागू की गई है। इस योजना में रबी सीजन 2019-20 के लिए कृषि उपज मंडी और ई-उर्पाजन केंद्र के माध्यम से किसान द्वारा विक्रय किये गये गेहूँ पर 160 रूपये प्रति क्विंटल प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। राज्य सरकार ने कुल 92 लाख 67 हजार मीट्रिक टन गेहूँ विक्रय करने वाले कुल 11 लाख 79 हजार किसानों को कुल 1463 करोड़ 42 लाख प्रोत्साहन राशि देने की पुख्ता व्यवस्था की है।

करने के लिए प्रदेश में शुद्ध के लिए युद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान न सिर्फ बीज, उर्वरक और कीटनाशक के मानक स्तर का परीक्षण किया जा रहा है बल्कि कम मात्रा में सामग्री विक्रय, अनाधिकृत विक्रय, कालाबाजारी, अधिक मूल्य पर विक्रय आदि पर भी गंभीरता से कार्यवाही की जा रही है।

मंडियों में नगद भुगतान की व्यवस्था

कृषि उपज मंडी समितियों में किसानों को उनकी उपज बेचने पर दो लाख रूपये तक के नगद भुगतान की व्यवस्था की गई है। बैंकों से एक करोड़ रूपये से अधिक नगद आहरण पर टीडीएस कटौती के आयकर प्रावधानों से मंडियों में नगद भुगतान कठिनाई आई, तो तुरंत भारत सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया। इस तरह मंडी व्यापारियों को इस प्रावधान से मुक्त कराने की पहल की गई है।

किसानों को सस्ती बिजली

प्रदेश में किसानों के लिये दस हॉर्स पॉवर तक के कृषि पंप की विद्युत दरों को आधा कर दिया गया है। पूर्व मे निर्धारित 1400 रूपये प्रति हॉर्स पॉवर प्रतिवर्ष कृषि पंप की विद्युत दर को अब आधा कर 700 रूपये कर दिया गया है। इससे लगभग 20 लाख किसान लाभान्वित हो रहे हैं। इस योजना में प्रति कृषि उपभोक्ता लगभग 47 हजार रूपये प्रति वर्ष सब्सिडी भी दी जा रही है। राज्य सरकार ने अब तक 2622 करोड़ 53 लाख रूपये सब्सिडी प्रदान की है। अक्टूबर 2019 से मार्च 2020 तक 20 लाख 10 हजार कृषि पंपों के लिए करीब 6138 करोड़ रूपये की सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। स्थायी कृषि पंप कनेक्शन के अतिरिक्त अस्थायी कृषि पंप उपभोक्ताओं की विद्युत दरें भी कम की गई हैं।

अजजा/अजा किसानों को निःशुल्क बिजली

प्रदेश में अब एक हेक्टेयर तक की भूमि वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के किसानों को 5 हार्सपॉवर तक के कृषि पंप कनेक्शनों के लिये निःशुल्क बिजली दी जा रही है। इसके एवज में राज्य सरकार बिजली कंपनियों को 3800 करोड़ रूपये वार्षिक सब्सिडी देगी।

ई-नाम योजना से जुड़ी कृषि उपज मंडियाँ

राष्ट्रीय कृषि बाजार योजना के द्वितीय चरण में राज्य सरकार द्वारा 25 कृषि उपज मंडियों को ई-नाम योजना से जोड़ा गया है। मंडी बोर्ड द्वारा 16 अगस्त, 2019 से प्रदेश की सभी मंडियों में एक साथ ई-अनुज्ञा प्रणाली लागू कर 4 लाख से ज्यादा ई-अनुज्ञा जारी किये गए हैं। इससे मण्डी व्यापारियों का समय बचा है। प्रदेश में 27 मण्डी प्रांगण में सोलर एनर्जी प्लांट भी स्थापित किये गये हैं। कृषकों को मण्डी प्रांगण में संतुष्टि अनुरूप मूल्य प्राप्त नहीं होने पर चार माह की निःशुल्क सुविधा और 80 प्रतिशत राशि कृषि उपज का भुगतान करने के लिये कोलेटेरल मैनेजमेंट एजेंसीस के चयन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

जैविक खेती

जैविक खेती के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश में नंबर-वन राज्य बन गया है। एपीडा के अनुसार प्रदेश में 2 लाख 13 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में कपास, गेहूँ, धान, अरहर, चना, सोयाबीन इत्यादि फसलों की जैविक खेती की जा रही है। जैविक खेती के दृष्टिकोण से गौ-शालाएँ बेहद महत्वपूर्ण हैं। ग्राम पंचायत स्तर पर गौ-शालाओं का निर्माण कराया जा रहा है।

प्रदेश का किसान अब निश्चिंत होकर कृषि कार्य में जुट गया है। कृषि की नई-नई तकनीक अपनाने लगा है। उद्यानिकी और खाद्य प्र-संस्करण के क्षेत्र में भी सक्रिय हो गया है। ●

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण	दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

नूतन वर्ष पर सभी किसान भाइयों को बधाइयाँ

सौजन्य से

श्री अशोक तंवर (शा.प्र. अजनोद)
श्री जगदीश बड़वाया (पर्य. अजनोद)
श्री हीरालाल यादव (शा.प्र. गौतमपुरा)
श्री नरेन्द्र परमार/श्री उमरावसिंह पंवार (पर्य. गौतमपुरा)
श्री सुनील सतवासकर (शा.प्र. आगरा)
श्री राजेश राठौर (पर्य. आगरा)
श्री कैलाश परिहार (शा.प्र. अटाहेड़ा)
श्री कैलाश चौधरी (पर्य. अटाहेड़ा)

श्री जगदीश कन्नौज
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री राजेश क्षत्री
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री एस.के. खरे
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. धतुरिया, जि.इंदौर श्री प्रकाश मंडलोई (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. मेढकवास, जि.इंदौर श्री सत्यनारायण सोलंकी (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. आगरा, जि.इंदौर श्री खुमानसिंह यादव (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. पोटलोद, जि.इंदौर श्री प्रकाश मंडलोई (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. गौतमपुरा, जि.इंदौर श्री नरेन्द्रसिंह परमार (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. अटावदा, जि.इंदौर श्री गोपाल यादव (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. जलोदिया ज्ञान, जि.इंदौर श्री नरेन्द्रसिंह परमार (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. छड़ौदा, जि.इंदौर श्री हेमसिंह दयाल (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. कनवासा, जि.इंदौर श्री कैलाश चौधरी (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. बछोड़ा, जि.इंदौर श्री रूपनारायण गौड़ (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. सूमठा, जि.इंदौर श्री रामचंद चौहान (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. काई, जि.इंदौर श्री प्रेमसिंह राठौर (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. भील बड़ौली, जि.इंदौर श्री राधेश्याम गौड़ (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. कराड़िया, जि.इंदौर श्री प्रदीप नरवरिया (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. अटाहेड़ा, जि.इंदौर श्री संतोष पटेल (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. गिरोता, जि.इंदौर श्री उमरावसिंह पंवार (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. मूरखेड़ा, जि.इंदौर श्री जगदीश चौधरी (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. नाल्द्रा, जि.इंदौर श्री प्रेमसिंह राठौर (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. अत्याणा, जि.इंदौर श्री सत्यनारायण गौड़ (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. नेवरी, जि.इंदौर श्री सीताराम सिसोदिया (प्रबंधक)	सेवा सहकारी संस्था मर्या. उजाल्या, जि.इंदौर श्री घश्याम पंवार (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

आदिवासी अंचलों में बढ़ा रोजगार

» दुर्गेश रायकवार

इन दिनों मध्यप्रदेश का औद्योगिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। उद्योगों को विस्तार मिल रहा है। बड़े उद्योगों के साथ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के विकास के कारण प्रदेश का नक्शा बदल रहा है। सबसे अहम बात यह है कि आदिवासी अंचल के लोगों को रोजगार के नए अवसरों के साथ उद्योग स्थापित करने के अवसर भी मिल रहे हैं।

मध्यप्रदेश में हो रहे नवाचार से प्रभावित होकर केन्द्र सरकार द्वारा सूक्ष्म एवं लघु फेसिलिटेशन काउंसिल को उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया है। भारत सरकार ने काउंसिल द्वारा एमएसएमई इकाइयों से विलंबित भुगतान की राशि के प्रकरणों में एवार्ड पारित होने के बाद देय रकम की वसूली की सराहना की है। जेम (जीईएम) से क्रय पद्धति अपनाने में मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम किस्म के उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए स्टार्ट अप इन्?वेस्टर मीट में 40 स्टार्ट अप एवं 8 इनवेस्टर्स ने भागीदारी की। इसी क्रम में स्व-रोजगार संचालित करने वाले सभी 12 विभाग को एमपी ऑनलाईन पोर्टल पर ऑन बोर्ड किया गया। अब स्व-रोजगार योजना में ऋण के लिए आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। मध्यप्रदेश के उत्पादों को जीआई टैग दिलवाने की कोशिश के प्रथम चरण में पाँच उत्पाद को शामिल किया गया है। इसमें जोबट जिला अलीराजपुर की दरी, बुरहानपुर की मावा-जलेबी, मुरैना की गजक, इंदौर का पोहा एवं डिंडौरी, मंडला, शहडोल तथा अनूपपुर की कोदो-कुटकी के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है। राज्य सरकार द्वारा एमएसएमई इकाइयों के लिए पुरस्कार योजना में संशोधन कर मध्यम इकाई को भी शामिल किया गया है। यही नहीं, इस पुरस्कार की राशि में भी बढ़ोत्तरी की गई है।

मध्यप्रदेश में पहले से जटिल औद्योगिक भू-आवंटन नियम को सरल करने एवं मध्यप्रदेश भंडार क्रय तथा सेवा उपार्जन नियम 2015 के नियमों में संशोधन का प्रस्ताव तैयार किया जा चुका है। लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड का पुनर्गठन करने के साथ भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में स्टेट ऑफ इंक्यूबेटर की स्थापना का निर्णय लिया गया है।

भारत सरकार को प्रेषित किए प्रस्ताव

भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय द्वारा एमएसई-सीडीपी स्कीम के अंतर्गत जबलपुर में मिष्ठान एवं नमकीन कलस्टर के लिए कॉमन फेसिलिटेशन सेंटर को मंजूरी मिल चुकी है। इस स्कीम में 200 एमएसएमई इकाइयों को लाभ होगा तथा प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से 4200 रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के विकास के लिये आधुनिक विनिर्माण तकनीक उपलब्ध कराने, नवीनतम विनिर्माण में मानव- संसाधनों को कुशल बनाने एवं तकनीक तथा व्यवसायिक सहायता करने के बड़े उद्देश्य के लिए भारत सरकार के सहयोग से 200 करोड़ की लागत से जबलपुर में टेक्नोलॉजी सेंटर स्थापित होगा। इसके लिए भूमि का चयन कर लिया गया है। इस प्रस्ताव को केन्द्र सरकार को मंजूरी के लिए भेजा गया है। इसी क्रम में 9 औद्योगिक क्षेत्रों के उन्नयन एवं 2

मध्यप्रदेश एमएसएमई विकास नीति-2019

सूक्ष्म,लघु और मध्यम किस्म के उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए मध्यप्रदेश एमएसएमई विकास नीति- 2019 एक अक्टूबर से लागू की गई है। इस नीति में प्लांट एवं मशीनरी के साथ-साथ भवन पर किए गए निवेश अनुदान दिए जाने का प्रावधान किया गया है। महिला/अजा/अजजा द्वारा स्थापित इकाई में निवेश का 48 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। यह सामान्य वर्ग से 8 प्रतिशत अधिक होगा। अजा/अजजा श्रेणी की महिलाओं को निवेश का 50 प्रतिशत अनुदान दिये जाने का प्रावधान किया गया है, जो सामान्य श्रेणी से 10 प्रतिशत अधिक होगा।

नीति में 20 एचपी तक की पावरलूम इकाइयों को विद्युत दर में पहले 1.25 रुपये की रियायत थी, इसे बढ़ाकर 1.50 रुपये किया गया है। पावरलूम, फार्मास्युटिकल एवं रेडीमेड गारमेंट सेक्टर के लिए विशेष पैकेज का प्रावधान किया गया है। नीति में ऊर्जा ऑडिट एवं औद्योगिक अधोसंरचना विकास को बढ़ावा देने के लिये सहायता का प्रावधान भी किया गया है।

नवीन औद्योगिक इकाई बुरहानपुर में पावरलूम एवं भोपाल में आरा मिल के लिए कुल 145 करोड़ 85 लाख रुपये के अधोसंरचना प्रस्ताव भारत सरकार को भेजे गए हैं। एस्पायर योजना में डिंडौरी जिले में लाईवली-हुड आधारित खाद्य प्र-संस्करण इन्क्यूबेशन सेंटर का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा गया है।

प्रदेश में एमएसएमई एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल कार्यालय शुरू करने, एमएसएमई के फार्मास्युटिकल इंजीनियरिंग, आटोमोबाइल, फूड प्रोसेसिंग एवं टेक्सटाईल सेक्टर के चेप्टर, इंदौर एवं भोपाल में स्थापित करने तथा फेसिलिटी स्कीम में इंदौर में कॉमन फेसिलिटेशन सेंटर स्थापित करने के प्रस्ताव भारत सरकार को भेजे गए हैं।

मध्यप्रदेश स्टार्ट अप नीति-2019

मध्यप्रदेश स्टार्ट अप नीति-2019 में 10 करोड़ के रिवॉल्विंग फण्ड का प्रावधान सीड सपोर्ट के लिए किया गया है। इसमें वेंचर फंडिंग में राज्य शासन द्वारा 50 करोड़ का निवेश किया जाएगा। भारत सरकार से अनुमोदित टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर में 50 लाख रुपये की अग्रिम सहायता का प्रावधान किया गया।

नीति परिवर्तन और नयी योजनाएँ

मध्यप्रदेश शासन ने स्वरोजगार योजना के अंतर्गत वाहनों के प्रकरणों में लगे प्रतिबंध को शिथिल करते हुए आवेदकों को ऋण प्राप्त करने की सुविधा प्रदान की है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी एवं मुख्यमंत्री कृषक उद्यमी योजना में आवेदक के आयकरदाता होने की शर्त को विलोपित कर दिया गया है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम को वचन-पत्र के अनुरूप अल्प समय में प्रभावी रूप से धरातल पर क्रियान्वित किया गया है।

राज्य शासन के नवाचार का ही परिणाम है कि बेरोजगारों को न केवल रोजगार मिल रहा है बल्कि ऐसे उद्यमियों की जीवन में रौनक लौट आयी है, जो शासन की जटिल प्रक्रिया के कारण निराश हो चुके थे। अब मध्यप्रदेश में बदलाव का वक्त है। बदलाव की यह आहट आदिवासी जिलों तक में महसूस की जा रही है। ●

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
नूतन वर्ष पर
आप सभी का
हार्दिक अभिनंदन...
समस्त
किसानों को
0%
ब्याज पर ऋण
श्री जगदीश कन्नौज
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री राजेश क्षत्री
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)
श्री एस.के. खरे
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : इंदौर प्रीमियर को-ऑपरेटिव बैंक लि., इंदौर

नववर्ष आप सभी के
लिए मंगलमय हो...
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त
किसानों को
0%
ब्याज पर ऋण
श्रीमती उषा सक्सेना
(अध्यक्ष : सीसीबी सीहोर)
श्री आर.आर. सिंह
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री भूपेन्द्र सिंह
(उपायुक्त सहकारिता)
श्री मुकेश श्रीवास्तव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. सीहोर

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
श्री जयवर्धन सिंह
प्रभारी मंत्री
कृषिमंत्री श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
नववर्ष की बधाइयाँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची लें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में आकर ही करें।
किसान भाई कृषि उपज साफ करके मंडी में लाएँ ताकि उचित मूल्य प्राप्त कर सकें।
श्रीमती सरिता लाल
(भारसाधक अधिकारी)
श्री भारतसिंह चौहान
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
सुसनेर, जिला आगर

नूतन वर्ष की आप सभी को बधाइयाँ
श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
कृषिमंत्री श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की शुभकामनाएँ
किसान भाइयों से अपील
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
श्री प्रवीण फुलपगारे
(भारसाधक अधिकारी)
श्री एम.एल. वारसे
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
रतलाम, जिला रतलाम

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
नूतन वर्ष की आप सभी को बधाइयाँ
माननीय कृषिमंत्री श्री सचिन यादव को जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों से अपील
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ उठाएँ।
हम्माल तुलावटी भाई मुख्यमंत्री हम्माल तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
श्री राहुल नामदेव धोटे
(भारसाधक अधिकारी)
श्री संजीव श्रीवास्तव
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
जावरा, जिला रतलाम

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
मध्यप्रदेश के लाड़ले नेता
कृषिमंत्री श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की शुभकामनाएँ
किसान भाइयों से अपील
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
नूतन वर्ष की आप सभी को बधाइयाँ
श्री चंद्रसिंह सोलंकी
(भारसाधक अधिकारी)
श्री एम.एस. परमार
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
आलोट, जिला रतलाम

जन्मदिवस विशेष

किसानों को किया चिंतामुक्त

मध्यप्रदेश के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मंत्री श्री सचिन यादव कृषक परिवार से होने के कारण किसानों के प्रति उनके मन में हमेशा से ही आदर रहा है। उनका मानना है कि प्रदेश की कृषि प्रधान अर्थ-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिये जरूरी है कि किसान चिन्ता-मुक्त हो, उसके पास आमदनी के स्थाई इंतजाम हो और उसे समय पर आवश्यक वित्तीय सहयोग भी मिले। इसी को ध्यान में रखकर उन्होंने अपने प्रारंभिक अल्प-काल में ही क्रांतिकारी फैसले लिये हैं और उन्हे जमीनी स्तर पर लागू भी किया है। सरकार ने अपने वचन-पत्र में किसान कल्याण और कृषि विकास के मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। सरकार ने सत्ता संभालते ही किसानों को पीढ़ियों के कर्जो से मुक्ति दिलाई है। साथ ही

कृषि विकास के मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता

- » जय किसान फसल ऋण माफी योजना
- » जय किसान समृद्धि योजना
- » मंडियों में नगद भुगतान की व्यवस्था
- » किसानों को सस्ती बिजली
- » अजजा/अजा किसानों को निःशुल्क बिजली
- » ई-नाम योजना से जुड़ी कृषि उपज मंडियाँ
- » जैविक खेती में प्रदेश बना नंबर-1

यह क्रम तब तक जारी रखने का संकल्प भी लिया है, जब तक प्रत्येक पात्र किसान कर्ज-मुक्त नहीं हो जाता। किसान को फसल बोने से लेकर फसल बेचने तक के काम में राज्य सरकार मदद कर रही है। बिजली, पानी आदि भी किसानों को रियायती दरों पर दिया जा रहा है।

कांग्रेस पार्टी की विचारधारा के समर्थक श्री सचिन यादव का जन्म 10 जनवरी 1982 को खरगोन में हुआ। श्री यादव के पिता स्वर्गीय श्री सुभाष यादव मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे हैं। बी-कॉम तक शिक्षा प्राप्त श्री सचिन यादव का मुख्य व्यवसाय कृषि है। साथ ही उन्हें क्रिकेट खेलना भी बहुत पसंद है। उनका विवाह विनीता यादव के साथ हुआ। वर्ष 2013 में श्री सचिन यादव पहली बार कसरावद विधानसभा क्षेत्र से चुने गए। वर्ष 2018 में इसी क्षेत्र से दूसरी बार विधानसभा सदस्य निर्वाचित हुए हैं। श्री सचिन यादव ने 25 दिसम्बर, 2018 को मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ के मंत्रिमण्डल में मंत्री पद की शपथ ली। •

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

श्री जगदीश कन्नौज
(बैंक प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सह.)

श्री के. पाटनकर
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री एन.यू. सिद्दीकी
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

श्री गजेन्द्र अत्रे
(वित्त प्रबंधक)

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सौजन्य से

श्री अशोक मंडलोई (शा.प्र. सूलगाँव) **श्री हरिशंकर** (पर्य. सूलगाँव)
श्री विजय अवास्या (शा.प्र. किल्लोद) **श्री श्रीराम राजपूत** (पर्य. किल्लोद)
श्री चम्पालाल कासदे (शा.प्र. सिंगोट) **श्री हेमंत जैन/श्री फतेहसिंह चौहान** (पर्य. सिंगोट)
श्री देवराम रूपाले (शा.प्र. बोरगाँव बुजुर्ग) **श्री रामदास पटेल** (पर्य. बोरगाँव बुजुर्ग)

नूतन वर्ष पर हार्दिक अभिनंदन

सेवा सहकारी संस्था मर्या. घोघलगाँव, जि. खंडवा श्री हरिशंकर (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. पिपलानी, जि. खंडवा** श्री श्रीराम राजपूत (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. रामपुरा, जि. खंडवा** श्री हेमंत जैन (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. सूलगाँव, जि. खंडवा श्री हरिशंकर (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. बिल्लोद, जि. खंडवा** श्री शंकरलाल राजपूत (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. पाडल्या, जि. खंडवा** श्री फतेहसिंह चौहान (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. गौस, जि. खंडवा श्री चंदू जायसवाल (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. मालूद, जि. खंडवा** श्री मिथिल कुमार सोनी (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. गांधवा, जि. खंडवा** श्री संदीप पाटीदार (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. गोगाँवा, जि. खंडवा श्री सुभाष परमार (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. गंभीर, जि. खंडवा** श्री श्रीराम राजपूत (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. खिड़गाँव, जि. खंडवा** श्री हेमंत जैन (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. किल्लोद, जि. खंडवा श्री महेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. सिंगोट, जि. खंडवा** श्री प्रकाश यादव (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. बोरगाँव बुजुर्ग, जि. खंडवा** श्री रामदास पटेल (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. खुदिया, जि. खंडवा श्री दिनेश मार्कण्डेय (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. भगवानपुरा, जि. खंडवा** श्री विजय ओंकार (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. रुस्तमपुर, जि. खंडवा** श्री राधेश्याम दशोरे (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. सोमगाँवखुर्द, जि. खंडवा श्री श्रीराम राजपूत (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. बलवाड़ा, जि. खंडवा** श्री फतेहसिंह चौहान (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. कोहदड़, जि. खंडवा** श्री रामदास पटेल (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

सहकारिता से समृद्ध होती ग्रामीण अर्थव्यवस्था

भारतीय ग्राम भारत का दर्पण है। महात्मा गाँधी ने कहा भी है- भारत की आत्मा गाँवों में निवास करती है। ऐसा कहा जाता है कि गाँव की रचना कोई शिल्पकार नहीं करता है। गाँव की सीमाएँ नदी, पहाड़, वन, गुफा एवं पेड़ों से निर्धारित होती है। कहीं-कहीं तो यह ज्ञात करना मुश्किल हो जाता है कि एक गाँव कहाँ समाप्त हुआ तो दूसरा कहाँ से प्रारंभ हुआ। गाँव का आशय अनेक प्रकार से दर्शाया गया है। एक्टेशन टू दी शेड्यूल एरियाज अधिनियम 1996 में गाँव शब्द को परिभाषित किया गया है। गाँव का अभिप्राय आवासों या आवासों के समूह या छोटे गाँवों या छोटे गाँवों के समूह से है जिसमें समुदाय के निवासी अपनी गतिविधियों का प्रबंध अपनी परंपराओं तथा रीति-रिवाजों से करते हैं। महाराष्ट्र राज्य को छोड़कर सभी राज्यों ने इस आशय को स्वीकार किया है। इस परिभाषा में सहकारी दर्शन की सुगंध आती है।

भारत वर्ष गाँवों का देश है, यह कहावत शत-प्रतिशत सही है। वर्तमान में 6.41 लाख गाँव, 7935 कस्बे, 654 जिले तथा 34 उपजिले देशभर में हैं। जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार देश की आबादी 1210.09 मिलियन है जिसमें से 833.07 मिलियन जनसंख्या (68.84 प्रतिशत) गाँवों में निवास करती है। इस कुल आबाजी में से 24.8 प्रतिशत आबादी अनुसूचित जाति एवं जनजातियों की है।

देश के लगभग 50 से 55 प्रतिशत ऐसे गाँव हैं जहाँ 500 से कम जनसंख्या है। 1000 से 5000 तक जनसंख्या वाले गाँव, कुल गाँवों के 21 प्रतिशत के लगभग हैं। जिनमें 50 से 55 प्रतिशत ग्रामवासी निवास करते हैं। गाँवों की औसतन जनसंख्या 630 से 650 है। औसतन जनसंख्या विभिन्न राज्यों में भिन्न-भिन्न है। सबसे कम औसतन जनसंख्या मेघालय में लगभग 158 तथा सर्वाधिक लगभग 12200 केरल राज्य के गाँवों में है। छोटे-छोटे

आकार वाले गाँव विकास के लिए बड़ी चुनौती हैं। अधिकांश गाँवों में पक्की सड़कें, शौचालय, नालियाँ अत्यधिक कम हैं। अधिकांश गाँव के मकान कच्चे तथा झोपड़ियों का बाहुल्य है। गंदी तथा संकरी गलियों से आना-जाना पड़ता है। अधिकांश घर असंगठित तथा उनमें रोशनी के नाम पर दीपक या लालटेन उपयोग में आती है। पीने के पानी की कमी है। गुणवत्ता नदारत सी लगती है। व्यक्ति का जीवन स्तर निम्न है। अधिकांश व्यक्ति असंतुलित भोजन करते हैं। मोटा खाना तथा मोटा पहनना अधिकांश के भाग्य में है। यातायात बाजार, शिक्षा, अस्पताल इत्यादि ही नगण्य है। गंदगी, बीमारी, अज्ञानता, अंधविश्वास, असाक्षरता, भाग्यवादिता, आत्मविश्वास का अभाव इत्यादि का बोलबाला है। कृषिगत, औद्योगिक तथा सेवा क्षेत्र के अधिकांश उद्योगों का नगण्य विकास हुआ है। भारतीय ग्रामों की स्थिति का और अधिक लेखा-जोखा, फैक्ट फाइल प्रथम में दिया गया है।

> सहकारिता गरीब व्यक्ति के सर्वोत्तम गुणों का प्रतीक है। प्रगति एवं आर्थिक सामाजिक उत्थान के लिए उपयोगी एवं विश्वसनीय मित्र है।
>
> ● **हेनरी डब्ल्र बोल्फ**
>
> ग्रामीण विकास की सर्वश्रेष्ठ आशा सहकारी विकास में निहित है।
>
> ● **डॉ. एल. ईमारसुली**
>
> सहकारिता मानव की खुशी की अर्थशास्त्र है।
>
> ● **बैकुंठभाई मेहता**

भारतीय ग्रामीण विकास की दिशा में वर्ष 1911 से महात्मा गाँधी तथा अन्य ने प्रयास किए। लोहिया गाँव, आम्बेडकर गाँव, अटल ग्राम तथा आदर्श ग्राम समन्वित ग्रामीण विकास इसी दिशा में उठाए गए कदम थे, लेकिन परिणाम नाम बड़े दर्शन छोटे, ढाक के तीन पात वाली कहावत चरितार्थ हुई। गत 70 वर्षों के प्रयासों से इस क्षेत्र में विकृतियाँ उत्पन्न हुई। भ्रामक अवधारणाएँ, अविवेकपूर्ण दृष्टिकोण, क्रय शक्ति का अभाव, नए प्रयोग, परिवर्तन के प्रति विरोध, शोषण पर मौन उत्पादकता एवं स्वास्थ्य का निम्न स्तर, कृषि विभाग में बाधक कानून, निराशाजनक अनुशासन, शिक्षा हेतु अक्षम अथवा अर्धक्षम शिक्षण संस्थाएँ, कमजोर स्वयंसेवी संस्थाएँ तथा व्यवस्थाएँ एवं इन सब त्रुटियों के मूल में क्षीण सार्वजनिक सहयोग तथा अदूरदर्शिता, विकास में अवरोध सिद्ध हो रहे हैं। अतएव आवश्यकता है ग्रामीण विकास को भलीभाँति परिभाषित करने की है।

ग्रामीण विकास- 21वीं शताब्दी

राष्ट्र की लघुत्तम एवं विशाल इकाई ग्राम के विकासका अभिप्राय विस्तृत रूप से बहुमुखी ग्रामीण परिवर्तन से है। परिवर्तन की कल्पना केवल उत्पादन की पद्धति एवं आर्थिक संस्थाओं में नहीं बल्कि सामाजिक एवं राजनीतिक संरचना, मानव संबंधों तथा अवसरों में भी की गई है। विकास का संबंध ग्रामीण समाज के आधुनिकीकरण से है जिसमें परंपरागत पृथकता में परिवर्तन कर, उच्च तकनीकों का उपयोग किया जाता है जिससे राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था से समन्वय स्थापित करने की पहल की जा सके। हाईटेक विलेज की कल्पना को साकार किया जा सके। ग्रामवासियों के जीवन में गुणात्मक उन्नयन हेतु प्राकृतिक तथा मानव संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जाता है। इसमें न केवल उत्पादन, उत्पादकता बल्कि वितरण रोजगार तथा दरिद्रता की रेखा से नीचे वाले व्यक्तियों की प्रगति और वातावरणात्मक समता स्थापित करने के प्रयास किए जाते हैं।

इस विकास की दृष्टि से गाँव धार्मिक सामाजिक, संस्कारयुक्त, शिक्षायुक्त, प्रदूषण मुक्त, स्वावलंबी, संपूर्ण सुविधा युक्त सुशासन युक्त तथा शुद्ध जीवन पद्धति पर आधारित होंगे, जहाँ समता, प्रेम, भाईचारा, सबका विकास सबके साथ तथा सहयोग से संपूर्ण बहुमुखी विकास से आदर्श गाँव बन सकेंगे। भारत वर्ष के विश्व विख्यात प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जयप्रकाश की जयंती पर 11 अक्टूबर 2014 को आदर्श ग्राम योजना का श्रीगणेश किया। इसके अंतर्गत प्रत्येक सांसद से एक गाँव गोद लेकर उसे एक वर्ष की अवधि में आदर्श बनाने की अपील की है। इससे ग्रामीण विकास की परिकल्पना पूर्ण होगी। आदर्श ग्राम की रूपरेखा कुछ इस प्रकार है।

ग्रामीण विकास

ग्रामीण विकास के लिए 3 आर्थिक व्यवस्थाएँ, प्रथम पूँजीवादी उत्पत्ति के समस्त भौतिक साधनों पर स्वामित्व तथा उपयोग अधिक व्यक्तित्व, लाभ व्यक्तिगत। दूसरी साम्यवादी- अधिक लाभ सभी शासन का। शासन की भूमिका स्वाकी की। तीसरी अर्थव्यवस्था शुद्ध सहकारिता।

सहकारिता मानव के अधिकतम कल्याण हेतु स्वावलंबन एवं पारस्परिक सिद्धांतों के आदर्शों पर आधारित एक व्यवस्था है जिसमें सदस्यगण स्वेच्छा से अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु समानता की भावना से सम्मिलित होते हैं यह न्याय तथा प्रजातांत्रिक प्रबंध के वातावरण (सदस्य तीन रूप मालिक, प्रबंध, ग्राहक) में फलती-फूलती है। नैतिक बंधनों की दृढ़ता (संस्कार बिन नहीं सहकार) इसका उद्देश्य है। आर्थिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का प्रभावशाली सम्वय इस व्यवस्था का सार तत्व है। यह पूँजीवार के समान अचेतनापूर्ण एवं स्वचलित, साम्यवाद की भाँति राज्य नियंत्रित (सहकारिता विभाग, सब कुछ) नहीं है। स्पष्ट है कि तीनों ही में सहकारिता अर्थव्यवस्था ग्रामीण विकास के लिए श्रेष्ठतम माध्यम है। ●

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त कृषक बंधुओं को नूतन वर्ष की
हार्दिक बधाइयाँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री बी.एल. मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री एस.के. सिंह
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)
श्री एस.के. भारद्वाज
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. मंदसौर

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
श्री कुलदीपसिंह बुन्देला
(प्रशासक)
श्री जगदीश कन्नौज
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्रीमती भारती शेखावत
(उपायुक्त सहकारिता)
श्री आर.एस. वसुनिया
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
नूतन वर्ष की आप सभी को हार्दिक बधाइयाँ
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. धार

प्रदेश के कृषिमंत्री
श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

बधाईकर्ता : श्री विजय कुमार चौरसिया
उपसंचालक एवं समस्त कर्मचारीगण
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला इंदौर

प्रदेश के कृषिमंत्री
श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

बधाईकर्ता : श्री रामलाल जामरे
उपसंचालक एवं समस्त कर्मचारीगण
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला धार

प्रदेश के कृषिमंत्री
श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

बधाईकर्ता : श्री रामस्वरूप गुप्ता
उपसंचालक एवं समस्त कर्मचारीगण
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला खंडवा

प्रदेश के कृषिमंत्री
श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

बधाईकर्ता : श्री नगीनसिंह रावत
उपसंचालक एवं समस्त कर्मचारीगण
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला झाबुआ

प्रदेश के कृषिमंत्री
श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

बधाईकर्ता : श्री एम.एल. चौहान
उपसंचालक एवं समस्त कर्मचारीगण
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला खरगोन

प्रदेश के कृषिमंत्री
श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

बधाईकर्ता : श्री के.एस. खपेड़िया
उपसंचालक एवं समस्त कर्मचारीगण
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला बड़वानी

गन्ने में कीट-रोग प्रबंधन

गन्ना विश्व एवं भारत में एक मुख्य नकद फसल है। इसके उत्पादन में भारत का विश्व में तीसरा स्थान है। गन्ने की 10-18 महीनों की फसल पर सबसे अधिक कीट एवं रोगों का प्रकोप होता है एवं इनके द्वारा 20-25 प्रतिशत तक फसल को नुकसान होता है। गन्ने की फसल पर लगभग 288 प्रकार के कीट एवं व्याधियों का प्रकोप होता है।

गन्ना के प्रमुख कीट

1. प्रारंभिक तना छेदक : यह कीट 1-3 माह पुरानी गन्ने की फसल पर आक्रमण करता है। कीट डिम्बक (लार्वा) जमीन से थोड़ा ऊपर तने में आधार वाले भाग में छिद्र कर देता है। जिसके कारण मृत केंद्र बन जाते हैं। जिससे ग्रसित पौधे का वह भाग गल जाता है तथा उससे दुर्गंध आने लगती है।

प्रबंधन : कीट आपतन को रोकने के लिए गन्ने की फसल की प्रारंभिक अवस्था में कलमों पर मिट्टी चढ़ाएँ और एक माह बाद पुनः मिट्टी चढ़ाने से कीट आपतन में कमी आती है। प्रभावित कल्लों को जमीन के आधार भाग से काटकर जला देना चाहिए। गन्ने की बुवाई के समय कारपेट हाइड्रोक्लोराइड 1 किलो/हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। इसके जैविक नियंत्रण के लिए ट्राइकोग्रामा चिलोनिस कार्ड को 5000 प्रति हेक्टेयर की दर से रोपाई के पहले महीने से कटाई के 2-3 महीने पहले तक 7-10 दिनों के अंतराल पर छोड़े। कीट आपतन/प्रकोप के कम करने के लिए फसल की रोपाई मध्य मार्च में करें। इसके आक्रमण/प्रकोप को कम करने के लिए अंतर शस्य में ढेचा का प्रयोग करें।

2. अंतः गाँठ छेदक : इस कीट की सूंडी (लार्वा) गन्ने में गाँठ के पास छेद करता है तना प्रवेश छिद्र को मलमूत्र से बंद कर देता है। प्रभावित उत्तक लाल हो जाते हैं और इस की गुणवत्ता में कमी हो जाती है तथा फसल की कुल पैदावार में लगभग 30-35 प्रतिशत तक की कमी हो जाती है।

प्रबंधन : ग्रसित रोपण सामग्री का उपयोग नहीं करें। इसके जैविक नियंत्रण के लिए 2.5 से.मी. की दर से अंड परिजीव्यास ट्राइकोग्रामा चिलोनिस प्रति हेक्टेयर प्रयोग करें। प्रतिरोधक किस्मों (सी.ओ. 285, सी.ओ. 453, सी.ओ. 513 एवं सी.ओ. 617) का प्रयोग करें)

3. शीर्ष तना छेदक : इस कीट की सूंडी (लार्वा) नए पौधों पर आक्रमण करती है। जिसके कारण नई पत्तियों पर गोल छिद्र के समांतर रेखा बन जाती है तथा पत्ती मध्य सिरा पर लाल धारिया बन जाती हैं। जिसके कारण शीर्ष गुच्छ का निर्माण हो जाता है।

प्रबंधन : ग्रसित पौधों के भाग तथा अंड समूह को नष्ट करें। गन्ने की कीट प्रतिरोधी किस्मों जैसे सी.ओ. 767, सी.ओ. 419, सी.ओ. 567 एवं सी.ओ. 1158 का प्रयोग करें। जुलाई के प्रथम सप्ताह में फोरेट का 1 किलो हेक्टेयर की दर से भूमि में अनुप्रयोग करें या कार्बोफ्युरान का 2 किलो/हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।

4. गन्ने का पत्ती छेदक कीट : इसके शिशु एवं प्रौढ़ फसल को हानि पहुँचाते हैं। यह पत्तियों से रस चूसता है जिसके कारण पत्तियाँ पीले रंग की हो जाती है तथा बाद में ऊपर की तरफ मुड़ जाती है। इसके अधिक आपतन/प्रकोप के कारण गन्ने की ऊपरी पत्तियाँ सूख जाती हैं, जिससे 30-40 प्रतिशत तक उपज की हानि होती है।

प्रबंधन : इसके जैविक नियंत्रण के लिए एपरिकेनिया परजीवी के 1000 जीवित कोषों को जुलाई-अगस्त माह में गन्ने के खेत में छोड़ देना चाहिए तथा 4000-5000 जीवित कोषों को सितंबर व नवंबर माह में प्रयोग करें। कीट के प्रकोप/आपतन को कम करने के लिए इमामेक्टिन 5 प्रश एसजी 220 ग्राम प्रति हैक्टेयर या काल 150 मिली प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

5. गन्ने की सफेद मक्खी : इस कीट के शिशु पौधों की पत्तियों की शिराओं से रस चूसते हैं। जिससे ग्रसित पत्तियों में पीली, धारियाँ बनती हैं। जिससे पत्तियाँ धीरे-धीरे सूख जाती हैं।

प्रबंधन : इससे बचाव के लिए गन्ने की फसल की रोपाई करं। डाइमिथोएट 30 ई.सी. 27 मिली./10 लीटर पानी में मिलाकर दो बार गन्ने की फसल में छिड़काव करं। इसके जैविक नियंत्रण के लिए परभक्षी के 1000 प्रौढ़ प्रति हे. की दर से गन्ना फसल में छोड़ें।

6. गन्ना दीमक : दीमक के आक्रमण से गन्ने की पत्तियों पर अर्द्ध गोलाकार खाद्य छिद्र उत्पन्न होते हैं। दीमक के अधिक प्रकोप/आवतन से गन्नों का तना सूख जाता है जिससे वह आसानी से उखड़ जाता है।

प्रबंधन : रोपाई से पूर्व गन्ने के कल्लों को मेलाथियान 50 ई.सी. 30 मि.ली./10 ली. पानी में डुबाएँ। दीमक के निवास/घर को इसकी रानी के साथ नष्ट करें।

7. गन्ने की कुटकी : इससे शिशु एवं प्रौढ़ गन्ने के पौधों से रस चूसते हैं, जिसके कारण पत्तियों का रंग लाल हो जाता है एवं बाद में पत्तियाँ सूख जाती हैं।

प्रबंधन : इसके प्रकोप/आपतन को कम करने के लिए एकांतर पोषी बरू घास को गन्ना फसल क्षेत्र से नष्ट कर दें। वेटेबल सल्फर 4 ग्राम/ली. की दर से प्रयोग करें।

किसान मॉडल के लिए आईसीएआर-नाबार्ड समझौता

नई दिल्ली। सतत कृषि और जलवायु अनुकूल कृषि प्रणाली के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बोर्ड (नाबार्ड) ने एक्शन रिसर्च और विभिन्न तकनीकों को बेहतर बनाने एवं नवाचार किसान मॉडल के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। एक्शन रिसर्च का अर्थ है चुनौतियों के लिए समाधान ढूंढ़ने हेतु किसानों की सक्रिय भागीदारी से शोध करना। नवाचार किसान मॉडलों को आईसीएआर ने विकसित किया है, जिसमें शामिल हैं ङ्क जलवायु अनुकूल अभ्यास, मॉडल और वॉटरशेड प्लेटफॉर्म पर आधारित शोध के तहत सहभागिता के साथ उच्च तकनीक वाले कृषि अभ्यास आदि।

डीएआरई के सचिव और आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा तथा नाबार्ड के अध्यक्ष श्री हर्ष कुमार भनवाला ने आज नई दिल्ली में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डॉ. महापात्रा ने कहा कि युवा कृषि उद्यमियों को नाबार्ड की सहायता से वित्तीय सहायता उपलब्ध करानी चाहिए। उन्होंने देश के किसानों के क्षमता विकास पर भी बल दिया।

यह समझौता ज्ञापन सतत कृषि, एकीकृत कृषि प्रणाली, कृषि-वानिकी, पौधारोपण, बागवानी, पशु विज्ञान, कृषि-इंजीनियरिंग, फसल कटाई के बाद की तकनीक आदि क्षेत्रों में स्थान विशेष को ध्यान में रखते हुए प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण का उल्लेख करता है। आईसीएआर अपने विशाल नेटवर्क के जरिये चैनल सहयोगियों तथा नाबार्ड अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने और क्षमता विकास करने में समर्थन प्रदान करेगा। इस पहल से चैनल सहयोगियों की दक्षता में वृद्धि होगी। आईसीएआर नाबार्ड द्वारा सहायता प्राप्त परियोजनाओं का मूल्यांकन करने, जलवायु परिवर्तन संबंधी परियोजनाओं का डीपीआार तैयार करने, कृषि यांत्रिकीकरण, एग्री इन्क्यूबेशन सेंटर/एफपीओ, संसाधन संरक्षण आदि कार्यों में भी मदद करेगा।

बच्चों के विषयों को ग्राम विकास योजना में जोड़ा जाएगा

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री कमलेश्वर पटेल ने कहा है कि बच्चों से सम्बन्धित विषयों को ग्राम पंचायत-विकास योजना (जीपीडीपी) में अनिवार्य रूप से जोड़ा जाएगा। श्री पटेल ने यूनिसेफ और समर्थन संस्था द्वारा ग्राम विकास योजना को चाइल्ड फ्रेंडली बनाने विषयक कार्यशाला में यह जानकारी दी। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ग्रामों के व्यवस्थित विकास के लिए प्रत्येक ग्राम-पंचायत की वार्षिक ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार की जाती है। इस विकास योजना में बच्चों से सम्बन्धित शिक्षा, शैक्षणिक सुविधा, स्वच्छता, कुपोषण, बालश्रम, बाल-विवाह जैसे महत्वपूर्ण विषयों को जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता में सुधार लाने के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कार्यशाला में प्रतिभागी के रूप में सम्मिलित हुए मंडला, खरगौन, बड़वानी जिलों के बच्चों और जन-प्रतिनिधियों से भी विस्तार से चर्चा की।

प्रधानमंत्री स्व. पण्डित जवाहरलाल नेहरू के जन्म-दिवस 14 नवम्बर को प्रदेश के ग्रामीण अंचल में प्रतिवर्ष बाल ग्राम सभाएं आयोजित की जाएंगी। मंत्री श्री कमलेश्वर पटेल ने आयुक्त पंचायत राज को कार्य-योजना बनाने के निर्देश दिए हैं।

यूनिसेफ के स्टेट हैड श्री माइकल जूमा ने कहा कि यूनिसेफ का मुख्य उददेश्य प्रदेश के ग्रामीण अंचल के बच्चों को बेहतर पर्यावरण उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि ग्राम विकास में अगली पीढ़ी के रूप में बच्चों की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने सुझाव दिया कि स्कूलों में बाल-मंच और बाल-संगठनों का गठन किया जा सकता है। कार्यशाला में आयुक्त पंचायत राज श्री संदीप यादव सहित यूनिसेफ, समर्थन संस्था के प्रतिनिधि तथा ग्रामीण क्षेत्रों के पंचायत प्रतिनिधि और बच्चे उपस्थित थे।

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
श्री सज्जन वर्मा
प्रभारी मंत्रीमंत्री
मध्यप्रदेश के लाड़ले नेता
कृषिमंत्री श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की शुभकामनाएँ
किसान भाइयों से अपील
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
नूतन वर्ष की हार्दिक बधाई
सुश्री नेहा शिवहरे
(भारसाधक अधिकारी)
श्री श्रीराम साध
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
कसरावद, जिला खरगोन

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
श्री सुरेन्द्रसिंह बघेल
प्रभारी मंत्री
माननीय कृषिमंत्री
श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की
हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों से अपील
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ उठाएँ।
हम्माल तुलावटी भाई मुख्यमंत्री हम्माल तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
श्री सैयद अशफाक
(भारसाधक अधिकारी)
श्री राजेन्द्र कचोलिया
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
अलीराजपुर, जिला अलीराजपुर

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
नववर्ष आप सभी के लिए मंगलमय हो
श्री जगदीश कन्नौज
(प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री अम्बरीश वैद्य
(उपायुक्त सहकारिता झाबुआ)
श्री बी.एस. कोठारी
(उपायुक्त सहकारिता अलीराजपुर)
श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक अपेक्स बैंक इंदौर)
श्री पी.एन. यादव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. झाबुआ

मक्का उत्पादन में छिंदवाड़ा को मिलेगी अंतर्राष्ट्रीय पहचान

छिंदवाड़ा। सोयाबीन के बाद मध्यप्रदेश के छिन्दवाड़ा जिले ने मक्के के उत्पादन में प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया है। छिन्दवाड़ा को मक्का उत्पादन के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के प्रयास किये जायेंगे। मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ छिन्दवाड़ा में दो दिवसीय कॉर्न फेस्टिवल छिन्दवाड़ा 2019 के शुभारंभ अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर सांसद श्री नकुल नाथ, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री सचिन यादव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री सुखदेव पांसे, जनजातीय कार्य विभाग मंत्री श्री ओमकार सिंह मरकाम, पूर्व मंत्री श्री दीपक सक्सेना सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं मक्का उत्पादक किसान उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने सांस्कृतिक मंडप में दीप प्रज्जवलित कर मेले का शुभारंभ किया। मक्का फेस्टिवल के लिये एक दिन में छिन्दवाड़ा के 4 हजार 674 शासकीय विद्यालयों के बच्चों द्वारा पौने 3 लाख मक्के के विषय पर पेंटिंग बनाकर छिन्दवाड़ा में विश्व रिकार्ड स्थापित किया है। इस अवसर पर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड के साउथ एशिया प्रभारी श्री आलोक कुमार ने मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ को वर्ल्ड बुक रिकार्ड का प्रमाण पत्र सौंपा।

चित्रकला प्रतियोगिता में इन पेटिंग्स में से चयनित सर्वश्रेष्ठ 12 पेटिंग से बनाये गये कैलेंडर का मुख्यमंत्री द्वारा विमोचन किया गया।

फार्म इको ऐप की लांचिंग-कॉर्न फेस्टिवल छिन्दवाड़ा 2019 में आई.आई.टी. मुंबई से पढ़े छिन्दवाड़ा जिले के छात्र प्रदीप शेंडे द्वारा निर्मित फार्म इको ऐप की मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ द्वारा लांचिंग की गई। इस फार्म इको ऐप में निःशुल्क रूप से किसानों को शासन की योजनाओं, कृषि वैज्ञानिकों की सलाह, मार्गदर्शन, बीज, कीटनाशक, खाद्य, उपज के परिवहन, उपज को रखने के लिये वेयर हाउस, किराये पर उन्नत कृषि यंत्र की उपलब्धता, कांट्रेक्ट फार्मिंग आदि के संबंध में सहज ही उपलब्ध हो जायेंगे।

कार्न फेस्टीवल में छिंदवाड़ा के विकास मॉडल का लेजर लाइट शो के माध्यम से मुख्य मंत्री श्री कमलनाथ द्वारा छिंदवाड़ा में कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, सड़क, यातायात, सिंचाई, बिजली, औद्योगिक विकास आदि के लिये किये गये विकास कार्यों सहित सासंद श्री नकुल नाथ द्वारा छिंदवाड़ा जिले के चहुंमुखी विकास के लिये किये जा रहे प्रयासो को लाईट एण्ड साउण्ड से प्रदर्शित किया गया।

कॉर्न फेस्टिवल की चित्रमय झलकियाँ

पातालकोट की रसोई बनी आकर्षण का केंद्र

दो दिवसीय कॉर्न फेस्टिवल के फूड जोन में मक्का से तैयार कई तरह के स्वादिष्ट और पारंपरिक व्यंजनों के 80 से भी ज्यादा स्टॉल लगाए गए। फूड जोन में बनाई गई पातालकोट की रसोई सभी के आकर्षण का केंद्र बनी, जहां पहुंचकर लोग जनजातीय पारंपरिक व्यंजनों का लुत्फ उठाने बड़े उत्साह के साथ पहुंचे। इस रसोई में पातालकोट के जनजातीय लोगों द्वारा खाये जाने वाले पारंपरिक व्यंजन मक्के की रोटी, बल्लर की सब्जी, बल्लर और बरबटी की मिक्स दाल, कुटकी का भात, भेजरा (देशी टमाटर) की चटनी और मक्के का हल्वा वाली थाली लोगों को बहुत पसंद आई। अंतरराष्ट्रीय-राष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी पातालकोट की रसोई का स्वाद लिया

कंपनियों ने अपने-अपने उत्पाद प्रदर्शित किये

कॉर्न फेस्टिवल में आयोजित प्रदर्शनी का प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये मक्का उत्पादक किसानों, फसल विशेषज्ञ वैज्ञानिकों, अन्य कृषकों, पत्रकारों और आम जनों ने दूसरे दिन भी बड़ी संख्या में अवलोकन किया। प्रदर्शनी में बीज, कीटनाशक दवा निर्माता कंपनियों, उर्वरक प्रदाता, कृषि यंत्र प्रदाता कंपनियों आदि ने अपने स्टाल लगाये और कृषकों के लिये उन्नत तकनीक के साथ ही उपयोगी जानकारियां प्रदर्शित की। प्रदर्शनी में कृषकों को कृषि के लिये वित्तीय मदद तथा जैविक कृषि को बढ़ाने की जानकारी भी दी गई। प्रदर्शनी में बताया गया कि अलग-अलग भूमि तथा पर्यावरण के लिये अनुकूल मक्का की प्रजातियां कौन सी है?

दर्शकों ने फैशन शो का आनंद लिया

कॉर्न फेस्टिवल के समापन अवसर पर एफ.डी.डी.आई. और ए.टी.डी.सी. के छात्र-छात्राओं ने सोलो डाँस, ग्रुप डाँस व फैशन शो की प्रस्तुति ने दर्शकों मंत्रमुग्ध कर दिया। ख्यातिलब्ध सिंगर श्री अरमान मलिक ने अपनी संगीतमयी सुर लहरियों से सम्पूर्ण परिसर को गुंजायमान किया। श्री अरमान मलिक के संगीत का जादू छिंदवाड़ा की जनता के दिलों दिमाग पर छाया रहा। मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ और सांसद श्री नकुल नाथ द्वारा सिंगर श्री अरमान मलिक और सुश्री ज्योति मलिक को शाल से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अधिकारी व बड़ी तादाद में दर्शक उपस्थित थे।

200 प्रकार के व्यंजनों का लुत्फ उठाया

फूड जोन में मक्के से बने लजीज व्यंजनों ने सभी को अपनी ओर आकर्षित किया। फूड जोन मे हल्दीराम, इंदौर सराफा, मध्यप्रदेश पर्यटन निगम एवं विभिन्न स्व-सहायता समूहों द्वारा लगाये गये स्टॉल सहित अन्य 80 से अधिक स्टॉल के माध्यम से मक्के के 200 से अधिक स्वादिष्ट व्यंजनों का जायका लोगों को मिला। मक्के की रोटी, सरसों का साग, मक्के के बड़े, मक्के की खीर, मक्के का पोहा, मक्के के पापड़, मक्के का खूत, मक्के के ब्रेड पकोड़े, मक्के के मंगोड़े, स्वीट कॉर्न, मक्का चिप्स, चाइनीस कॉर्न, कॉर्न पेस्ट्रीज, मक्के की टिक्की, मक्का वेज पकौड़ा, मक्के की बाटी और यहां तक की कॉर्न पिज्जा का स्वाद भी चखने को मिला।

समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज दर पर फसल ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण	दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

नूतन वर्ष पर हार्दिक अभिनंदन

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्रीमती सुनीता गोठवाल (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री डी.आर. सरोठिया (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री सुरेशचंद्र कारपेंटर (शा.प्र. बेरछा) श्री प्रह्लादसिंह दसोरिया (शा.प्र. अरनियाकलां) श्री दौलतसिंह राठौड़ (शा.प्र. तनेड़िया)
श्री ईश्वरसिंह यादव (पर्य. बेरछा) श्री दूल्हेसिंह सोलंकी (पर्य. अरनियाकलां) श्री कैलाश जैन (पर्य. तनेड़िया)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बेरछा, जि. शाजापुर
श्री शौकीन खाँ (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. अरनियाकलां, जि. शाजापुर
श्री देवराज वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. तनेड़िया, जि. आगर मालवा
श्री संजय कारपेंटर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. रथभँवर, जि. शाजापुर
श्री मणिशंकर मंडलोई (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. अरनियाखुर्द, जि. शाजापुर
श्री माखनसिंह परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. कुबड़ियाखेड़ी, जि. शाजापुर
श्री गोविन्दसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. तिलावद गोविंद, जि. शाजापुर
श्री अशोक कुमार गुप्ता (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बेरछा दातार, जि. शाजापुर
श्री कैलाश नारायण खींची (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. झलारा, जि. शाजापुर
श्री मोहनसिंह तंवर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. चौसला कुल्मी, जि. शाजापुर
श्री बाबूलाल चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. ढाबला घोसी, जि. शाजापुर
श्री भँवरलाल उमठ (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. नेवरीमाता, जि. शाजापुर
श्री नारायणसिंह यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बिरगोद, जि. शाजापुर
श्री जगदीश वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. पोचानेर, जि. शाजापुर
श्री श्रीकांत देशमुख (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. पीपलोनकलां, जि. शाजापुर
श्री महेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. कमल्याखेड़ी, जि. शाजापुर
श्री शशिकांत गोठी (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. सायल, जि. शाजापुर
श्री शिवनारायण चंद्रवंशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. मलवासा, जि. शाजापुर
श्री राधेश्याम राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. सुंदरसी, जि. शाजापुर
श्री सैयद साजिद अली (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. रोलाखेड़ी, जि. शाजापुर
श्री संतोष परमार (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

ओंकारेश्वर मंदिर एक्ट शीघ्र तैयार करें : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने ओंकारेश्वर के विकास के लिये तैयार की गई 156 करोड़ रूपये की कार्य-योजना को मंजूरी दे दी है। उन्होंने निर्देश दिये हैं कि ओंकारेश्वर मंदिर के लिये शीघ्र ही एक्ट भी तैयार किया जाये। श्री कमल नाथ मंत्रालय में ओंकारेश्वर कार्य-योजना की समीक्षा कर रहे थे। ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री द्वारा महाकालेश्वर मंदिर परिसर की 300 करोड़ रूपये की विकास कार्य-योजना पूर्व में ही स्वीकृत की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने बैठक में कहा कि देश में केवल मध्यप्रदेश को यह गौरव हासिल है, जहाँ 12 ज्योतिर्लिंग में से दो ज्योतिर्लिंग प्रतिष्ठापित हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि ये पवित्र स्थान विश्व पर्यटन केन्द्र के रूप में स्थापित हों। श्री कमल नाथ ने ओंकारेश्वर विकास योजना को पूरा करने के लिए समय निर्धारित करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर विकास कार्य पूरा करने की तारीख तय हो। उन्होंने कहा कि हमारी मंशा है कि अगले शीतकालीन सत्र में यह एक्ट पेश किया जा सके। मुख्यमंत्री ने योजना के क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में कमेटी बनाने के निर्देश दिए। यह कमेटी विकास कार्य की प्रगति पर निगरानी रखेगी।

आध्यात्म एवं जनसम्पर्क मंत्री श्री पी.सी. शर्मा, खंडवा जिले के प्रभारी लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, गृह मंत्री श्री बाला बच्चन तथा किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री सचिन यादव बैठक में शामिल हुए। बैठक में मुख्य सचिव श्री एस.आर. मोहंती, अपर मुख्य सचिव आध्यात्म श्री मनोज श्रीवास्तव, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री अनुराग जैन, प्रमुख सचिव लोक निर्माण श्री मलय श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव संस्कृति श्री पंकज राग, प्रमुख सचिव नगरीय विकास श्री संजय दुबे, आयुक्त इन्दौर संभाग श्री आकाश त्रिपाठी एवं कलेक्टर खंडवा सुश्री तन्वी सुन्द्रियाल उपस्थित थीं।

श्री त्रिपाठी ने निर्माणाधीन गौशाला का किया निरीक्षण

इंदौर। इन्दौर कमिश्नर श्री आकाश त्रिपाठी ने इंदौर संभाग के बड़वानी जिले का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने बड़वानी जिले के ग्राम तलवाड़ा बुजुर्ग में बन रही गौशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने संबंधित पदाधिकारियों से भी आवश्यक जानकारी प्राप्त कर गौशाला के कार्य पर संतोष व्यक्त किया।

कमिश्नर के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री अमित तोमर एवं जिला पंचायत सीईओ श्री मनोज सरियाम ने बताया कि जिले के 5 स्थानों पर शासकीय गौशाला का निर्माण करवाया जा रहा है। इन गौशालाओं का निर्माण आगामी एक पखवाड़े में पूर्ण करवा लिया जायेगा। इसके साथ ही गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने के लिए चारागाह का भी विकास करवाकर नैपियर घास लगवाई जा रही है। साथ ही गौशाला एवं चारागाह में पर्याप्त पानी के लिए ट्यूबवेल का खनन करवाकर उचित अश्वशक्ति की मोटर लगवाई जा रही है।

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर श्री त्रिपाठी ने निर्देशित किया कि इन गौशालाओं के संचालन हेतु बनने वाली समिति के पदाधिकारियों को इन्दौर भेजकर आवश्यक प्रशिक्षण दिलवाया जाये। जिससे समिति के पदाधिकारी गौवंश से प्राप्त गोबर, मूत्र से उचित दवाई, गैस प्लान्ट डालकर इन गौशालाओं को आत्मनिर्भर बना सके। साथ ही उन्होने निर्देशित किया कि इन गौशालाओं को पर्याप्त संख्या में ऐसी गाय भी दिलवाई जाये जिनके दुग्ध उत्पादन से गौशालाये व्यवस्थित रूप से अपने आप को स्थापित कर सके।

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
श्री तुलसीराम सिलावट
प्रभारी मंत्री
प्रदेश के कृषिमंत्री
श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
बधाईकर्ता : श्री एम.एस. देवके
उपसंचालक एवं समस्त कर्मचारीगण
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला बुरहानपुर

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
श्री हुकुमसिंह कराड़ा
प्रभारी मंत्री
प्रदेश के कृषिमंत्री
श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
बधाईकर्ता : डॉ. अजीतसिंह राठौर
उपसंचालक एवं समस्त कर्मचारीगण
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला मंदसौर

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
श्री जीतू पटवारी
प्रभारी मंत्रीमंत्री
प्रदेश के कृषिमंत्री
श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
बधाईकर्ता : श्रीमती नीलमसिंह चौहान
उपसंचालक एवं समस्त कर्मचारीगण
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला देवास

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
श्री सज्जनसिंह वर्मा
प्रभारी मंत्री
प्रदेश के कृषिमंत्री
श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
बधाईकर्ता : श्री चम्पालाल केवड़ा
उपसंचालक एवं समस्त कर्मचारीगण
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला उज्जैन

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
श्री सुरेन्द्रसिंह बघेल
प्रभारी मंत्री
प्रदेश के कृषिमंत्री
श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
बधाईकर्ता : श्री के.सी.वास्केल
उपसंचालक एवं समस्त कर्मचारीगण
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला अलीराजपुर

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
प्रदेश के कृषिमंत्री
श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की
हार्दिक शुभकामनाएँ
बधाईकर्ता : श्री ज्ञानसिंह मोहनिया
उपसंचालक एवं समस्त कर्मचारीगण
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला रतलाम

मध्यप्रदेश सरकार का विजन-टू-डिलीवरी रोडमैप 2020-2025 का विमोचन

रोडमैप से निवेश, रोजगार, पर्यटन बढ़ेगा : मनमोहन सिंह
यह विजन की सरकार है, टेलीविजन की नहीं : कमलनाथ

भोपाल। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा तैयार 'विजन टू डिलीवरी रोड मैप 2020-25' दस्तावेज का विमोचन करते हुए इसे मध्यप्रदेश की जनता की आकांक्षाओं और प्राथमिकताओं का दस्तावेज बताया। उन्होंने प्रदेश की त्वरित आर्थिक समृद्धि और विकास के लक्ष्यों को पूरा करने में विचारों की स्पष्टता और प्रतिबद्धता के लिए मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ की प्रशंसा की। डॉ. सिंह ने लोगों के आर्थिक विकास और समृद्धि लाने के लिए एक साल के कम समय में उठाए गए कदमों के लिए बधाई दी। मुख्य रूप से उद्योग के साथ मिलकर रोजगार के नये अवसरों का निर्माण करने की सराहना की। मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री नर्मदा प्रसाद प्रजापति एवं वित्त मंत्री श्री तरूण भनोत सहित मंत्रिमंडल के सदस्य विधायक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने कहा कि हमारी सरकार विजन की सरकार है, टेलीविजन की नहीं। हमारे कामकाज का जो भी सर्टिफिकेट मिले, वह जनता से मिले, प्रचार-प्रसार के आधार पर नहीं। यही कारण है कि हमने दढ़ इच्छाशक्ति के साथ 365 दिन में वचन पत्र के 365 बिन्दुओं को पूरा किया। इसकी गवाह मध्यप्रदेश की जनता है।

डॉ. मनमोहन सिंह ने गैस पीड़ित महिलाओं के कल्याण के लिए समर्पित गैस पीड़ित महिला उद्योग संगठन के संयोजक स्वर्गीय डॉक्टर अब्दुल जब्बार को मरणोपरांत राज्य सरकार के प्रतिष्ठित इंदिरा गांधी समाज सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया। मुख्य सचिव श्री एस.आर. मोहंती ने सरकार का एक साल पूरा होने पर उठाए गए कल्याणकारी कदमों और निर्णयों का उल्लेख करते हुए लोगों के विकास के लिए तैयार किए गए विजन टू डिलीवरी 2020-25 की विशेषताओं की चर्चा की। अपर मुख्य सचिव योजना श्री मोहम्मद सुलेमान ने आभार व्यक्त किया।

जनता घोषणा करेगी कि काम हो गया : मुख्यमंत्री

झाबुआ। मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने कहा है कि मध्यप्रदेश में हम एक नई परम्परा की शुरूआत करने जा रहे हैं, जिसमें सरकार काम करने की घोषणा नहीं करेगी, बल्कि जनता घोषणा करेगी कि काम हो गया है। उन्होंने झाबुआ की जनता को तहेदिल से धन्यवाद देते हुए कहा कि उसने सच्चाई का साथ देकर क्षेत्र के विकास की एक नई इबारत लिखने का जो अवसर दिया है, उसे साकार किया जाएगा। श्री नाथ झाबुआ में पंचायत राज एवं पंच, सरपंच, सचिव, पटेल, तड़वी और कोटवार सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। चिकित्सा शिक्षा एवं संस्कृति मंत्री डॉ. विजय लक्ष्मी साधौ, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री तुलसी सिलावट उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ ने कहा कि झाबुआ के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए हम प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे। इस क्षेत्र से मेरा चुनावी नहीं दिल से जुड़ा हुआ संबंध है जिसे निभाया जायेगा। क्षेत्र की जनता द्वारा सरकार के प्रति व्यक्त विश्वास के बाद उसे निराश नहीं होना पड़ेगा। क्षेत्र की जनता ने यह साबित किया है कि वह समझदार है। जनता को जब भी कोई परेशानी होगी मुख्यमंत्री उनके साथ खड़े रहेंगे और हर समस्या का समाधान किया जाएगा।

सम्मेलन में मुख्यमंत्री का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत वन पट्टे, उद्योग विकास, आजीविका परियोजना, मत्स्य-पालन, वन स्टाप सेंटर, बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ एवं लाड़ली लक्ष्मी योजना के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। उन्होंने झाबुआ जिले के लिए 4 करोड़ 21 लाख रुपए के 30 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री ने जिले की विभिन्न योजनाओं पर तैयार किए गए ब्रोशर का विमोचन किया।

सम्मेलन को गृह मंत्री श्री बाला बच्चन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री कमलेश्वर पटेल, किसान-कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री सचिन यादव, पर्यटन एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री सुरेन्द्र सिंह बघेल हनी तथा नव निर्वाचित विधायक कांतिलाल भूरिया ने भी संबोधित किया।

सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित धार की बैठक संपन्न

धार। जिला मुख्यालय पर बैंक के नवनियुक्त प्रशासक कुलदीप सिंह बुंदेला की अध्यक्षता में जिले के समस्त शाखा प्रबंधक उपस्थित थे। इस अवसर पर नवीन प्रशासक श्री बुंदेला का कर्मचारियों द्वारा एवं उप पंजीयन श्रीमती भारती शेखावत एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर एस वसुनिया द्वारा पुष्प माला से स्वागत किया गया। अपने स्वागत उद्बोधन में श्री बुंदेला द्वारा बैंक प्रबंधकों को किसान भाइयों के लिए अधिक से अधिक मात्रा में यूरिया खाद समस्त जिले में समितियों के माध्यम से उपलब्ध कराने का निर्देश दिए साथ ही ऋण वसूली एवं अमानत वृद्धि हेतु अधिकतम प्रयास हेतु कारगर कदम उठाने हेतु प्रेरित किया आपने अपने संबोधन में कर्मचारियों की मांगे एवं अन्य समस्याओं का अति शीघ्र निराकरण करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर जिले के समस्त कर्मचारी साथी गण उपस्थित थे कार्यक्रम को मुख्य कार्य अधिकारी आर एस वसुनिया द्वारा भी ऋण वितरण अमानत वृद्धि एवं खाद की समस्या को अति शीघ्र हल करने का कहा उप पंजीयन श्रीमती भारती शेखावत द्वारा कर्मचारियों को संबोधित किया गया। उक्त जानकारी जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष मीडिया प्रभारी पन्नालाल बाथम द्वारा दी गई।

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
श्री सज्जन वर्मा
प्रभारी मंत्री
माननीय कृषिमंत्री श्री सचिन यादव को जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों से अपील
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ उठाएँ।
हम्माल तुलावटी भाई मुख्यमंत्री हम्माल तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
नूतन वर्ष की शुभकामनाएँ
श्री जगदीश मेहरा
(भारसाधक अधिकारी)
श्री महेश शर्मा
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
खाचरौद, जिला उज्जैन

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
श्री हुकुमसिंह कराड़ा
प्रभारी मंत्रीमंत्री
मध्यप्रदेश के लाड़ले नेता कृषिमंत्री श्री सचिन यादव को जन्मदिवस की शुभकामनाएँ
किसान भाइयों से अपील
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
नूतन वर्ष की शुभकामनाएँ
श्री शिवलाल शाक्य
(भारसाधक अधिकारी)
श्री जितेन्द्र चौधरी
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
मंदसौर, जिला मंदसौर

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
श्री हुकुमसिंह कराड़ा
प्रभारी मंत्री
कृषिमंत्री श्री सचिन यादव को जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों को नए वर्ष की बधाइयाँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची लें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में आकर ही करें।
किसान भाई कृषि उपज साफ करके मंडी में लाएँ ताकि उचित मूल्य प्राप्त कर सकें।
श्री मुकेश सोनी
(भारसाधक अधिकारी)
श्री जगदीश नारायण ओझा
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
दलौदा, जिला मंदसौर

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
श्री हुकुमसिंह कराड़ा
प्रभारी मंत्रीमंत्री
कृषिमंत्री श्री सचिन यादव को जन्मदिवस की शुभकामनाएँ
किसान भाइयों को नए वर्ष की बधाइयाँ
किसान भाइयों से अपील
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
श्री क्षितिज शर्मा
(भारसाधक अधिकारी)
श्री सतीश पटेल
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
नीमच, जिला नीमच

नववर्ष आप सभी के लिए मंगलमय हो...

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण • खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड • कृषि यंत्र के लिए ऋण • दुग्ध डेयरी योजना

श्री आर.आर. सिंह
(प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्रीमती मीना डाबर
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री ए.के. हरसोला
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से
श्री बी.एम. चन्द्रेल (शा.प्र. रायसेन)
श्री एल.एन. रघुवंशी (शा.प्र. बरेली)
श्री राजेश साहू (शा.प्र. बाड़ी)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रायसेन, जि.रायसेन
श्री सुभाष शुक्ला (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रतखई, जि.रायसेन
श्री रामलाल मीणा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मानपुर, जि.रायसेन
श्री मोहनलाल सिंगरौली (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पेमत, जि.रायसेन
श्री कैलाश गौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. वनखेड़ी, जि.रायसेन
श्रीमती ज्योति नामदेव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. वीदपुरा, जि.रायसेन
श्री राजेन्द्र उपाध्याय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बरेली, जि.रायसेन
श्री आर.के. भार्गव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मगरधा, जि.रायसेन
श्री नर्मदाप्रसाद धाकड़ (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिवनी, जि.रायसेन
श्री अवधगिरि गोस्वामी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बारू पिपरिया, जि.रायसेन
श्री कृष्णकुमार राजौरिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बाग पिपरिया, जि.रायसेन
श्री पुष्करसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चैनपुर, जि.रायसेन
श्री वीरेन्द्र सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धोखेड़ा, जि.रायसेन
श्री नेपालसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. डूमर, जि.रायसेन
श्री भास्कर शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कामतौन, जि.रायसेन
श्री राजेन्द्र राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उटियाकलां, जि.रायसेन
श्री मनोहरसिंह धाकड़ (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बमलवाड़ा, जि.रायसेन
श्री राजा ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गमनवाड़ा, जि.रायसेन
श्री राजेन्द्र सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बाड़ी, जि.रायसेन
श्री प्रदीप शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भैंसाया, जि.रायसेन
श्री शंकरसिंह चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भारकच्छ, जि.रायसेन
श्री शालिकराम ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मूमलवाड़ा, जि.रायसेन
श्री चौहानसिंह चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. देहरीकलां, जि.रायसेन
श्री राघवसिंह ठक्कर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कनवार, जि.रायसेन
श्री देवीसिंह धाड़क (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

पर्यटन क्षेत्रों का होगा नियोजित विकास : जनसंपर्क मंत्री

पचमढ़ी। जनसम्पर्क मंत्री श्री पी.सी. शर्मा और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री कमलेश्वर पटेल ने होशंगाबाद जिले के सुप्रसिद्ध पर्यटन स्थल पचमढ़ी में 5 दिवसीय पचमढ़ी उत्सव का शुभारंभ किया। मंत्रीद्वय ने उत्सव में शामिल होने आये, स्थानीय एवं प्रादेशिक, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकारों का अभिवादन किया और उन्हें नव-वर्ष की शुभकामनाएँ दीं।

मंत्री श्री शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी पर्यटन क्षेत्रों का नियोजित विकास सुनिश्चित करने का निर्णय लिया है। इसके लिये पर्यटन की नई नीतियाँ निर्धारित की गई हैं। श्री शर्मा ने कहा कि अगले वर्ष से संस्कृति एवं पर्यटन विभाग संयुक्त रूप से पचमढ़ी उत्सव आयोजित करेंगे।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि पचमढ़ी उत्सव को प्रदेश के संस्कृति कैलेण्डर में शामिल किया जायेगा। उन्होंने बताया कि पचमढ़ी उत्सव में प्रदेश के स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित वस्तुओं के विक्रय के लिये मंच प्रदान किया गया है। इस प्रयास से उत्सव में शामिल कलाकार और पर्यटक प्रदेश की हस्तशिल्प तथा अन्य विधाओं से परिचित हो सकेंगे। पचमढ़ी उत्सव में प्रतिदिन फोटोग्राफी, डांस, सिगिंग, पेंटिंग आदि प्रतियोगिताएँ हुईं। फायनल राउंड के बाद सभी प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया।

एग्री स्टार्ट-अप्स को संरक्षण देगी राज्य सरकार : कृषिमंत्री

भोपाल। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री सचिन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार एग्री स्टार्ट-अप्स को संरक्षण देगी। इसके लिये शीघ्र ही नीति निर्धारित की जाएगी। श्री यादव आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी में 'एग्री स्टार्ट-अप्स : रोल ऑफ इनोवेशन एण्ड टेक्नोलॉजी इन को-ऑपरेटिव डेवलपमेंट इन इंडिया' कार्यशाला का शुभारंभ कर रहे थे। उन्होंने युवाओं का आव्हान किया कि रोजगार मांगने वाले नहीं, रोजगार प्रदान करने वाले बनें।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि अब जोत का आकार छोटा हो गया है। इसलिये एफपीओ (फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन) निर्मित कर संगठित कृषि की ओर बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को बाजार से जोड़ना, उत्पाद को बाजार मुहैया कराना, उचित मूल्य दिलाना, लागत मूल्य कम करना, ऑर्गेनिक उच्च गुणवत्ता की खाद्य सामग्री का उत्पादन, वेल्यूएडिशन आदि क्षेत्रों में नवाचार और नवीन तकनीक का अधिकाधिक उपयोग आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सहकारी समितियों को जल्दी ही ऑनलाइन किया जा रहा है।

राष्ट्रीय सहकारिता प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली के सचिव श्री मोहन कुमार मिश्रा ने कहा कि अगला वर्ष एग्री स्टार्ट-अप्स का वर्ष है। इसके माध्यम से तकनीकी ज्ञान किसान तक पहुँचेगा, जो उसकी उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेगा। कार्यशाला में निदेशक राज्य सहकारी प्रबंधन संस्थान, श्री टी.जी. षडाक्षरी और विषय-विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को विषयानुसार मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यशाला में आयुक्त सहकारिता श्री एम.के. अग्रवाल, नाबार्ड के महाप्रबंधक श्री डी.एस. चौहान उपस्थित थे।

जड़ी-बूटियों पर रिसर्च के लिये फण्ड बनाएँ : डॉ. सिंह

भोपाल। सहकारिता मंत्री डॉ. गोविंद सिंह के मुख्य आतिथ्य, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्री आरिफ अकील की अध्यक्षता, जनसम्पर्क मंत्री श्री पी.सी. शर्मा और अध्यक्ष राज्य वनोपज संघ श्री वीरेन्द्र गिरि गोस्वामी के विशिष्ट आतिथ्य में भोपाल के लाल परेड ग्राउण्ड पर अंतर्राष्ट्रीय हर्बल वन मेला शुरू हुआ। वन विभाग और राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा आयोजित वन मेले में देश-प्रदेश, भूटान और नेपाल के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। पाँच दिवसीय मेले में निःशुल्क चिकित्सीय परामर्श शिविर, और क्रेता-विक्रेता सम्मेलन होगा।

सहकारिता मंत्री डॉ. गोविंद सिंह ने कहा कि हमारे देश में हजारों वर्ष से जड़ी-बूटियों से इलाज की परम्परा रही है। आयुर्वेद की विदेशों और देश में पुनः बढ़ती लोकप्रियता उसकी विश्वसनीयता को सुदृढ़ करती है। उन्होंने हर्बल मेले के माध्यम से जन-जागरूकता के प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि लघु वनोपज संघ जड़ी-बूटियों के रिसर्च के लिये फण्ड स्थापित करे। डॉ. सिंह ने कहा कि हजारों वर्ष पूर्व हमारे देश में धनवंतरी की चिकित्सा विधि और सुश्रुत की शल्य-चिकित्सा विद्यमान थी। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन सिंह ने राज्य लघु वनोपज संघ की स्थापना कर वनोपज संग्राहकों को बिचौलियों के चंगुल से मुक्त करने का नेक काम किया। डॉ. सिंह ने आदिवासियों के भोलेपन का जिक्र करते हुए कहा कि संघ की स्थापना के पहले आदिवासी मात्र आधा किलो अनाज के बदले बिचौलियों को 2-3 किलो चिरोंजी दे दिया करते थे।

गैस त्रासदी मंत्री श्री आरिफ अकील ने कहा कि भोपालवासियों को सालभर हर्बल मेले का इंतजार रहता है। उन्होंने मेले में भाग लेने वाली विभिन्न आयुर्वेदिक कम्पनियों और वैद्यों से गैस पीड़ित मरीजों की किडनी, ह्रदय आदि से जुड़ी बीमारियों के इलाज पर ध्यान देने का अनुरोध किया। जनसम्पर्क मंत्री श्री पी.सी. शर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में वनोपज किसानी के साथ आमदनी का एक अतिरिक्त साधन है। वन में रहने वाले आदिवासियों की आय बढ़ने से प्रदेश की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। अपर मुख्य सचिव श्री ए.पी. श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ. यू. प्रकाशम, प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ श्री एस.के. मण्डल, विधायक श्री सुरेन्द्र सिंह शेरा, संघ के संचालक मण्डल के सदस्य, बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी, वन समितियों के सदस्य और नागरिक उपस्थित थे।

किसानों का संबल बनेंगी खाद्य प्र-संस्करण इकाइयाँ

देवास। केन्द्रीय खाद्य प्र-संस्करण उद्योग मंत्री श्रीमती हरसिमरत कौर बादल ने देवास जिले में स्टील साइलो युक्त 52 एकड़ में निर्मित अवंति मेगा फूड पार्क का शुभारंभ किया। देवास जिले के प्रभारी उच्च शिक्षा तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री जीतू पटवारी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। केन्द्रीय खाद्य प्र-संस्करण उद्योग राज्य मंत्री श्री रामेश्वर तेली, सांसद श्री महेन्द्र सोलंकी, पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजय सिंह, पूर्व मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक श्रीमती गायत्री राजे पवार, श्री मनोज चौधरी तथा रघुनाथ मालवीय उपस्थित थे।

मंत्री श्री जीतू पटवारी ने कहा कि मेगा फूड पार्क के रूप में देवास जिले को शानदार सौगात मिली है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ये फूड पार्क अधिक उत्पादन की स्थिति में किसानों का संबल बनेंगे। किसानों को यहाँ उनके उत्पादों की अच्छी कीमत मिलेगी। श्री पटवारी ने कहा कि जब फसलों का उत्पादन अधिक होता है, तो किसानों को अपनी उपज सस्ते दामों में बेचनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि खाद्य प्र-संस्करण और भण्डारण की सुविधा मिलने से किसान अब अपनी उपज का भण्डारण कर वैल्यू एडिशन के माध्यम से उसे अधिक दामों पर बेचकर ज्यादा कमाई कर पाएंगे। श्री पटवारी ने कहा कि राज्य शासन विकास के कार्यों में हर प्रकार से सहयोग करने के लिए कटिबद्ध है।

केन्द्रीय मंत्री श्रीमती हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि खाद्य प्र-संस्करण से किसान अपनी उपज में मूल्य वृद्धि करके आमदनी दोगुना करने में सफल होंगे। श्रीमती कौर ने कहा कि यह उद्योग न केवल किसानों की आमदनी को बढ़ाने में सहायक है बल्कि क्षेत्र के युवाओं को भी बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराने में भी मददगार होगा। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में 2 नये फूड पार्क खरगोन और देवास में शुरू किए गए हैं।

खरगोन जिले में 36270 किसानों के ऋण माफ होंगे

खरगोन। लोक निर्माण मंत्री श्री सज्जन सिंह वर्मा ने अपने प्रभार के जिले खरगोन में जिला योजना समिति की बैठक ली। चिकित्सा शिक्षा, आयुष और संस्कृति मंत्री डॉ. विजयलक्ष्मी साधौ बैठक में शामिल हुईं। मंत्रीद्वय ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि कृषि विकास और किसान-कल्याण की योजनाओं का प्रभावी तरीके से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाये। किसानों को उनकी समयबद्ध आवश्यकता के हिसाब से बिजली प्रदाय की जाये। यूरिया के रैक्स सीधे ग्रामीण संस्थाओं में भेजे जायें। अति-वृष्टि से प्रभावित किसानों को राज्य सरकार द्वारा दी गई राहत राशि को अन्य ऋण योजनाओं में समायोजित नहीं किया जाये।

प्रभारी मंत्री श्री वर्मा ने जय किसान फसल ऋण माफी योजना की समीक्षा करते हुए बताया कि योजना के प्रथम चरण में खरगोन जिले के 66 हजार 513 पात्र किसानों के ऋण माफ किये गये हैं। उन्होंने कहा कि योजना के द्वितीय चरण में 36 हजार 270 किसानों के ऋण माफ किये जायेंगे। श्री वर्मा ने बताया कि द्वितीय चरण में ऋण माफी की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। मंत्री डॉ. साधौ ने कहा कि पूरे प्रदेश में सबसे अधिक खरगोन जिले के किसानों के ऋण माफ किये गये हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन किसानों के ऋण माफ हुए हैं, उनके नाम की सूची ग्राम पंचायतों और संबंधित संस्थाओं में चस्पा कराई जाये।

बैठक में विधायक श्री रवि जोशी, श्री केदार डाबर, श्री सचिन बिरला और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री श्री वर्मा और डॉ. साधौ खरगोन जिले के ग्राम लालखेड़ा में आयोजित आपकी सरकार-आपके द्वार शिविर में शामिल हुए।

जय किसान फसल ऋण माफी योजना के द्वितीय चरण की शुरूआत हुई गाडरवारा में

4378 किसानों को 33 करोड़ की राशि हुई हस्तांतरित

गाडरवारा (नरसिंहपुर)। मप्र शासन की कल्याणकारी जय किसान फसल ऋण माफी योजना के अंतर्गत द्वितीय चरण के तहत गाडरवारा में विधानसभा अध्यक्ष श्री नर्मदा प्रसाद प्रजापति के मुख्य आतिथ्य में किसानों को किसान सम्मान पत्र/ ताम्रपत्र तथा फसल ऋण माफी पत्र के वितरण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मंत्री श्री सचिन सुभाष यादव व वित्त, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री तरूण भनोत विशिष्ट अतिथि, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सुरेश पचौरी, राज्यसभा सांसद श्री विवेक तन्खा, पूर्व सांसद श्री रामेश्वर नीखरा व मप्र राज्य लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र गिरी गोस्वामी विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम में विधायक तेंदूखेड़ा श्री संजय शर्मा, प्रशासक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित नरसिंहपुर श्री मैथिलीशरण तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संदीप पटैल व पूर्व विधायक श्री दीनदयाल ढिमोले, श्री सुनील जायसवाल, श्री लाखन सिंह पटैल, चौ. चंद्रशेखर साहू, श्री प्रदीप पटैल, श्री सुरेन्द्र पटैल (मंझले भैया), श्री दिनेश जैन आदि की गरिमामय उपस्थिति थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक गाडरवारा श्रीमती सुनीता पटैल द्वारा की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री प्रजापति ने कहा कि कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ ने जो कर्जमाफी का वचन किसानों को दिया था वह पूरा किया जा रहा है। नरसिंहपुर जिले से किसानों की ऋण माफी के दूसरे चरण की शुरूआत आज हो रही है, जिसमें 50 हजार रूपये से लेकर एक लाख रूपये तक का कर्जा माफ किया जा रहा है।

कृषि मंत्री श्री यादव ने कहा कि किसानों की पीढ़ा को सरकार ने समझा है और उन्हें इस संकट से निकालने की पहल मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ द्वारा की गई। शपथ ग्रहण के कुछ घंटे बाद ही उन्होंने अपना वचन वर्तमान चुनौतियों के बाद भी निभाया है। योजना चरणबद्ध तरीके से लागू की गई है। प्रथम चरण में जिन किसानों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाया, उनके लिए सभी बैंकों को निर्देशित किया गया है कि खाते संबंधी कमियों को दूर कर लाभ दिलाया जाये। गन्ने की सर्वाधिक खेती नरसिंहपुर जिले में की जाती है, इसके लिए गन्ना कृषकों के साथ परामर्श कर नीति निर्धारण कर कृषकों की समस्याएं दूर की जायेंगी।

जय किसान फसल ऋण माफी योजना अंतर्गत नरसिंहपुर जिले की गाडरवारा तहसील में द्वितीय चरण हेतु 4581 कृषकों के खाते में 33.75 करोड़ रूपये स्वीकृत किया गया है, जिसमें 50 हजार रूपये से एक लाख रूपये तक के कुल 4378 किसानों को 32.85 करोड़ रूपये हस्तांतरित किया गया है। जिला सहकारी बैंक के 2765 कृषकों को 20.53 करोड़ रूपये एवं राष्ट्रीयकृत बैंकों में 1613 कृषकों के खाते में 12.32 करोड़ रूपये स्थानांतरित कर लाभांवित कराया गया है।

मुरैना में इफको रबी संगोष्ठी

मुरैना। वर्ष 2020 को मुरैना जिले में अंधत्व मुक्त वर्ष के रूप में मनाया जायेगा। यह उद्‌गार श्री नरेन्द्र सिंह तोमर कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री, भारत सरकार ने मुरैना में इफको के तत्वावधान में आयोजित नेत्र सुरक्षा शिविर और रबी फसल संगोष्ठी में व्यक्त किये। इस अवसर पर लगभग 1000 किसान उपस्थित थे। कार्यक्रम में इफको के प्रबंध निदेशक डॉ. उदयशंकर अवस्थी, विपणन निदेशक श्री योगेन्द्र कुमार, इफको ट्रस्ट के निदेशक श्री अरुण सिंह तोमर, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता, पूर्व मंत्री श्री रुस्तम सिंह, श्री मुंशीलाल, पूर्व विधायक श्री शिवमंगल सिंह तोमर, श्री गजरात सिंह सिकरवार, श्री सूबेदार रजौधा, श्री परसराम मुदगल, श्री सुनील सक्सेना, राज्य विपणन प्रबंधक इफको भोपाल, श्री एस.वी. सिंह, उप महाप्रबंधक इफको, ग्वालियर एवं कृषि सहकारिता मध्य प्रदेश शासन के अधिकारी एवं इफको के अधिकारीगण उपस्थित थे।

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
नए वर्ष की आप सभी को मंगलकामनाएँ
श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री मुकेश जैन (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)
श्री के.के. रायकवार (मुख्य कार्यपालन अधिकारी)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. खरगोन

समस्त किसान भाइयों को नए साल की
हार्दिक शुभकामनाएँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री पी.एन. गोडरिया (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)
श्री आलोक कुमार जैन (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज दर पर फसल ऋण
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. रतलाम

नववर्ष आप सभी के लिए मंगलमय हो...

किसान क्रेडिट कार्ड

कृषि यंत्र के लिए ऋण

दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)

मत्स्य पालन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

श्री बी.एल. मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्रीमती सुनीता गोठवाल
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री डी.आर. सरोठिया
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री अशोक चौहान (शा.प्र. सोमवारिया)
श्री शिवलाल चांदना (पर्य. सोमवारिया)
श्री सवाईसिंह परिहार (शा.प्र. मोहन बड़ोदिया)
श्री दिलीपसिंह यादव (पर्य. मोहन बड़ोदिया)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुनेरा, जि.शाजापुर
श्री मेहरबानसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कांजा, जि.शाजापुर
श्री कैलाश कारपेंटर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रिछोदा, जि.शाजापुर
श्री भूपेन्द्रसिंह राजपूत (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धाराखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री हुकुमसिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिल्लौद, जि.शाजापुर
श्री हरनाथसिंह चावड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दुपाड़ा, जि.शाजापुर
श्री मुन्नालाल पठान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खेरखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री राजनसिंह सोनगरा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हिरेपुरटेका, जि.शाजापुर
श्री शिवनारायण पाटीदार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गोपीपुर, जि.शाजापुर
श्री दयाराम गुर्जर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पतोली, जि.शाजापुर
श्री संजय पाठक (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. करजू, जि.शाजापुर
श्री चंदरसिंह चंद्रवंशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बरनावद, जि.शाजापुर
श्री माँगीलाल चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धीतका, जि.शाजापुर
श्री रघुनाथ सिंह (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोहना, जि.शाजापुर
श्री रामेश्वर इटावदिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धतरावदा, जि.शाजापुर
श्री विष्णुप्रसाद वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. देहरीपाल, जि.शाजापुर
श्री अब्दुल गफ्फार खाँ मंसूरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिजाना, जि.शाजापुर
श्री नरेन्द्रसिंह गुर्जर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सारसी, जि.शाजापुर
श्री दीपक चंद्रवंशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मो. बड़ोदिया, जि.शाजापुर
श्री शौकीन खाँ (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

बैंकों को सुदृढ़ बनाने के लिए कमर कसें : अशोक सिंह

भोपाल। अपेक्स बैंक के प्रशासक श्री अशोक सिंह ने मध्यप्रदेश के समस्त शाखा प्रबंधकों की भोपाल के सुभाष यादव भवन में बैठक ली जिसमें शाखाओं को ऋण वितरण, संस्थागत एवं व्यक्तिगत डिपॉजिट, ग्राहकों की संख्या के साथ बैंकिंग के हर पहलू पर सहज रूप से चर्चा करते हुए निर्देश दिये कि आप लोगों की हर परेशानी में बैंक के मुखिया होने के नाते मैं आपके साथ खड़ा हूँ लेकिन बैंक की कार्यप्रणाली को वर्तमान प्रतिस्पर्द्धा के युग में सुदृढ़ बनाने की दिशा में आपको कमर कसकर ईमानदारी से प्रयास करना होंगे।

उन्होंने कहा कि आप सभी से मेरी यह अपेक्षा है कि अपने अंतर्मन से संकल्प लेकर आप लोग अपने जिलों में जाइये और लोगों से व्यक्तिगत संपर्क कर अपने स्टाफ के साथ स्नेहपूर्ण व्यवहार करके अपनी शाखा का व्यक्तिगत डिपॉजिट बढ़ाने तथा ऋण का अधिक से अधिक वितरण करने की दिशा में आवश्यक पहल प्रारंभ करें। उन्होंने पुराने के साथ नए ऋण प्रकरणों के एनपीए होने पर गहन चिंता व्यक्त करते हुए निर्देश दिये कि जन अधिकारी-कर्मचारी ने जिस शाखा में एनपीए वाले प्रकरण स्वीकृत किये थे, उन्हें ही विशेष रूप से उस ऋण प्रकरण की वसूली हेतु उक्त शाखा में भेजा जाए ताकि वे अपनी कार्यकाल के दौरान स्वीकृत किये गये उक्त ऋण की वसूली में अहम भूमिका का निर्वाह कर सकें।

बैंक के प्रबंध संचालक श्री प्रदीप नीखरा ने बैंक के डिपॉजिट, ऋण वितरण एवं एनपीए की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि बैंक की प्रगति की दिशा में शाखा प्रबंधक द्वारा हरसंभव सकारात्मक प्रयास किये जाना चाहिये। विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी बैंकिंग परिचालन श्री यतीश त्रिपाठी ने निर्देश दिये कि बैंक को सुदृढ़ बनाने की दिशा में ईमानदारी और समर्पण भाव से काम करना आवश्यक है। आप सभी लोग नियमित योजनाबद्ध रूप से इस दिशा में प्रयास आरंभ करें। बैठक का संचालन सहायक महाप्रबंधक श्री उमेश राहंगडाले ने किया।

ऋण दाता 12% ब्याज सहित कर सकते हैं ऋण जमा

मन्दसौर। उप पंजीयक एस.के. सिंह सहकारी संस्थान मंदसौर द्वारा बताया गया कि सरकारी संस्थानों के माध्यम से दिए जाने वाले ऋण के संबंध में न्यायालय ने विशेष निर्णय लिए हैं। ऐसे ऋण दाता जिनका सहकारी सोसायटीओं से ऋण लेने से पूर्व ब्याज प्रतिशत के संबंध में जो अनुबंध होता है।

अनुबंध के पश्चात ऐसे ऋण दाता जो ऋण चुका नहीं पाते हैं। वह ऋण दाता डिफाल्टर बन जाता है, ऋण दाता का प्रकरण उप पंजीयक सहकारी संस्था न्यायालय में पहुंचने के पश्चात उस ऋण दाता को सिर्फ 12% ब्याज चुकाना होगा। चाहे अनुबंध 18 या 20% से हुआ हो, प्रकरण न्यायालय में जाने के पश्चात ऋण दाता को ब्याज के प्रतिशत से छूट प्रदान की गई है। इस छूट से ऋण दाता को राहत मिलेगी एवं प्राइवेट संस्थान जो ऋण प्रदान करती है। उनके शोषण का शिकार नहीं हो पाएगी।

आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर में हजारों लोगों ने लाभ लिया

भोपाल। स्वस्थ जीवन ईश्वर का सबसे बड़ा उपहार है। इस उपहार को सुरक्षित बनाए रखना मनुष्य की बड़ी जिम्मेदारी है। इसे हम नियमित दिनचर्या, सही खानपान और मर्म चिकित्सा से भी स्वस्थ बना सकते हैं। यह बात सहकारिता आयुक्त श्री एम.के. अग्रवाल ने सहकारिता विभाग और अपेक्स बैंक द्वारा आयोजित मर्म चिकित्सा शिविर में कही। इस शिविर का आयोजन अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज में किया गया जिसमें 252 रोगियों का पंजीयन कर उनका उपचार किया गया। उपचार के बाद लोगों ने कहा कि शिविर का लाभ लेने के बाद उन्हें बहुत आराम महसूस हो रहा है। शिविर में अन्य विभाग के लोगों ने भी उपचार कराया। आयुर्वेद एमडी डॉ. धर्मेन्द्र कुमार रिछारिया एवं डॉ. स्वर्णिमा रिछारिया जैसे योग्य चिकित्सकों द्वारा शिविर में उपचार किया गया। इस उपचार पद्धति से डॉ. रिछारिया ने अब तक 7 हजार से अधिक लोगों का सफल उपचार किया है।

डॉ. धर्मेन्द्र रिछारिया ने कहा कि मर्म चिकित्सा आयुर्वेद की चिकित्सा है जो कि शरीर के 107 संवेदनशील स्पर्श बिंदुओं के उपयोग पर आधारित है। इस चिकित्सा पद्धति में रोगी की मूल प्रकृति को जानकर उपचार किया जाता है।

मुख्य अतिथि श्रीमती नंदिनी मोहन्ती ने डॉ. धर्मेन्द्र रिछारिया एवं डॉ. स्वर्णिमा रिछारिया का सम्मान किया। शिविर का प्रबंधन करने वाले सहकारिता विभाग एवं अपेक्स बैंक अधिकारियों-कर्मचारियों को भी प्रशंसा पत्र प्रदान किये गये। इस अवसर पर सर्वश्री अजय दीक्षित, आर.सी. घिया, अनिल वर्मा, ब्रजेश शुक्ला सहित अनेक अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री प्रदीप नीखरा ने डॉक्टर दम्पति को पुनः इस प्रकार के शिविर लगाने का अनुरोध किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शीलू अस्थाना एवं उपायुक्त सहकारिता श्री प्रेम द्विवेदी ने किया। अंत में अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य श्री आर.पी. हजारी ने सबका आभार व्यक्त किया।

उद्यानिकी फसल बीमा योजनान्तर्गत प्रचार वाहन रवाना

आगर मालवा। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत रबी सीजन हेतु किसान बंधु उद्यानिकी फसलों का मौसम आधारित फसल बीमा 31 दिसंबर तक करवा सकते है। उद्यानिकी फसल बीमा हेतु प्रचार वाहन को मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर से उप संचालक उद्यान अंतरसिंह कन्नौजी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। प्रचार वाहन जिले के चारों विकास खडों के गांवों में भ्रमण कर किसानों को उद्यानिकी फसल बीमा योजना की जानकारी देगा। इस अवसर एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कम्पनी के जिला प्रबंधक राजेन्द्र सिंह सिकरवार सहित अन्य मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि जिले के किसान उद्यानिकी फसलों के तहत टमाटर, बैंगन, फूल गोभी, पत्ता गोभी, प्याज, लहसुन, धनिया, आलू, हरी मटर, आम आदि फसलों का बीमा 31 दिसम्बर तक पास की बैंक शाखा या ग्राहक सुविधा केंद्र के माध्यम से करवा सकते हैं।बीमा करवाने के इच्छुक किसान बंधु को अपने साथ भू अधिकार पुस्तिका, पूर्णतः भरा हुआ आवेदन पत्र, पहचान पत्र जैसे (राशन कार्ड ,आधार कार्ड, पैन कार्ड), फसल बुवाई प्रमाण पत्र (पटवारी अथवा ग्राम पंचायत का), बैंक पासबुक की छाया प्रति ले जाना आवश्यक होगा। योजना के बारे में अधिक जानकारी के लिए दूरभाष नम्बर 18002660700 पर सम्पर्क कर सकते है।

इंदौर दुग्ध संघ के निर्विरोध अध्यक्ष बने मोतीसिंह पटेल

इंदौर। इंदौर सहकारी दुग्ध संघ के अध्यक्ष पद पर कांग्रेस का कब्जा हो गया है। सांची दुग्ध संघ मांगलिया के किसान भवन में हुई बैठक के दौरान संचालक मंडल द्वारा कांग्रेस के मोतीसिंह पटेल को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। इसके लिए कांग्रेस के एक दर्जन से अधिक बड़े नेताओं ने मध्यस्थता की। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ए.एन. द्विवेदी भी मौजूद थे। कांग्रेस में ही अध्यक्ष पद के दूसरे दावेदार देवास के तंवरसिंह चौहान को म.प्र. राज्य को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लि. भोपाल का प्रशासक नियुक्त किया गया। उन्होंने 20 दिसंबर को अपना पदभार भी ग्रहण कर लिया।

मोतीसिंह पटेल

पिछले दिनों संचालक मंडल के हुए चुनाव में 12 में 10 प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए थे। 11 दिसंबर को दो पदों के लिए हुए चुनाव में भी एक पद पर मोतीसिंह पटेल जीते थे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इस चुनाव की जवाबदारी देपालपुर विधायक विशाल पटेल एवं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सदाशिव यादव को सौंपी थी। शहर कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष विनय बाकलीवाल एवं प्रदेश सचिव राजेश चौकसे को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया था। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. धार के प्रशासक कुलदीपसिंह बुंदेला, कांग्रेस नेता अनिल यादव, अमन बजाज, अफसर पटेल और अमित चौरसिया पूरे समय समन्वय में जुटे रहे। दुग्ध संघ पर 13 साल से भाजपा का कब्जा था। मप्र में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद दुग्ध संघ के अध्यक्ष पद पर कांग्रेस अपना कब्जा चाहती थी। इसके चलते प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मोतीसिंह को अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया था।

संचालक मंडल : सर्वश्री तँवरसिंह चौहान, विक्रम हीरालाल मुकाती, रामेश्वर गुर्जर, कृपालसिंह उमरावसिंह, प्रहलाद अनोपसिंह, रामेश्वर दूलाजी, राजेन्द्रसिंह दरबारसिंह, जगदीश मोतीलाल जाट, सुरेश शंकरसिंह पटेल, किशोर रूपाजी परिहार, महेन्द्र रामदास चौधरी

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान भाइयों को नूतन वर्ष की हार्दिक बधाइयाँ
समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज दर पर फसल ऋण
श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री एस.के. सिंह (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)
श्री एस.के. भारद्वाज (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से
श्री मकबूल हुसैन (शा.प्र. दलोदा)
श्री अरविंद रावल (शा.प्र. भावगढ़)
श्री अरुण शर्मा (पर्य. भावगढ़)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. धुंधड़का, जि. मंदसौर
श्री एन.आर. मालवीय (प्रशासक)
श्री नंदकिशोर धाकड़ (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. कुचड़ोद, जि. मंदसौर
श्री एन.आर. मालवीय (प्रशासक)
श्री वीरेन्द्रसिंह सिसोदिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. एलची, जि. मंदसौर
श्री विनयशंकर मालवीय (प्रशासक)
श्री नरेन्द्र जैन (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. भावगढ़, जि. मंदसौर
श्री रविन्द्र शर्मा (प्रशासक)
श्री अरुण शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. रातीखेड़ी, जि. मंदसौर
श्री एन.आर. मालवीय (प्रशासक)
श्री सुरेशजी शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. अमलावद, जि. मंदसौर
श्री विनयशंकर मालवीय (प्रशासक)
श्री नंदलाल धनगर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बहेपुर, जि. मंदसौर
श्री रविन्द्र शर्मा (प्रशासक)
श्री अरुण शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. कचनार, जि. मंदसौर
श्री एन.आर. सोलंकी (प्रशासक)
श्री सुरेशजी धाकड़ (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. निम्बोद, जि. मंदसौर
श्री विनयशंकर मालवीय (प्रशासक)
श्री चतुर्भुज परिहार (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. नांदवेल, जि. मंदसौर
श्री रविन्द्र शर्मा (प्रशासक)
श्री अरुण शर्मा (प्रबंधक)
समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

नए साल में आईएएस-आईपीएस को मिलेगी सौगात

भोपाल। नया साल भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अफसरों के लिए कई सौगातें लेकर आएगा। 1996 बैच के आईएएस अफसरों को प्रमुख सचिव और 2004 बैच के आईएएस को सचिव पद पर प्रमोशन मिलगा। वहीं 2007 बैच के अफसर अपर सचिव बन सकेंगे। आईपीएस में 1995 बैच से आईजी से एडीजी, 2003 बैच से डीआईजी से आईजी और 2006 बैच से एसपी से डीआईजी पद पर प्रमोशन के लिए डीपीसी होगी। वहीं 1987 बैच से एडीजी से डीजी के लिए डीपीसी हो चुकी है। प्रमोशन के आदेश नए साल में निकलेंगे।

इन्हें मिलेगा प्रमोशन

1996 बैच : आईएएस को 25 साल की सेवा पर प्रमुख सचिव पद पर प्रमोशन मिलता है लेकिन 25 साल की सेवा पूरी करने वाले पात्र अफसरों की कमी के कारण जीएडी ने 24 साल की सेवा पूरी करने वाले अफसरों को प्रमोशन देने की तैयारी कर ली है। इसके तहत पहले डीओपीटी से मंजूरी ली जाएगी। इसमें प्रमुख सचिव पद पर प्रमोशन के लिए 1995 बैच की बारी है। प्रमोशन के लिए पात्र इसके एकमात्र अफसर सचिन सिन्हा फिलहाल दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर हैं। इसलिए 1996 बैच के अफसरों को मौका मिलेगा। इससे 1996 बैच के डीपी आहूजा, नीतेश व्यास, फैज अहमद किदवई, संजीव कुमार झा, अमित राठौर, उमाकांत उमराव और केरोलिन खोंगवार देशमुख सचिव से प्रमुख सचिव बन सकेंगे।

2004 मैच : 16 साल की सेवा पूरी करने वाले आईएएस को सचिव पद पर प्रमोशन मिलेगा। इसमें 2004 बैच के रघुराज एमआर व जे. किंग्सली पात्रता रखते हैं। दोनों म.प्र. से बाहर पदस्थ हैं। इसलिए इनके बाद वाले अफसर लोकेश जाटव, अजय गंगवार, डी.बी. सिंह, अरुणा गुप्ता, अशोक कुमार वर्मा, रविन्द्र सिंह, पतिराम कतरोलिया और अमरसिंह बघेल अपर सचिव से सचिव बनेंगे।

2007 बैच : 13 साल की सेवा पूरी करने वाले आईएएस अपर सचिव बन सकेंगे। इसमें श्रीमन शुक्ला, स्वतंत्र कुमार सिंह, शशांक मिना, डॉ.रामाराव भोंसले, राजेश कौल, ओ.पी.श्रीवास्तव, अभय कुमार वर्मा, दीपक सिंह, बेलादेवर्षि शुक्ला, संजय गुप्ता, मंजू शर्मा और श्रीकांत पांडे को प्रमोशन का अवसर मिलेगा।

पं. मैथिलीशरण तिवारी नरसिंहपुर बैंक के प्रशासक बने

नरसिंहपुर। जिला कांग्रेस के अध्यक्ष किसान नेता पं. मैथिलीशरण तिवारी अब जिले की सहकारिता के सिरमौर बन गए हैं। उन्होंने सहकारी बैंक नरसिंहपुर के प्रशासक के बतौर पदभार ग्रहण कर लिया। समारोह के दौरान सहकारिता क्षेत्र में 40 वर्षों से अपनी सेवाएँ देने वाले सहकारी बैंक के पूर्व वरिष्ठ संचालक श्री संतराम प्रजापति एवं कृषि कर्मण अवार्ड से सम्मानित सी.एस. तिवारी ने पं. तिवारी का सम्मान किया। श्री प्रजापति ने संबोधित करते हुए कहा कि नकारात्मकता से दूर सकारात्मकता से ही जिले का विकास संभव है। मैं पं. तिवारी को सम्मानित कर स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। वित्तमंत्री श्री तरुण भनोत ने पं. तिवारी को भरोसा दिलाया कि प्रदेश सरकार सहकारिता क्षेत्र की प्रगति के लिए हरसंभव सहयोग करेगी। कृषिमंत्री श्री सचिन यादव ने कहा कि उनके पिता स्व. सुभाष यादव और पं. तिवारी ने वर्षों साथ रहकर सहकारिता क्षेत्र की प्रगति के लिए काम किया है। प्रदेश सरकार सहकारिता क्षेत्र की प्रगति के लिए संकल्पित है। इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सुरेश पचौरी, राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा ने भी संबोधित किया। पं. मैथिलीशरण तिवारी ने सहकारिता के भीष्म पितामह आनंद नारायण मुशरान, राजनीतिक गुरु एवं पूर्व वित्तमंत्री कर्नल अजय मुशरान और सहकारिता के पुरोधा स्व. सुभाष यादव को याद करते हुए कहा कि जिस प्रकार जनप्रतिनिधियों, नेताओं की सहमति से मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं सहकारिता मंत्री डॉ. गोविंद सिंह ने मुझ पर विवास जताया है उसे वे कायम रखेंगे और सभी के सहयोग से किसानों के हितों के लिए काम करेंगे।

सहकारिता मंत्री डॉ. गोविन्द सिंह ने सहकारी बैंकों में साइबर सुरक्षा कार्यशाला में कहा

बैंकिग क्षेत्र में साइबर सुरक्षा का ज्ञान जरूरी : गोविंदसिंह

भोपाल। सहकारिता मंत्री डॉ. गोविन्द सिंह ने कहा है कि बैंकिंग क्षेत्रों में साइबर सुरक्षा का ज्ञान बहुत जरूरी है। आज के दौर में न केवल बिना पढ़े लिखे बल्कि पढ़े लिखे व्यक्ति भी साइबर क्राइम के शिकार हो रहे हैं। विशेष रूप से बैंकिंग क्षेत्र में आए दिन ऑनलाइन ठगी की घटनाएं होती रहती हैं। समुचित जानकारी एवं सतर्कता से इनसे बचा जा सकता है। बैंकों का दायित्व है कि वे न केवल साइबर क्राइम से स्वयं को सुरक्षित रखें अपितु उचित जानकारी प्रदान कर ग्राहकों को भी इससे बचाएं। डॉ. गोविन्द सिंह आज अपैक्स बैंक में सहकारी बैंकों के लिए साइबर क्राइम विषय पर आयोजित एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

डॉ. सिंह ने इस प्रकार की कार्यशालाओं के आयोजन की महत्ता बताते हुए कहा कि न केवल राज्य स्तर अपितु जिला सहकारी बैंकों एवं प्राथमिक साख सहकारी समितियों के स्तर पर भी इस प्रकार की कार्यशालाएं आयोजित की जानी चाहिएं। कार्यशाला को जनसम्पर्क एवं विज्ञान प्रोद्योगिकी मंत्री श्री पी.सी. शर्मा, अपैक्स बैंक के प्रशासक श्री अशोक सिंह, आयुक्त सहकारिता डॉ. महेश अग्रवाल तथा अपैक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री प्रदीप नीखरा आदि ने भी संबोधित किया। संचालन प्रबंधक श्री विनोद श्रीवास्तव ने किया। कार्यशाला में नाबार्ड, अपैक्स बैंक, सहकारिता विभाग के अधिकारी एवं विषय विशेषज्ञ उपस्थित थे।

किसानों का दल होशंगाबाद रवाना

इंदौर। इंदौर जिले के किसानों को आधुनिक खेती की जानकारी उपलब्ध कराने के लिये 25 किसानों का दल तीन दिवसीय भ्रमण पर होशंगाबाद रवाना किया गया। इस दल में इंदौर जिले के सांवेर विकासखंड के ग्राम गारी पिपल्या और आसपास के किसान शामिल है। उप संचालक कृषि श्री विजय चौरसिया ने बताया कि यह दल आज रवाना किया गया और 28 दिसम्बर को वापस आयेगा। दल के सदस्य होशंगाबाद और हरदा में कृषि विज्ञान केन्द्र का भ्रमण करेंगे। साथ ही वे कृषक प्रशिक्षण केन्द्र पंवार खेड़ा भी जायेंगे। किसान हरदा और होशंगाबाद जिलों के प्रगतिशील कृषकों से चर्चा करेंगे। उनके द्वारा की जा रही गेहूं और अन्य उन्नत खेती के बारे में जानकारी लेंगे। अपने भ्रमण के दौरान वे आधुनिक खेती के तोर तरीके भी सिखेंगे, जिससे की वे कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सके।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में अन्तर्विभागीय समिति गठित

भोपाल। राज्य शासन ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में अन्तर्विभागीय समिति का गठन किया है। यह समिति मुख्यमंत्री बागवानी एवं खाद्य प्र-संस्करण योजना के नीतिगत निर्णय के अधीन सभी ऑपरेशनल बिन्दुओं पर निर्णय लेने के लिये सक्षम होगी। समिति मध्यप्रदेश राज्य औद्योगिक एवं भूमि, भवन नियम प्रबंधन 2015 में ऐसे समस्त संशोधनों का अनुमोदन कर सकेगी, जो उद्यानिकी क्लस्टर के लिए आवश्यक होगा। समिति में प्रमुख सचिव उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण, प्रमुख सचिव वित्त, प्रमुख सचिव ऊर्जा, प्रमुख सचिव कृषि, प्रमुख सचिव उद्योग नीति एवं निवेश प्रोत्साहन को सदस्य मनोनीत किया गया है। आयुक्त उद्यानिकी समिति के सदस्य सचिव होंगे।

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण	दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

कृषक बंधुओं को 0% ब्याज पर फसल ऋण

किसान भाइयों को नूतन वर्ष की हार्दिक बधाइयाँ

सुश्री निधि निवेदिता (कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक)

श्री आर.आर. सिंह (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री आर.एस. गौर (उपायुक्त सहकारिता)

श्री अनूप जैन (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री मेहताबसिंह राजपूत (शा.प्र. तलेन)

श्री प्रेमसिंह हाड़ा (शा.प्र. बोड़ा)

श्री रामप्रसाद राठौर (शा.प्र. छापीहेड़ा)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तुर्कीपुरा, जि.राजगढ़
श्री नरेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढाबला, जि.राजगढ़
श्री प्यारेलाल वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नाहली, जि.राजगढ़
श्री सीता कुम्भकार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मंडावर, जि.राजगढ़
श्री उत्तम कुमार भानेरिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. इकलेरा, जि.राजगढ़
श्री चित्रभान राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सूकली, जि.राजगढ़
श्री उत्तम कुमार भानेरिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बावड़ीखेड़ा, जि.राजगढ़
श्री बिहारीलाल केशवाल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हिनोतिया, जि.राजगढ़
श्री कमलेन्द्रसिंह मकवाना (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तलेन, जि.राजगढ़
श्री विक्रमसिंह मकवाना (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. छापीहेड़ा, जि.राजगढ़
श्री फूलसिंह दांगी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. परसूखेड़ी, जि.राजगढ़
श्री विक्रमसिंह मकवाना (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ब्यावराकलां, जि.राजगढ़
श्री बद्रीलाल दांगी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पा. आंजना, जि.राजगढ़
श्री जितेन्द्र भारद्वाज (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या.मोहन , जि.राजगढ़
श्री बद्रीलाल दांगी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. टिकोद, जि.राजगढ़
श्री मंगलनाथ राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिमरोल, जि.राजगढ़
श्री राधेश्याम यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बोड़ा, जि.राजगढ़
श्री रामप्रसाद राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बामनगाँव, जि.राजगढ़
श्री जगदीश मालवीय (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. उमरी, जि.राजगढ़
श्री रामप्रसाद राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भाटखेड़ा, जि.राजगढ़
श्री शांतिलाल दांगी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भैंसाना, जि.राजगढ़
श्री प्यारेलाल वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कुआखेड़ा, जि.राजगढ़
श्री देवनारायण दांगी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

सदस्यता फॉर्म

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

नियमित अंकों सहित विशेषांक भी

सदस्यता शुल्क

480/-	850/-	9000/-
वार्षिक	द्विवार्षिक	आजीवन

नाम : ....

पिता : ....

पता : ....

....

....

पिनकोड : ....

फोन : ....

मोबाइल : ....

ई-मेल : ....

सम्पर्क करें

हरियाली के रास्ते

306/ए-ब्लॉक, शहनाई-।। रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 9752558186

सदस्यता शुल्क जमा करने हेतु बैंक अकाउंट विवरण

» खाता नाम : हरियाली के रास्ते
» बैंक : भारतीय स्टेट बैंक » शाखा : गोयल नगर
» खाता संख्या : 31450697620 » SBIN0030412
» PAN Card No. AHGPT7845K

अनुरोध : सदस्यों से अनुरोध है कि सदस्यता प्राप्त करने के बाद रसीद अवश्य प्राप्त करें।

गेहूं में कीट प्रकोप होने पर किसान सतत फसल की निगरानी रखें

उज्जैन। मौसम की प्रतिकूलता के कारण गेहूं फसल में जड़ माहू एवं अन्य भूमिजनित कीट का प्रकोप देखने में आ रहा है। किसानों को कृषि विभाग के अधिकारियों ने सलाह दी है कि वे अपनी गेहूं की फसल की सतत निगरानी रखें। फसलों की स्थिति एवं कीटव्याधि प्रकोप का निरीक्षण एवं नियंत्रण तथा तकनीकी मार्गदर्शन हेतु कृषि वैज्ञानिकों का दल का गठन किया गया है, जो समय-समय पर जिले में भ्रमण कर किसानों को सलाह दे रहे हैं।

कृषि विभाग के उप संचालक श्री सीएल केवड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि जड़ माहू कीट की पहचान किसान इस तरह करें कि यह कीट हल्के पीले रंग से गहरे पीले रंग का होता है, जो जड़ों का रस चूसता है। इसके कारण पौधे की पत्तियां सूखने लगती है। प्रभावित पौधे को उखाड़कर देखने पर जड़ माहू की जड़ों के आसपास देखी जा सकती है। अधिक तापमान इस कीट की सक्रियता बढ़ाती है। किसानों को जड़ माहू नियंत्रण के लिये सलाह दी जाती है कि वे एमिडाक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत एसएल की 200 से 250 एमएल मात्रा 400 से 500 लीटर पानी के साथ छिड़काव फसल में करें। थायोमेथोक्साम 25 प्रतिशत डब्ल्यूजी एक एमएल प्रति लीटर के मान से स्प्रे करें। एक हेक्टेयर में कम से कम 400 से 500 लीटर पानी का उपयोग करें। जहां पर जड़ सड़न एवं पत्ती सूखने की शिकायत है, वहां पर मैकोजेब एवं कार्बनडाइज्म का मिश्रण तीन ग्राम प्रति लीटर पानी के साथ स्प्रे करें तथा थोड़ा सिंचाई के अन्तराल को बढ़ायें। जिन किसानों की गेहूं की फसल में भूमिगत कीट का प्रकोप है, वहां पर खड़ी फसल में क्लोरीपाइरीफॉस 25 ईसी दवा चार लीटर प्रति हेक्टेयर सिंचाई के साथ दें। अधिक जानकारी के लिये किसान अपने क्षेत्र के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी के कार्यालय या स्वयं उनसे सम्पर्क कर सकते हैं।

रबी फसल की उत्पादकता बढ़ाने के लिये सलाह देते हुए कृषि विभाग के अधिकारियों ने कहा है कि कहीं-कहीं पर गेहूं फसल में पीलापन आने की समस्या होने की जानकारी प्राप्त हो रही है। यह उत्पादकता को प्रभावित करेगा। इसके लिये किसानों से आग्रह किया गया है कि वे रूट एफिड एवं भूमिगत कीट के प्रकोप के नियंत्रण के लिये जहां सिंचाई होने वाली है वहां तीन से चार लीटर प्रति हेक्टेयर क्लोरीपॉरीफॉस 20 ईसी तरल को सिंचाई के साथ फसल में दें। साथ ही जहां सिंचाई की व्यवस्था नहीं है, वहां पर डाइमिथोनेट डेढ़ मि.ली. पानी के माध्यम से स्प्रे करें। कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में फसल का निरीक्षण किया गया था। इसी के आधार पर विभाग द्वारा किसानों के लिये सलाह दी गई है।

ग्रामीण क्षेत्रों का विकास सरकार की प्राथमिकता

नई दिल्ली। भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का बड़ा सपना गांवों के विकास के बगैर संभव नहीं है। ग्रामीण विकास, कृषि और किसान कल्याण तथा पंचायती राज मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने मंत्रालय के राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि गांवों का विकास मोदी सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है। ग्रामीण और शहरी विकास के बीच के अंतर को पाटने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही कृषि को आर्थिक रूप से ज्यादा मुनाफे वाला बनाना जरूरी है। श्री तोमर ने इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्रालय के महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूअरबन मिशन और सभी एसआईआरडीएस का परिचालन करने वाले प्रशिक्षण विभाग में 266 लोगों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुरस्कार प्रदान किए। ये पुरस्कार विभिन्न श्रेणियों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले राज्यों, जिलों,ब्लॉकों, ग्राम पंचायतों और कर्मचारियों को प्रदान किये गए।

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
श्री जीतू पटवारी
प्रभारी मंत्रीमंत्री
मध्यप्रदेश के लाड़ले नेता
कृषिमंत्री श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की शुभकामनाएँ
किसान भाइयों से अपील
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
नूतन वर्ष की हार्दिक बधाई
श्री काशीराम बडोले
(भारसाधक अधिकारी)
श्री मोहनसिंह धापना
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
खातेगाँव, जिला देवास

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
सुश्री विजयलक्ष्मी साधौ
प्रभारी मंत्री
माननीय कृषिमंत्री
श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की
हार्दिक बधाइयाँ
किसान भाइयों से अपील
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ उठाएँ।
हम्माल तुलावटी भाई मुख्यमंत्री हम्माल तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
समस्त कृषक बंधुओं को नूतन वर्ष की हार्दिक बधाई
सुश्री अंजु जावला
(भारसाधक अधिकारी)
श्री राजेन्द्र कचोलिया
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
सेन्धवा, जिला बड़वानी

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
सुश्री विजयलक्ष्मी साधौ
प्रभारी मंत्री
कृषिमंत्री श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की शुभकामनाएँ
नूतन वर्ष की हार्दिक बधाई
किसान भाइयों से अपील
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें और उचित मूल्य मिलने पर ही अपनी उपज का विक्रय करें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
श्री वीरसिंह चौहान
(भारसाधक अधिकारी)
श्री हिम्मतसिंह जमरा
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
अंजड़, जिला बड़वानी

श्री कमलनाथ
मुख्यमंत्री
श्री तुलसीराम सिलावट
प्रभारी मंत्री
कृषिमंत्री श्री सचिन यादव को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
नूतन वर्ष की हार्दिक बधाई
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची लें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में आकर ही करें।
किसान भाई कृषि उपज साफ करके मंडी में लाएँ ताकि उचित मूल्य प्राप्त कर सकें।
श्री संजीव केशव पाण्डे
(भारसाधक अधिकारी)
श्री दिलीप नागर
(प्रभारी सचिव)
सौजन्य से : कृषि उपज मंडी समिति
खंडवा, जिला खंडवा

संभागायुक्त ने टास्क फोर्स समिति का गठन किया

इंदौर। संभागायुक्त श्री आकाश त्रिपाठी ने गृह निर्माण समितियों के माध्यम से दिये गये प्लाटों से संबंधित विभिन्न समस्याओं के प्रभावी निराकरण के लिये जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति का गठन किया है। इस समिति के मार्गदर्शन, उन्हें निर्देश देने, समिति द्वारा किये जा रहे कार्यों एवं उनके द्वारा लिये जा रहे निर्णयों के लिये उच्च स्तरीय मॉनीटरिंग कमेटी का गठन भी किया गया है। इस समिति की अध्यक्षता संभागायुक्त श्री आकाश त्रिपाठी स्वयं करेंगे।

संभागायुक्त श्री आकाश त्रिपाठी द्वारा गठित की गई जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की अध्यक्षता अपर कलेक्टर इंदौर करेंगे। इस समिति में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, अपर आयुक्त नगर निगम, उपायुक्त सहकारिता, उप संचालक नगर एवं ग्राम निवेश, चीफ इंजीनियर इंदौर विकास प्राधिकरण और कार्यपालन यंत्री मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी सदस्य रहेंगे। यह समिति गृह निर्माण समितियों से प्राप्त आवेदन पत्रों का विधि अनुसार अवलोकन एवं परीक्षण करेगी। आवेदन में प्राप्त कमियों की पूर्ति करायेगी। आवश्यकता पड़ने पर संयुक्त दल गठन कर स्थल निरीक्षण प्रतिवेदन प्राप्त करेगी। विभिन्न विभागों से समन्वय कर विधि अनुसार प्रकरणों में पूर्ति करायेगी। समिति द्वारा की गई कार्यवाही का संभागायुक्त इंदौर संभाग को पाक्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी। सम्पूर्ण कार्यवाही उपरान्त समिति की अनुशंसा सहित प्रकरण पृथक-पृथक अंतिम निराकरण हेतु संभाग स्तरीय मॉनीटरिंग कमेटी के समक्ष उपायुक्त राजस्व इंदौर संभाग इंदौर के माध्यम से प्रस्तुत करेगी।

गौरव पटेल दमोह सहकारी बैंक के प्रशासक बने

दमोह। श्री गजेन्द्रसिंह गौरव पटेल ने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक दमोह के प्रशासक का पदभार ग्रहण कर लिया है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्री पटेल ने कहा कि वे जिले में दुग्ध क्रांति लाना चाहते हैं। जिले के किसानों से दूध खरीदकर वह बड़ी कंपनियों को पहुँचाएँगे जिससे किसानों की आय बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन बनाई जाएगी जिससे किसानों की समस्याओं का तुरंत निराकरण हो सके।

श्री पटेल ने कहा कि जय किसान फसल ऋणमाफी योजना का दूसरा चरण अतिशीघ्र आरंभ किया जाएगा। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे धान केन्द्रों पर धान ले जाने के पूर्व स्वयं ही साफ-सुथरा करके मानक बना लेवें जिससे विगत खरीदी जैसी भुगतान की समस्या न बने। दमोह विधायक श्री राहुल सिंह लोधी ने कहा कि श्री कमलनाथ ने हमें युवा प्रशासक दिया है। जिला सहकारी बैंक दमोह मध्यप्रदेश में अग्रणी रहे, इसके लिए हम सबका सहयोग रहेगा। बैंक के महाप्रबंधक श्री एस.के. शुक्ला ने बैंक की स्थिति का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि सहकारिता की शुरुआत परिवार से ही होती है। बैंक के विपणन अधिकारी श्री बृजेन्द्र शर्मा ने नवनियुक्त प्रशासक एवं अन्य अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस महामंत्री श्री प्रभुसिंह ठाकुर, जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय टण्डन, सर्वश्री डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, प्रतापसिंह, हरिशंकर चौधरी सहित कई कार्यकर्ता एवं कर्मचारी मौजूद थे। संचालन श्री अनुनय श्रीवास्तव ने किया एवं आभार श्री युवराज कुसमरिया ने माना।

किसान दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री श्री हर्ष यादव

सागर। कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री हर्ष यादव ने सागर जिले के बम्होरी में कृषि विज्ञान केन्द्र में किसान दिवस पर हुए कार्यक्रम में राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। श्री यादव ने बताया कि मार्च-2020 तक प्रदेश में 25 हजार सोलर पम्प स्थापित करने का लक्ष्य है। आने वाले 3 वर्ष में 2 लाख सोलर पम्प लगाये जाएंगे।

उन्होंने बताया कि किसानों को सोलर पम्प स्थापना की सिर्फ 10 प्रतिशत राशि ही जमा करनी होती है। श्री यादव ने कहा कि रायसेन और विदिशा जिलों के किसान सोलर पम्प स्थापना के प्रति सजग और सक्रिय हैं। मंत्री श्री यादव ने कहा कि राज्य शासन किसानों के दुःख-दर्द में उनके साथ है। किसानों को बिजली और पानी की सुविधाएँ देकर समृद्ध बनाने के लक्ष्य के प्रति गंभीर है। उन्होंने बताया कि जिन स्थानों पर बाँधों का निर्माण हो सकता है, उनका सर्वे कर शीघ्र ही योजनाएँ क्रियान्वित की जाएंगी। मंत्री श्री यादव ने कहा कि किसानों को अब पारम्परिक खेती की जगह आधुनिक उपायों के साथ कृषि कार्य करना होगा, ताकि उत्पादन में वृद्धि हो और वे समृद्ध बन सकें।

दूध उत्पादों के परीक्षण के लिये अत्याधुनिक प्रयोगशाला बनेगी

भोपाल। पशुपालन एवं डेयरी विकास मंत्री श्री लाखन सिंह यादव ने कहा है कि राज्य शासन द्वारा राष्ट्रीय डेयरी विकास योजना में 13 करोड़ 20 लाख रूपये लागत की परियोजनाओं की स्वीकृति प्राप्त की गई है। इसके अलावा, दूध एवं दूध उत्पादों के परीक्षण के लिये 8 करोड़ की लागत से राज्य स्तरीय अत्याधुनिक प्रयोगशाला की स्थापना की जाएगी। श्री यादव स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन के एक वर्ष की उपलब्धियों की समीक्षा कर रहे थे।

लाखनसिंह यादव

मंत्री श्री यादव ने कहा है कि प्रदेश में क्षेत्रीय एवं ग्राम स्तरीय सहकारी डेयरी कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके प्रथम चरण में 7 हजार ग्रामीण दूध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अलावा संभाग स्तर पर भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर एवं सागर में सहकारी दूध संघ के मुख्यालय कार्यरत हैं। समितियों द्वारा प्रतिदिन संकलित 8.50 लाख किलोग्राम दूध में से 7.50 लाख लीटर दूध का विक्रय किया जा रहा है। साँची ब्रांड के अन्तर्गत 7940 वितरकों के माध्यम से घी, पेड़ा, पनीर, दूध आदि उत्पादों का विक्रय किया जा रहा है।

यूरिया वितरण की शिकायत के लिये कॉल सेंटर शुरू

भोपाल। कृषि मंत्री श्री सचिन यादव के निर्देश पर विभाग ने राज्य स्तरीय यूरिया वितरण शिकायत कक्ष स्थापित किया है। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास संचालनालय स्थित इस कक्ष के दूरभाष क्रमांक 0755-2558823 पर कार्यालयीन समय सुबह 10 से 5.30 बजे तक शिकायतें दर्ज कराई जा सकेंगी। मंत्री श्री यादव यूरिया वितरण प्रणाली पर स्वयं नजर रखे हुए हैं। कक्ष में सहायक संचालक स्तर के 13 अधिकारी की ड्यूटी लगाई गई है। यह अधिकारी दिन भर में आई शिकायतों का निराकरण करने के बाद शाम को कृषि मंत्री को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

रबी फसलों पर कीट व्याधि नियंत्रण के लिए डायग्नोस्टिक टीम ने भ्रमण किया

रतलाम। जिले में जारी रबी सीजन में फसलों पर कीट व्याधि नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए कृषि विज्ञान इको की डायग्नोस्टिक टीम ने पिपलोदा विकासखंड के शेरपुर, आम्बा, सैलाना विकासखंड के करिया, रतलाम विकासखंड के कुआंझागर, तीतरी आदि गांव के किसानों के खेतों में गेहूं, चना, लहसुन की फसल का निरीक्षण कर फसल बचाव के लिए वैज्ञानिक सलाह दी। कुछ क्षेत्रों में जड़ महू से ग्रस्त फसल देखी गई। इस कीट के नियंत्रण के लिए मौके पर वैज्ञानिकों ने सलाह दी। दल में के.वी.के. कालूखेड़ा के डॉक्टर चतराराम कटवा, रोहितासिंह, सहायक संचालक श्री भीका वास्के, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री बी.एम. सोलंकी संबंधित गांव के कृषक मित्र, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी शामिल थे।

किसानों को देंगे 12 घण्टे बिजली : ऊर्जामंत्री

प्रियव्रत सिंह

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रियव्रत सिंह ने कहा है कि किसानों को खेती के लिए लगातार 12 घण्टे बिजली देने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विरासत में मिली खस्ताहाल विद्युत कंपनियों पर कुल रूपये 37 हजार 963 करोड़ ऋण था। साथ ही, कम्पनियों का संचयी घाटा बढ़कर लगभग 44 हजार 975 करोड़ हो गया था। इस कारण नई सरकार के सामने कई चनौतियाँ थीं। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि कठिन परिस्थितियों से जूझते हुए सरकार द्वारा पिछले एक साल में प्रदेशवासियों को निर्बाध बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। सरकार ने सत्ता संभालते ही इस दिशा में काम करना शुरू कर दिया है।

श्री प्रियव्रत सिंह ने बताया राज्य सरकार ने किसानों का बिजली बिल आधा किये जाने नियत समय में पूरा किया है। इसी के साथ, दस हार्स पॉवर तक के कृषि पंप उपभोक्ताओं की विद्युत दरों को आधा कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में जो 1400 रूपये प्रति हार्स पॉवर, प्रतिवर्ष कृषि पंपों की विद्युत दर निर्धारित थी, उसे एकदम आधा करके राज्य सरकार ने 700 रूपये प्रति हार्स पॉवर कर दिया है। इससे 19 लाख 91 हजार किसान लाभान्वित हो रहे हैं। इस योजना में प्रति किसान लगभग 47 हजार रूपये प्रति वर्ष सब्सिडी दी जा रही है। श्री प्रियव्रत सिंह ने कहा कि इतना ही नहीं, हमने स्थायी कृषि पंप कनेक्शन के अतिरिक्त अस्थायी कृषि पंप उपभोक्ताओं की विद्युत दर पूर्व की सरकार की तुलना में बहुत कम कर दी है। साथ ही एक हेक्टेयर तक की भूमि वाले अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के किसानों को 5 हार्स पॉवर तक के कृषि पंप कनेक्शनों के लिये निःशुल्क बिजली दी जा रही है, जिसके एवज में राज्य सरकार बिजली कंपनियों को 3800 करोड़ रूपये वार्षिक सब्सिडी देगी।

उज्जैन में अजीतसिंह और मुरैना में हरिसिंह बने सहकारी बैंक प्रशासक

भोपाल। सहकारिता विभाग ने दो और जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों में प्रशासक नियुक्त कर दिये हैं। उज्जैन में अजीतसिंह और मुरैना में हरिसिंह को प्रशासक बनाया गया है। इसके पहले भिंड, छिंदवाड़ा, बालाघाट, बैतूल, दमोह और पन्ना बैंक में प्रशासक तैनात किये जा चुके हैं। अपेक्स बैंक में कांग्रेस नेता अशोक सिंह को प्रशासक बनाया गया है। उज्जैन बैंक के प्रशासक बनाए गए अजीत सिंह की पत्नी तराना जनपद पंचायत की अध्यक्ष हैं और वे जिला कांग्रेस पदाधिकारी हैं। इसी तरह मुरैना बैंक में प्रशासक बनाए गए हरि सिंह बैंक के संचालक होने के साथ जिला कांग्रेस महामंत्री हैं। बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में कुछ और बैंकों में प्रशासक नियुक्त किये जाएँगे।

यूरिया वितरण के बेहतर प्रबंध हों

बैतूल। कलेक्टर श्री तेजस्वी एस. नायक ने कहा है कि जिले में यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। कृषकगण इस बात से आश्वस्त रहें कि यूरिया की कमी नहीं आएगी। सहकारी समितियों से अपेक्षा है कि वे कृषकों को यूरिया वितरण के बेहतर प्रबंध करें, ताकि छोटे किसानों को आसानी से यूरिया मिल सके। कलेक्टर ने कहा कि नियम विरूद्ध यूरिया होल्ड करने वालों तथा ब्लैक से बेचने वालों पर प्रशासन नजर रख रहा है। ऐसे लोगों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। श्री नायक जिला मुख्यालय पर सहकारी समितियों के प्रबंधकों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

शासकीय सेवकों के लिए लागू होगी स्वास्थ्य बीमा योजना

भोपाल। सामान्य प्रशासन मंत्री डॉ. गोविन्द सिंह ने बताया है कि मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ के निर्देशानुसार प्रदेश के समस्त सेवारत एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना तैयार की गई है। योजना की औपचारिक स्वीकृति के बाद शीघ्र ही इसे लागू कर दिया जाएगा। डॉ. सिंह ने बताया कि योजना से लगभग 7.5 लाख सेवारत तथा लगभग 5 लाख सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों तथा उनके परिवारों को सामान्य रूप से 5 लाख रूपये तक तथा गंभीर बीमारियों में 10 लाख रुपये तक कैशलैस इलाज की सुविधा मिलेगी।

मंत्री डॉ. सिंह ने बताया कि योजना में प्रत्येक सेवारत/सेवानिवृत्त शासकीय सेवक को हेल्थ कार्ड जारी किया जाएगा, जिसके माध्यम से उन्हें चयनित नेटवर्क हॉस्पिटल्स में निःशुल्क चिकित्सा सुविधा मिलेगी। क्रियान्वयन एजेंसी के माध्यम से बीमा कंपनी द्वारा सीधे अस्पताल को वास्तविक भुगतान किया जाएगा। एक्सीडेंट अथवा अन्य इमर्जेन्सी के केस में इम्पेनल्ड हॉस्पिटल्स के अलावा अन्य हॉस्पिटल में इलाज करवाने के लिए संबंधित सीएमओ से रैफर कराने का प्रावधान भी किया जा रहा है। डॉ. गोविंद सिंह ने बताया कि योजना में इलाज एवं ऑपरेशन के व्यय के अलावा 10 हजार रूपये तक ओ.पी.डी. व्यय देना भी प्रावधानित है। ऑपरेशन/इलाज के बाद चलने वाली दवाओं पर होने वाले खर्च तथा ब्लड प्रेशर एवं शुगर जैसी बीमारियों की दवाओं का खर्च भी दिए जाने का प्रावधान किया जा रहा है।

श्री बी.एल. मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्रीमती सुनीता गोठवाल
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री डी.आर. सरोठिया
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान भाइयों को नूतन वर्ष की हार्दिक बधाइयाँ

सौजन्य से : श्री ज्ञानप्रकाश तिवारी (शा.प्र. नलखेड़ा) श्री धीरजसिंह सोनगरा (शा.प्र. आगर शहर)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नलखेड़ा, जि.शाजापुर श्री भेरूलाल मालवीय (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आगर, जि.शाजापुर** श्री अशोक कुम्भकार (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पीलवास, जि.शाजापुर श्री राना रनवीर सिंह (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नरवल, जि.शाजापुर** श्री चन्द्रशेखर दुबे (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दमदम, जि.शाजापुर श्री रमेश जायसवाल (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दोती, जि.शाजापुर** श्री सुरेन्द्रसिंह चौहान (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सोनलखेड़ी, जि.शाजापुर श्री धीरजसिंह सिसोदिया (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. घुरसिया, जि.शाजापुर** श्री प्रवीण कुमार चौधरी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रीठी, जि.शाजापुर श्री भेरूसिंह सिसोदिया (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हरनावदा, जि.शाजापुर** श्री अमृतलाल शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भंडावद, जि.शाजापुर श्री राजेन्द्र कुमार सोनी (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हनुमान, जि.शाजापुर** श्री शेखर शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लसुड़िया कलवा, जि.शाजापुर श्री हरेन्द्रसिंह सिसोदिया (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बापचा, जि.शाजापुर** श्री दुलेसिंह यादव (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धरोला, जि.शाजापुर श्री प्रेमचंद गवली (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लि. बैजनाथ, जि.शाजापुर** श्री श्यामलाल कारपेंटर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोल्याखेड़ी, जि.शाजापुर श्री सिद्धनाथ शर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कसाई देहरिया, जि.शाजापुर** श्री धर्मेन्द्र गुर्जर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गोयल, जि.शाजापुर श्री रविनंदन नागर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पालडा, जि.शाजापुर** श्री कैलाश यादव (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कुशलपुरा, जि.शाजापुर श्री जयसिंह राजपूत (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गंगापुर, जि.शाजापुर** श्री माँगीलाल केशरिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बड़ागाँव, जि.शाजापुर श्री छगनलाल नागर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पीपल्याघाटा, जि.शाजापुर** श्री सत्यनारायण दुबे (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पानखेड़ी, जि.शाजापुर श्री गंगाराम सोंधिया (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झोटा, जि.शाजापुर** श्री अब्दुल रजाक खान (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

धान खरीदी केन्द्रों में किसानों को कठिनाई न हो : टेकाम

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने बलौदाबाजार जिले के पलारी विकासखण्ड स्थित भवानीपुर धान खरीदी केन्द्र और लवन की कृषि सेवा सहकारी समिति केन्द्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारियों की निर्देशित किया कि धान खरीदी केन्द्रों में किसानों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होनी चाहिए। किसानों का धान शासन के निर्देशानुसार खरीदा जाए। डॉ. टेकाम ने निरीक्षण के दौरान धान खरीदी केन्द्र में की जा रही तौल में कांटा-बांट को देखा और गुणवत्ता को भी परखा।

डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने पलारी विकासखण्ड के भवानीपुर की धान खरीदी केन्द्र के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान की सुरक्षा के लिए व्यवस्थित ढंग से स्टेक लगाए जाए। केप कव्हर और ड्रेनेज व्यवस्था सुनिश्चित करें। सहकारिता मंत्री ने धान का विक्रय करने आए किसानों से भी चर्चा कर व्यवस्था की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि इस केन्द्र में एक हजार 35 कट्टा जब्ती का धान है। डॉ. टेकाम ने अधिकारियों को जब्ती के धान को अलग से रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए धान खरीदी केन्द्र में ऐसी व्यवस्था की जाए की वह संतुष्ट हो। डॉ. टेकाम ने लवन के कृषि सेवा सहकारी समिति केन्द्र में निरीक्षण के दौरान धान खरीदी के लिए की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। यहां व्यवस्थित ढंग से स्टेक लगे हुए थे और ड्रेनेज के लिए भी व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। निरीक्षण के दौरान जिला सहकारी संस्था के उप पंजीयक, जिला विपणन अधिकारी, धान खरीदी के नोडल अधिकारी समिति प्रबंधक, फड़मुंशी और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बीज प्रक्रिया केन्द्र से उन्नतशील बीज की किस्में भी मिलेंगी

रायपुर। जिला मुख्यालय कोण्डागांव में छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड के द्वारा बीज प्रक्रिया केन्द्र स्थापित किया गया है। इस बीज प्रक्रिया केन्द्र से जिले में उत्पादित धान के बीजो का प्रसंस्करण कर उन्नतशील बीजो का उत्पादन संभव हो पायेगा। जिससे जिले के किसानों को अब उन्नतशील बीजों की उपलब्धता सुलभ होगी तथा बीजों के संबंध में आत्मनिर्भरता प्राप्त होगी।

कृषि विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार इस हेतु जिले के विभिन्न ग्राम चलका, कोनगुड, बयानार, करंजी, कोकोडी, बोलबोला, बड़े कनेरा, माकड़ी, बड़ेघोड़सोड़ा, कुसमा के कुल 74 कृषकों द्वारा कृषि विभाग के माध्यम से बीज निगम में बीज उत्पादन हेतु धान की दुर्गेश्वरी, बमलेश्वरी, चंद्रहासिनी एमटीयू 1010 व अन्य किस्मों के प्रजनक, आधार व प्रमाणित बीजों के उत्पादन हेतु 67 हेक्टयर रकबे के लिए पंजीयन कराया गया है, जिनसे लगभग 3000 क्विंटल धान बीजो का उत्पादन होगा। इसके लिए 3 टीपीएच की ग्रेडिंग मशीन स्थापित की गई है तथा 1500 मीट्रिक टन के 3 गोदामो का निर्माण किया गया है। यह बीज प्रारंभिक प्रजनक के रूप में सवंर्धित किये जायेंगे, जिसके आधार एवं प्रमाणित बीजों का प्रसंस्करण का आगामी वर्षों में किया जायेगा। तत्पश्चात इन बीजों का प्रमाणिकरण जांच एंव टैगिंग के पश्चात यह बीज सोसायटी एंव प्रक्रिया केन्द्र के माध्यम से सीधे किसानों को उपलब्ध करायें जाएँगे।

बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे परियोजना के क्रियान्वयन हेतु भूमि हस्तान्तरण से सम्बन्धित किसानों का किया सम्मान

एक्सप्रेस-वे बदलेगा बुंदेलखंड की तकदीर : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा है कि लगभग 15,000 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाला बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे, बुन्देलखण्ड क्षेत्र के विकास और वहां की तकदीर को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से अब तक उपेक्षित रहा बुन्देलखण्ड क्षेत्र किसानों के सहयोग और समर्थन से विकास की नई गाथा लिखने जा रहा है। डिफेन्स कॉरिडोर की स्थापना भी बुन्देलखण्ड को विकास की नई ऊँचाइयों पर ले जाएगी।

मुख्यमंत्री लोक भवन में बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे परियोजना के क्रियान्वयन हेतु भूमि हस्तान्तरण से सम्बन्धित किसानों के सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे परियोजना से सम्बन्धित जनपदों-चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर, महोबा, जालौन, औरैया एवं इटावा के 10-10 प्रतिनिधि किसानों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने यूपीडा की एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं की प्रगति के अनुश्रवण हेतु विकसित 'मोबाइल एप' का लोकार्पण किया। इसके अलावा, उन्होंने 'उत्तर प्रदेश रक्षा तथा एयरोस्पेस इकाई एवं रोजगार प्रोत्साहन (प्रथम संशोधन) नीति-2019' की विवरणिका का विमोचन किया। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे परियोजना के चयनित निर्माणकर्ताओं और यूपीडा के मध्य अनुबन्ध का आदान-प्रदान भी किया गया। मुख्यमंत्री जी की उपस्थिति में बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे परियोजना के विभिन्न निर्माणकर्ताओं के साथ यूपीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अवनीश कुमार अवस्थी ने अनुबन्ध का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त श्री आलोक टण्डन, प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास श्री आलोक कुमार, यूपीडा के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री श्रीश चन्द्र वर्मा, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के विभिन्न पैकेजों के चयनित निर्माणकर्तागण, बुन्देलखण्ड के 7 जनपदों से पधारे कृषणगण सहित शासन-प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं मीडियाकर्मी उपस्थित थे।

चौधरी चरणसिंह ने जीवन भर किसानों के लिए काम किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने पूर्व प्रधानमंत्री व किसान नेता स्व. चौधरी चरण सिंह की 117वीं जयन्ती पर आयोजित किसान सम्मान दिवस के अवसर पर विधानसभा स्थित उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने किसान सम्मान योजना के अन्तर्गत कृषकों को सम्मानित किया।

अपने सम्बोधन में मुख्यमंत्री जी ने कहा कि चैधरी चरण सिंह जी ने जीवन पर्यन्त किसानों की खुशहाली के लिए कार्य किया। स्व. चौधरी चरण सिंह जी का मानना था कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश की खुशहाली का रास्ता गांव से गुजरता है। जमींदारी उन्मूलन एवं लघु, सीमान्त कृषकों को 03 एकड़ भूमि तक भू-राजस्व से छूट दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। चौधरी चरण सिंह जी ने किसानों के हित में अनेक निर्णय लिए, उसी का परिणाम है कि आज किसान विकास के मुख्य केन्द्र बिन्दु में है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गेहूं, चना, मटर, मसूर तथा राई, सरसों, धान, मक्का, अरहर, उड़द तथा सोयाबीन की फसलों में राज्य स्तर पर प्रति हेक्टेयर अधिकतम उत्पादकता प्राप्त करने वाले 31 किसानों को फसलवार क्रमशः प्रथम पुरस्कार के लिए 01 लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार के लिए 75 हजार रुपये तथा तृतीय पुरस्कार के लिए 50 हजार रुपये, प्रमाण-पत्र एवं एक शॉल देकर सम्मानित किया। कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि किसानों की खुशहाली से देश खुशहाल हो सकता है। चौधरी चरण सिंह जी के प्रयासों से ही जमींदारी व्यवस्था समाप्त हो सकी। मुख्य सचिव श्री आर.के. तिवारी, कृषि राज्य मंत्री श्री लाखन सिंह राजपूत ने भी संबोधित किया।

● आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक'
अध्यक्ष : म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद
376, म.गाँ. मार्ग (बड़े गणपति के पास), इंदौर
फोन : 0731-2414181, मो. 9755014181

मेष

काम में मन नहीं लगेगा। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा।

वृषभ

मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन

भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय भविष्य में लाभ देगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। प्रसन्नता रहेगी। फालतू खर्च होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

कर्क

नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। बेरोजगारी दूर होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। व्यापार लाभप्रद रहेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कोई बड़ी समस्या का हल मिल सकता है।

सिंह

स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से हानि होगी। समय पर कार्य न होने से तनाव रहेगा। दूसरे आप से अधिक अपेक्षा करेंगे। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आय में निश्चितता रहेगी।

कन्या

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा से लाभ होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। सुख के साधनों पर अधिक व्यय होगा। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी।

तुला

योजना फलीभूत होगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यसिद्धि होगी। नए अनुबंध होने से प्रसन्नता रहेगी। पूंजी की व्यवस्था होने से कार्य में गति आएगी। भाइयों तथा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक

तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में कार्य की अधिकता रह सकती है। अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

धनु

किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। आवश्यक वस्तु समय पर न मिलने से तनाव रहेगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। लाभ के अवसर हाथ से निकल सकते हैं। समय पर ठीक निर्णय ले पाएंगे।

मकर

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। मन की चंचलता बढ़ेगी। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ समय प्रसन्नतादायक व्यतीत होगा।

कुम्भ

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। ऐश्वर्य के साधनों पर अधिक व्यय हो सकता है। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। नौकरी में अधिकार वृद्धि संभव है। चोट व रोग से बचें। प्रसन्नता बनी रहेगी।

मीन

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पठन-पाठन व लेखन में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि के प्रयोग से बड़ी समस्या का हल कर पाएंगे।

सलमान ने शानदार अंदाज में मनाया जन्मदिन

बॉलीवुड स्टार सलमान खान ने अपना 54वां जन्मदिन मनाया। बॉलीवुड हस्तियों के साथ ही उनके फैंस ने भी सलमान को इस खास मौके पर जमकर बधाईया दी। सलमान खान ने अपने इस बर्थडे को परिवार और बॉलीवुड कलाकारों के साथ खास अंदाज में सेलिब्रेट किया। उन्होंने अपने भांजे साहिल को गोद में लेकर केक काटा। इसका वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रहे हैं। इस मौके पर उनके पिता सलीम खान और मां भी उनके साथ केक काटते हुए नजर आई। सामने आए वीडियो में सलमान के परिवार के साथ ही वहां मौजूद लोगों ने बॉलीवुड के दबंग का बर्थ डे जमकर सेलिब्रेट किया। सलमान खान बॉलीवुड में अपनी अदाकारी के साथ ही बिंदास अंदाज की वजह से भी खास मुकाम रखते हैं। फैन्स के साथ ही फिल्मी दुनिया के कलाकारों में भी वह खासे चर्चित रहते हैं।

गुड न्यूज को दिखाई दर्शकों ने गर्मजोशी

अक्षय कुमार की फिल्म गुड न्यूज को दिसंबर की सर्द सुबह में जो गर्मजोशी दर्शकों ने दिखाई है, उससे निर्माता करण जौहर का खून जरूर बढ़ गया होगा। इस मल्टीस्टारर को देखने के लिए सुबह से ही लोगों ने अपनी रजाई छोड़ दी। ज्यादातर शहरों में सुबह 9 बजे से इसे शो शुरू हुए और बढ़िया खबर यह है कि पहला शो ही 30 फीसद पैक रहने की खबर है। इसे बाद भी शो खाली नहीं रहे हैं और तादाद में युवा इसे देखने आ रहे हैं। करीना कपूर, कियारा आडवानी और दिलजीत दोसांज भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। अक्षय कुमार का इसमें खास रोल है और वो इसमें जमकर हंसाते हैं। अक्षय के फैन्स यह बात जानते हैं और वो फिल्म देखने पहुंच रहे हैं। क्रिटिक्स इसकी तारीफ कर रहे हैं। देखने वालों को भी ये पसंद आ रही है। ऐसे में कहा जा सकता है कि इसका 100 करोड़ के पार जाना तय है।

समस्त किसान भाइयों को
0% ब्याज दर पर फसल ऋण

सौजन्य से

श्री ज्योति खेड़िया
(शा.प्र. विजयगंज मंडी)
श्री अय्यूब बेग मिर्जा
(पर्य. विजयगंज मंडी)
श्री एम.एल. रैकवाल
(शा.प्र. पिपल्या सड़क)
श्री मणिशंकर नागर
(शा.प्र. हाटपीपल्या)
श्री आर.सी. भंडारी
(पर्य. हाटपीपल्या)
श्री अकेसिंह सोलंकी
(शा.प्र. भौंरासा)

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण	दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

डॉ. श्रीकांत पाण्डेय
(कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक)

श्री बी.एल. मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री मनोज गुप्ता
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री मुकेश बार्चे
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. रालामंडल, जि.देवास
श्री जाकिर शाह (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. सालमखेड़ी, जि.देवास
श्री अय्यूब बेग मिर्जा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. आगरोद, जि.देवास
श्री नरेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. दतोत्तर, जि.देवास
श्री अशोक कुमावत (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. सुनवानी भोपाल, जि.देवास
श्री माखनलाल वर्मा (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. रतनखेड़ी, जि.देवास
श्री राकेश पटेल (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. पिपल्या सड़क, जि.देवास
श्री राम चौधरी (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. टोंककलां, जि.देवास
श्री दीपेन्द्र सिंह (प्रबंधक)

आ.जा.सेवा सह.संस्था मर्या. आलरी, जि.देवास
श्री छीतूसिंह भंडारी (प्रबंधक)

सेवा सह.संस्था मर्या. बरखेड़ा सोमा, जि.देवास
श्री हुकुमसिंह (प्रबंधक)

सेवा सह.संस्था मर्या. अरलावदा, जि.देवास
श्री मानसिंह सिकरवार (प्रबंधक)

सेवा सह.संस्था मर्या. मानकुंड, जि.देवास
श्री मनोहर सिंह (प्रबंधक)

सेवा सह.संस्था मर्या. नेवरी, जि.देवास
श्री बिहारी सिंह (प्रबंधक)

सेवा सह.संस्था मर्या. करनावद, जि.देवास
श्री हुकुमसिंह (प्रबंधक)

सेवा सह.संस्था मर्या. हाटपीपल्या, जि.देवास
श्री भरतकुमार सेंधव (प्रबंधक)

सेवा सह.संस्था मर्या. भौंरासा, जि.देवास
श्री तेजसिंह राजपूत (प्रबंधक)

सेवा सह.संस्था मर्या. पोलाय जागीर, जि.देवास
श्री बोन्दर सिंह (प्रबंधक)

सेवा सह.संस्था मर्या. बौंलासा, जि.देवास
श्री राकेशसिंह राजपूत (प्रबंधक)

सेवा सह.संस्था मर्या. संवरसी, जि.देवास
श्री विक्रमसिंह चौधरी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

नूतन वर्ष पर आप सभी का हार्दिक अभिनंदन

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

श्री जगदीश कन्नौज
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री राजेश क्षत्री
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री एस.के. खरे
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पुवार्डा हप्पा, जि.इंदौर
श्री विजयसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

सौजन्य से
श्री सदाशिव बैरासी (शा.प्र. क्षिप्रा)
श्री हरीश पाण्डेय (पर्य. क्षिप्रा)
श्री ओमप्रकाश चौहान (शा.प्र. मांगल्या सड़क)
श्री धर्मेन्द्र चौहान (पर्य. मांगल्या सड़क)
श्री वी.के. तिवारी (शा.प्र. हातोद)
श्री अशोक नागर (पर्य. हातोद)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बसान्द्रा, जि.इंदौर
श्री लालचंद सोनगरा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. डकाच्या, जि.इंदौर
श्री माखनलाल पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कांकरिया बोड़िया, जि.इंदौर
श्री कृपाराम सिसोदिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. गुराण, जि.इंदौर
श्री विजयसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कदवाली खुर्द, जि.इंदौर
श्री कल्याणसिंह बारोड़ (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. नागपुर, जि.इंदौर
श्री हृदयेश व्यास (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बरलाई, जि.इंदौर
श्री हरीश पाण्डेय (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बघाणा, जि.इंदौर
श्री धीरेन्द्रसिंह सिसोदिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. चितौड़ा, जि.इंदौर
श्री हरिसिंह पंवार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पलासिया, जि.इंदौर
श्री श्यामलाल पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पालिया हैदर, जि.इंदौर
श्री समन्दरसिंह चौहान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कछालिया, जि.इंदौर
श्री माँगीलाल पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मांगल्या सड़क, जि.इंदौर
श्री धर्मेन्द्र चौहान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. हातोद, जि.इंदौर
श्री नरेन्द्रसिंह कनोजिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कांकरिया पाल, जि.इंदौर
श्री माँगीलाल पटेल (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. टोड़ी, जि.इंदौर
श्री अजबसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़ी कलमेर, जि.इंदौर
श्री समन्दरसिंह चौहान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. टाकुण, जि.इंदौर
श्री महेन्द्र गोस्वामी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक बृजेश त्रिपाठी द्वारा वी.एम. ग्राफिक्स, के-29, एलआयजी कॉलोनी, इंदौर से मुद्रित एवं 306-ए ब्लॉक, शहनाई-II, रेसीडेन्सी कनाड़िया रोड, इन्दौर से प्रकाशित (फोन : 0731-2595563, 9752558186, 8989179472, संपादक : बृजेश त्रिपाठी, प्रकाशन दिनांक : 17